अथ बड़ा रुक्मिणीमंगल प्रारंभ ।

विज्ञापन ।

प्रगट हो कि. मैं शिवकरण रामरतन दरक माहेश्वरी मारवाडी मूँडवेवाला इन्दोरनिवासी यह खबर देता हूँ कि यह "कृष्णरुक्मिणी" विवाह महामहोत्सव अति परम पवित्र भवाब्धि उल्लंघनार्थ नौका हमारे स्वज्ञातीय वैश्य माहेश्वरी तैला पदम भक्तने कैसा अच्छा बनाया था, परन्तु इसके गाने बजानेवालोंने अपनी आजीविका ही मानकर प्रिय मित्रोंसे भी गुप्त कर रक्खा गल सड तो गया पर हवा भी नहीं लगने दी। इसी तरहसे यह ग्रंथ अदृश्य होगया। फिर कई एक लोग ढूँढढाँढके लाकर चोरी छिपीसे लिख २ कर काम चलाने लगे पर महावोर अशुद्ध छन्द अर्थभंग कर दिया पर तो भी भक्तजन सुन सुन और भक्तिरूपी सुधारस पान करके अपनी उत्कंठारूपी प्यासको बुझाने लगे और अपना जन्म सुफळ मानकर धन्यवाद देने लगे। फिर बहुतसे लोगोंने चाहा कि छप जाय तो अच्छा हो। जब अधूरा और अशुद्ध भी कई एक जगह छप गया परन्तु जिन पुरुषोंने सम्पूर्ण ग्रंथका अमृतपान किया था उनकी प्यास उन अधूरोंसे कहाँ बुझे ? इससे हमने भक्तजनोंके हितार्थ बहुत द्रव्य खर्च करके जहाँ जहाँ सम्पूर्ण ग्रंथ (मारवाड जोधपूर, नागोर, बीकानेर) था वहांसे लिखवा २ कर ११ पुस्तकें इकट्ठी करीं व सबका अनुक्रम मिलाया और जहाँ छंदोभंग अर्थभंग भेटा आमिल टूटक फूटक अधूरा था वहाँ नवीन अंतरे दोहे सोरठे पद बनाकर सम्पूर्ण कर "बृहत्रुक्मिणीमंगल" नाम रक्खा। यह बहुत ही उत्तम ग्रन्थ है। आशा है कि भक्तजन इससे लाभ उठावेंगे जिससे कि मैं भी अपने परिश्रमको सफल समझूंगा ।

भक्तजन–कृपाकांक्षी–

सदाशिवकरण रामरतन दरक माहेश्वरी.
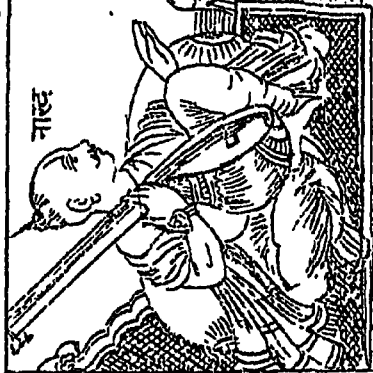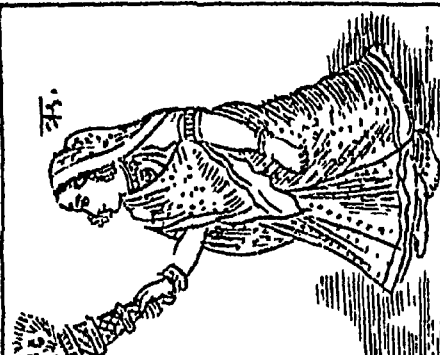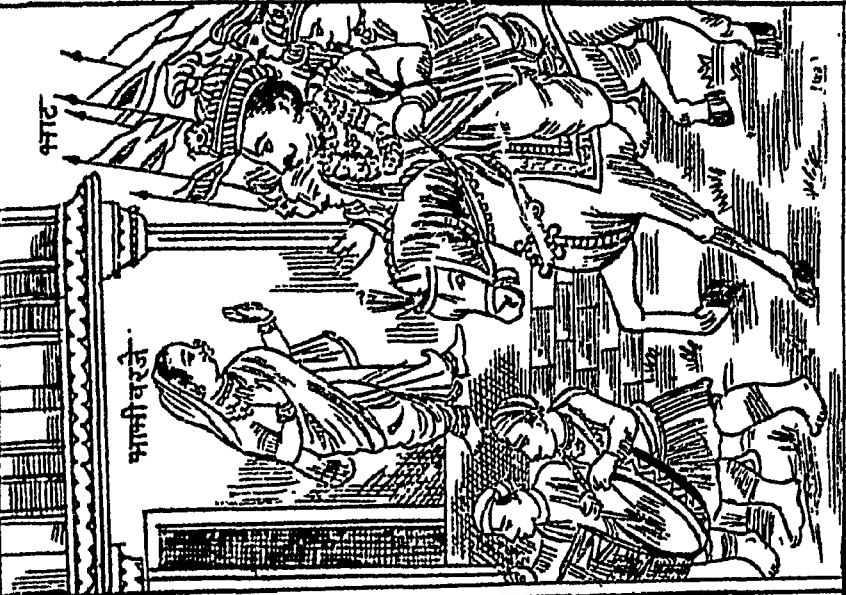
सरस्वती.
गणपती
ऋ.
रुकमणी
श्री कृष्ण
वैश्यपदम.
नारद
रुकमणी.
भीम.

राजाभिषकेसि
पांचपुत्र.
रुकम.
राणी
भाटनेचंदेरी भेजे.
भाट

चंदेरी सिसपाल सभामें जोशीटीप्पा
दंतवक्र
भाभी
सिसपाल
भाभीवरजे
भाट

सिसपालकीजानमें खोटाशकुनहुए.

५

द्वारका
आमन्त्रणपत्र देवे
सख्या गारी गावें.
विप्रजीमे
बलदेवजी

श्री कृष्ण बरात कुंदनपुरने चली

श्रीकृष्णजान.
ब्राह्मणपाछोआयो
भीम:

माता.
मंत्रि
रुकम.
अंबिका
रुकमणी हरण.

जुरायुद्ध
शिशुपाल

रु.

कुंदनपुर
कु. वी.
कृष्ण परण द्वारकाप्रवेश.
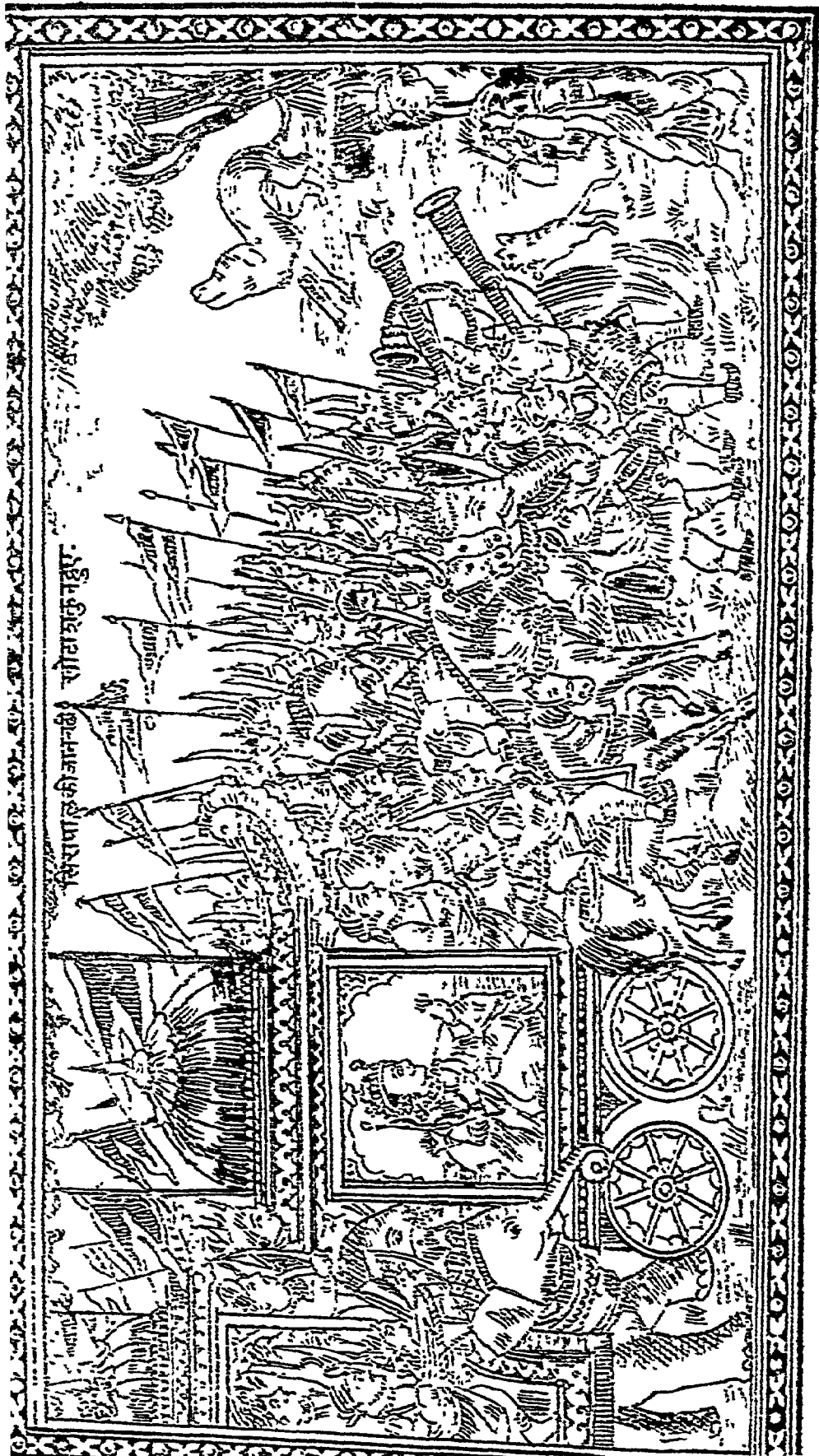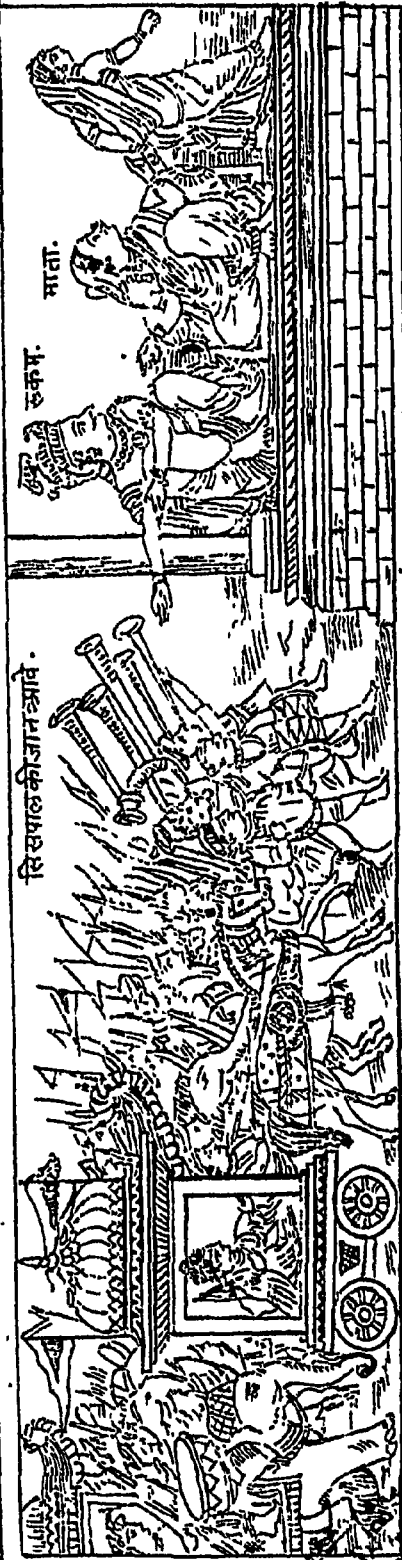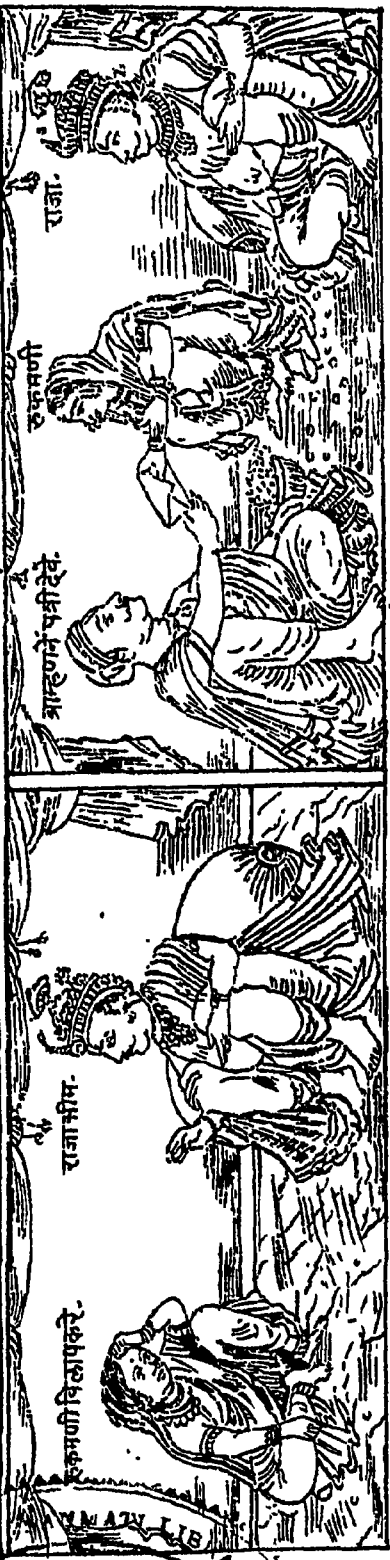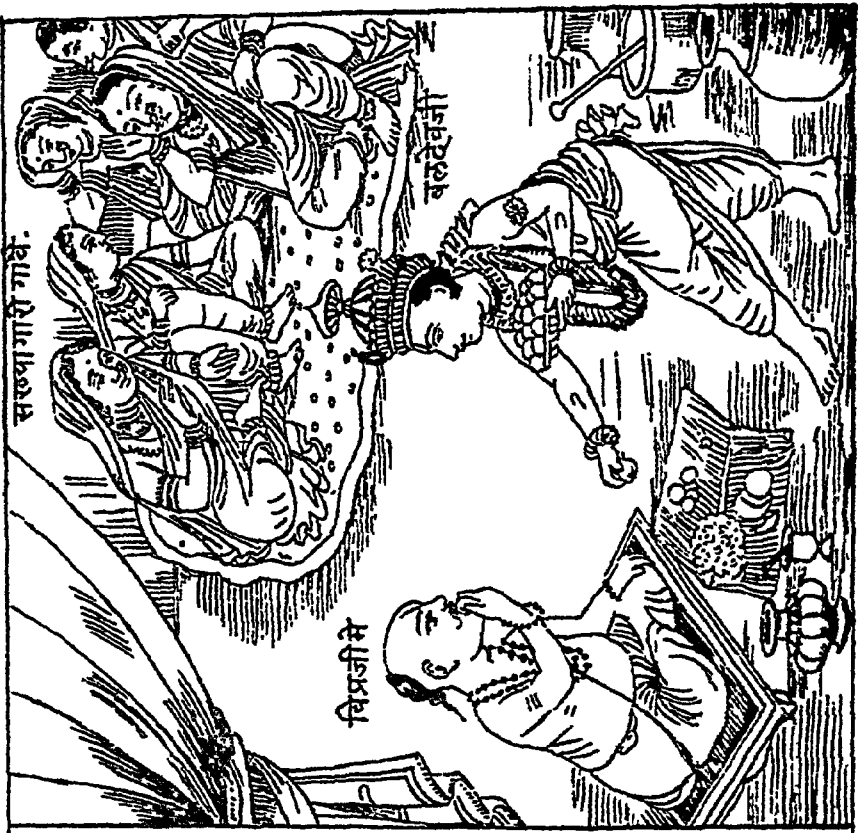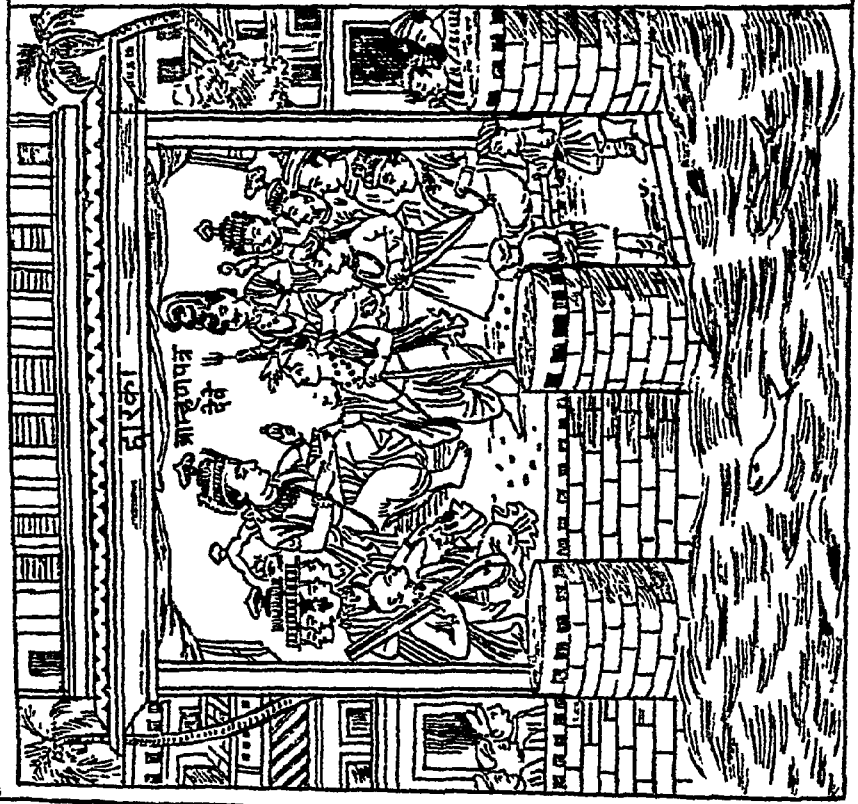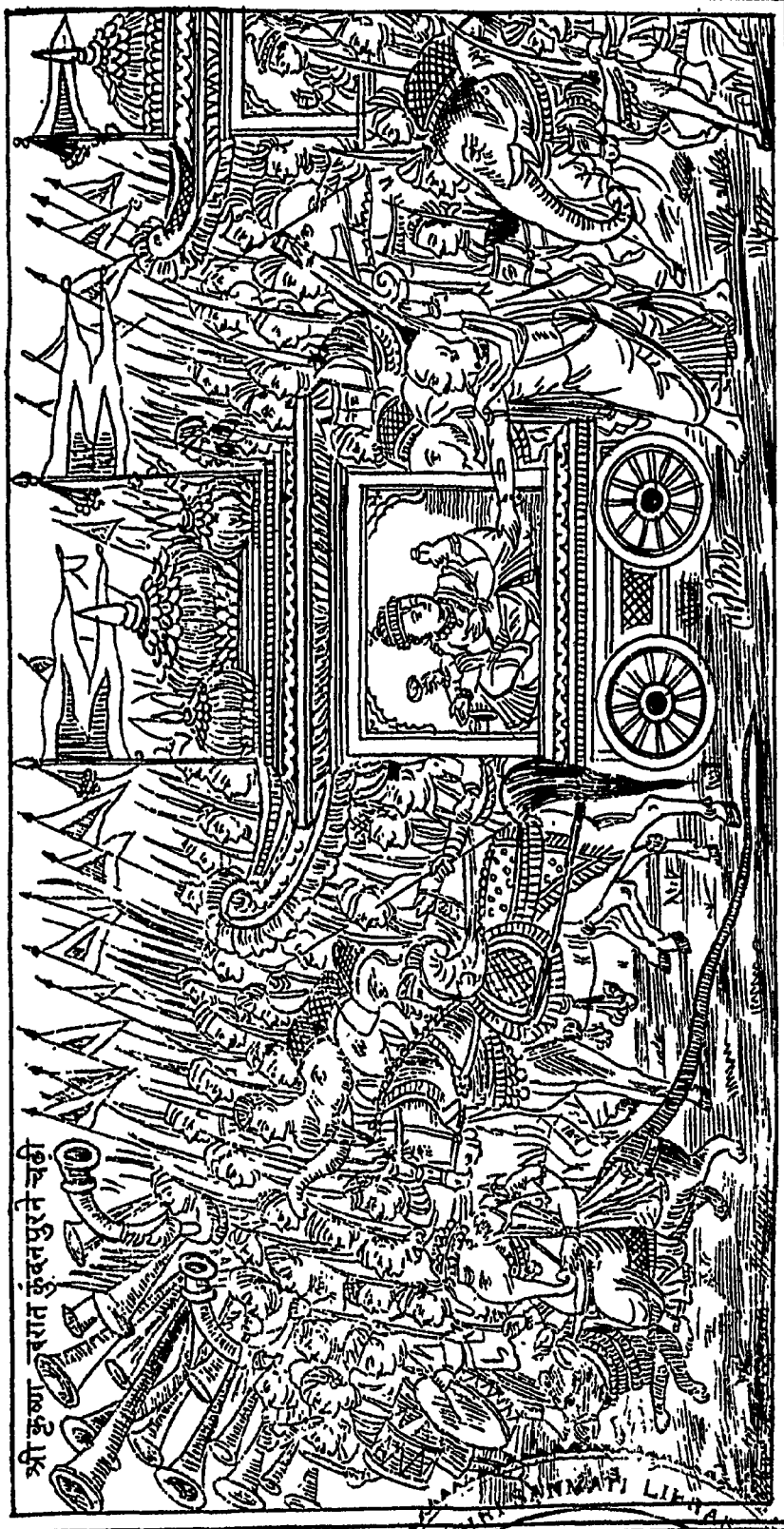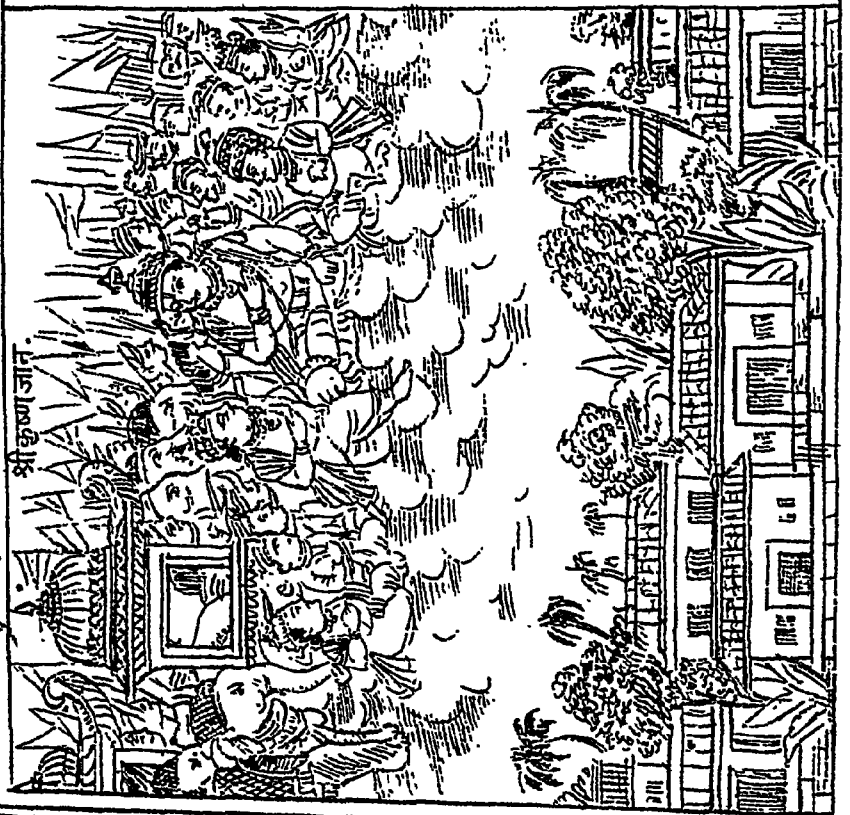
॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्योनमः ॥ अथभ
क्तपदमदासजीकृतरुक्मिणीमंगलं प्रारभ्यते ॥ दोहा ॥ गौ
रीसुतगणनायका, ऋद्धिसिद्धिदातार । करजोरेकरेबीनती,
दासपदमबलिहार ॥ १ ॥ हरीभक्तिकरतेहुते, सदा लगाये
ध्यान । कृष्णाज्ञा जबहीं भयो, गावन लगे सुजान ॥ २ ॥
रुक्मिणीमंगलपदविषय,अपनी भाषा माहिं। ऐसीसुंदरतिन
लिखी, बांचतसबहरषाहिं ॥ ३ ॥ गवरीनंदन वीनवाँ, सुरसत
सुरतसुजाण ॥ कृष्णतणोंवीहावलो, रिधसिधप्रसिधप्रवाण ॥
रागमारू ॥ रिधसिधप्रसिधप्रवाणभणीजे कृष्णतणोंरोविहावो॥
सुंडाडंबरसीसचंद्रमा लाललोचनवारो ॥ १ ॥ थूहलगाथ
ठमकेचाले सिरसोहंदोमारो ॥ गवरीनंदनविघनविहंडनदुख
खंडन सुखसारो॥ २ ॥दाँताँसनमुखदिनकरझलखेडरफूलाँदो

हारौ॥ पहलेवेदपुराणअगोचरवरणीजैजसथारौ ॥ ३ ॥ मूसा
वाहनकरधनुफरसीपहलेपूजातेरी ॥ पदमभणैप्रणमेपायेलागूँ
आसापूरौमेरी ॥ ४॥दोहा॥ब्रह्मसुतानेवीनवाँ, सरस्वतिहंसा
रूढ॥वाणीमातावेगद्यौ, मौमनमायामूढ ॥१॥ रागमारू ॥
वाणीमातावेगकरौनीमुखमंडनव्याकरणी ॥ येकणकरधनुवी
णासौहैदूजेपुस्तकधरणी ॥१॥ तीजेअभीकमंडलझलकैचौथे
सोहैथालौ ॥ आदअंतअवतारभवानी सेवगनेप्रतिपालौ॥
छंदपिंगलभेवनजाणूनहिंजाणंव्याकरणी ॥ केवलभगतिक
राँकेशवकीकलमलमायाहरणी॥ २ ॥कासमीरमुखमंडनदेवी
दुखखंडनसुखदाता ॥ पूरणब्रह्मपदमके स्वामीवरद्यौसारद
माता ॥४॥दोहा॥जेमाताज्वालामुखी, जेजेजगतकरी ॥ वर
देअपणाभ्रमनलकौं नरमेन्कात्तमगी ॥ १ ॥ पहलेएगाईपंदवाँ

अरजुनछौटेभीव॥ नगरकौटनागररच्या,ऊंडीदिवाईनींव॥२॥
तुमगुनविद्यासरस्वति, जाचतनरसबकौय॥यहबरदीज्येपद्मम
न,रुकमणिमंगलहौय ॥३॥ रागमारू ॥ बचनतुमारौसुभयौ
दुरगा धौलागढकीराणी ॥ बावनभैंरूचौसठजौगणालुगाडि
याअगवाणी॥१॥कृपाकरौतेरेजनऊपर निजमुखवेदबखाणी॥
सतजुगमैंतैंरक्षाकीनी कलजुगमैंसहनाणी॥२ ॥कंठांआणवि
राजौदुरगाहदैग्यानमृदुबाणी ॥ ब्रह्माघरब्रह्माणीसौहेइंद्रघ
रइंद्राणी ॥ ३ ॥केशवकेघरलक्ष्मीसौहेरिषीमुनीजनध्यावै ॥
बडेबडेराक्षसतुमहनियायहभेदनमैंगावै ॥४॥ अंबअराधेसेनर
सुखिया बचनासिद्धहोयजावै ॥ तेरीमहिमाकबलगबरणूं जन
पद्ममइयौगावै॥५॥दोहा॥संसारसागर अधिकजल, सूझतव
रनपार॥गुरगोविंदकिरपाकरौ, गावौमंगलाचार॥१॥गुरगोविं

दमताइये, हरिथरप्याब्रह्ममंड॥येकखंडब्रह्ममंडमें, जेथरप्यान
वखंड॥२॥सुरतेतीसूवीनवाँ,ब्रह्माविस्नुमहेस॥जटाजूटगंगाव
है, कंठविराजैसेस॥३॥ सावत्रीपतिवीनवीं, आदिब्रह्मअवतार
॥सकलसृष्टिज्यानेरची, पंथचलावणहार ॥४॥ रागमारू ॥
ब्रह्मावेदांनिगमरोनायक मूलांनेसमझावै ॥ चितदेसुनेकु
रनकोमंगल मोख्यमुक्तिफलपावै ॥ १ ॥ मंगल सुनेमहासु
खउपजै मनइछ्याफलपावै ॥ कायाकष्टकदेनहिंब्यापैजनपद
मइयोगावै ॥ २ ॥ ॥ दोहा ॥ ब्रह्माजीकोसुमिरिये, जल
थलकियोविचार ॥ च्यारवेदचवदेभवन, सबकोसिरजनहार
॥१॥रागमारू॥च्याखेदभवनचवदेमें सबमिलासिरजनहा
रौ॥ नारदसारदसनकसनंदन संकरसेसापियारौ ॥१ ॥चवदे
इंद्रराजसबकरिहैं दिनब्रह्माकोसारौ ॥ वृधउमरब्रह्मावणिवे

ठौ महरुद्रकोन्धारौ॥२॥ब्रह्माभवनतीनकौनायक अभ्यास
करतावै ॥ हिरदेधरिकेसुनिहैं मंगल भगतिमुगतिफलपावै
॥ ३ ॥ मंगल सुण्याँ भगति होय आवै प्रभुकौदासकहा
वै ॥ कायानिर्मलसहजहोइजावै पदमइयोजसगावै ॥ ४ ॥
दोहा ॥ परमेश्वरकौंवीनवाँ, श्रीपतिअलखअभेव ॥ तीनूँलौ
कउपाविया, भवनचतुर्दसदेव ॥ १ ॥ रागमारू ॥ भवनच
तुरदसदेवदामोदर जलथलजीवउपाया ॥ दसअवतारधऱ्या
अविनासी आपगरभनहिं आया ॥ १ ॥ परमेश्वरकूँवीन
वाँजी थरप्याप्रथीअकासा ॥ चंद्रसूरताराजिनथरप्या पा
णीपवन प्रकासा ॥ २ ॥ परमेश्वरकूँवीनवाँजीजिनथरप्याब्र
हमंडा ॥ जल थलजीवउपावियाजी सप्तदीपनवखंडा ॥ ३ ॥
मेघमालजिनथरपियाजीकरदियादिवसऱराते ॥ रजनीमेंता

राह्रसाया बिनसायापरभाते ॥ ४ ॥ शेषनागसिरधरणीथ
रपीजलपातालपठाया ॥ ऊपरजलधरनीचेकीनाबिचबिचढ़
शबसाया ॥ ५ ॥ दानाँमारणदेवउधारण जुगजुगमेंहरिकी
याँ ॥ देवनिरंजनआग्यादीज्यै भक्तआपकीलीयाँ ॥ ६ ॥
सोइसोइरूपधर्‌यानारायण सोइसोइपरगटजाणौं ॥कूरुनको
पासिसपालउधार्‌यौ हकमाणिकथावखाणौं ॥ ७ ॥ कबलग
कहूँकहाँलौंबरणूंशेषपारनाहिंपाया ॥ पदमकहैतेरिलखीनजा
वैबिनथंभेमँडछाया ॥ ८ ॥ ब्यावतणीमृदुवाणीबोलाँ राग
रंगसुरगावाँ ॥ चंदनचर्चचतुरभुजपूजाँदासपदमबलिजावाँ
॥९॥ दोहा ॥ गौरीपतिनेवीनवाँ, नांदेसुरअसवार ॥ जटाजूट
गंगाबहै,कंठभुजंगाँहार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कंठभुजंगाँहार
विराजै अरुसोहैमृगछाला ॥ चंद्रलिलाटरवीज्यूंचिमकपन्न

गभूषणसाला ॥ १ ॥ सेलीसिंगीडमरूकरमैं औरवणी श्रम
माला ॥ ब्रह्माप्रगटकरेसृष्टीकूंविष्णू पौषणवाला ॥ २ ॥ पर
मगतीविसनूसैंतुमरीराक्षसवचनादिराया ॥ जौजौ शाकसंहुये
भवनमैंतुमहीवचनसुनाया ॥ ३ ॥ नंदीगण अरुस्यामकार
तिकबीरभद्रमनभाया ॥ आदिप्रभूअवतारधारिके सवकूआ
नंनिभाया ॥ ४ ॥ अजर अमर आंवेन्यांसीकाहिये सर्वरिपिन
मनभाया ॥ पदमकहैप्रणमौशिवशंकर रूंडमाललटकाया
॥५॥ रागमारू॥गौरिगंगकौकंथभणीजेहसहसवचनउचारे ॥
जटामुकुटसिरगंगखलहलेखगअसुरांसिरडारे ॥ १ ॥ माथे
सेलीगलरुंडमाला करमैं डमरूराजे ॥ भांगधतूराविषमअ
हारीकंथगवरिकौछाजे ॥ २ ॥ उडुगणपतिजाकेसीसविराजे
सुरतिबिचारनहोई ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी पारबतीपति

साइ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ परमगुरूगुरुदेवजी, रहौक्रपालसहाय ॥
तादिनकरमस्तकधरचौ, भागजुप्रगटचोआय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ गुरगौविंदकूंवीनवाजी अविन्यासी आदेवा ॥ तन
मनगुरपैंवारणाँजी करूँगुराँकीसेवा ॥ १ ॥ गुरपूरेपरमातमा
जीगुरतुमदीनदयाला ॥ जबतुमक्रपाकरौस्वामीजीमिटजा
यकालअकाला ॥ २ ॥ गुरुबडेपरमारथीजी सीसहाथधरदी
न्हाँ ॥ ध्यानधरचौगुरदेवतुमारौ जनअपणाँकरलीन्हाँ
॥ ३ ॥ गुरुमेरेमातापिताजीगुरुहैभाईबंधा ॥ अगमअगौचर
तुरतमतायातौडदियाजमफंदा ॥ ४ ॥ देवगुरुतुमआग्या
दीज्यौजडबुधदेवौबहाई ॥ पदमकहैगुरग्यानभतौवामक्तिमु
क्तिफलपाई ॥ ५ ॥ गुरगौविंदकेसरणेआयौकुलकीलज्जाफे
री ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामीआसापूरौमेरी ॥ ६ ॥ ॥ राग

मारू ॥ कंठीतिलकबण्यौंहिरदामैंमन आयौंबिसवासौं ॥
जबतुमकृपाकरीस्वामीजीकटगइजमकीपासौं ॥ १ ॥ ज
मकापाससहीतुमकाटेसरणतुमारीआयौ ॥ जबतुमकृपाक
रीस्वामीजी तबगुरुनामसुनायौ ॥२ ॥ दुखखंडनसुखदायक
स्वामी गुरतुमदीनदयाला ॥ दासपदमपरकिरपाकीज्यौ
अंतरकरौउजाला ॥ ३ ॥ धादकियौहरिपदमने, लियाहजूरबु
लाय ॥ अग्यादीन्हीस्यामने,पीतांबर पहिराय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ पायलग्यौहरिकेपदमइयौ बैठेजादवराई ॥ कृसनरु
कमनीकीरतगावौ निजमुख आपसुनाई ॥ १ ॥ रुकमणि
कहैसखातुसुनियौरच्यियौ चितलगाई ॥ यौमंगलपरगटतुम
करियौपुरीद्वारकामाँई ॥ २ ॥ अग्यालेपदमइयौआयौनि
जमुखमंगलगाई ॥ ज्यूंअग्यादीकृष्णरुकमणी कियउचार

सुखदाई ॥ ३ ॥ सुरतेतीसूंअग्यादीज्यौ रायरंगसुरगावाँ ॥ पारब्रह्मतुमपारलंघावौंरुक्कमणिब्यावरचावाँ ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रुकमणिमंगलगावताँ, हुवैंपवित्तरगाम ॥ कायाराकलमिस झरे, हौतसुचीसबधाम ॥ १ ॥ नरनारीमंगलसुनें, हरिचर णाँचितल्याय ॥ नारीअमरापुरबसे, नरबैकुंठाँजाय ॥ २ ॥ ब्यावलौभागीरथी, श्रीभागवतपुराण ॥ बोलैराणीरुकमणी, सुनियौभगतसुजाँण ॥ ३ ॥ कूडमतीनाभाखियौ,कथियौसो हौपरवाँण ॥ यहकीरत श्रीक्रुस्नकी, समझरकरौबखाँण ॥ ४ ॥ म्हेंम्हारीमतसूंकहूँ, लीज्यौस्यामसुधार ॥ पदमभणें प्रणमूँसदा,भक्ताँप्राणअधार ॥ ५ ॥ गननायकगनराजकूँ, वि नवाँबारंबार ॥ आरंभ्यापूरणकरौ, रचद्यौमंगलचार ॥ ६ ॥ ॥ रागमारू ॥ गवरीनंदगणेसमनाऊंसबकूंसीसनवाऊं ॥

सुरतेतीसूं अग्यादीज्ये रुकमनिमंगलगाऊं ॥ १ ॥ कृस्न
रुकमणीअग्यादीन्हीं निकटहजूरबुलायौ ॥ नंदकंवरराधा
बरजूकौ पदमइयोजसगायौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ सदाभवानी
दाहिनी, कीज्योमोरिसहाय ॥ कीरतगाऊं श्रीकृस्नकी, ली
ज्योआपबणाय ॥१॥ रागमारू ॥ लीज्योआपबनायभवानी
निजसेवककरजानौं ॥ कृस्नकौपासिसपालसंघारण रुकम
निव्यावबखानौं ॥ २ ॥ पूरबजनमकीसीताकहिये लछमी
जनमसुजानौं॥रामचंद्रअवतारकहीजे वसुदेवपुत्रबाखनौं ३॥
जहाँजहाँभीरपरीभगतनमेंपरमधामसूंआये ॥ पदमभणेप्र
णमेंपायलागूंजादवनाथकहाये ॥ ४ ॥ इतिमंगलाचरणअष्ट
पदी ॥ अथकथाप्रारंभः ॥ रागमारूकौदोहो ॥ दक्षिणदेशसु
हावणौं, राजाभीवनरेस ॥ गढचौरासीगंजणा, शेसपचायण

देश ॥ १ ॥ रागमारू ॥ शेषपचायणदेशभणीजे पाचपुत्रयेक
बाई ॥ त्रिभुवनतारणजगतउधारण सिंधुसुतायहआई ॥ १ ॥
कुलीछतीसूंजातभणीजेघरघरमंगलचारौ । चावउछावसक
लनगरीमैंब्राह्मणवेदउचारौ ॥ २ ॥ रतनजडितकेभवनबनेहैं
मोतियनलूवाँलागी ॥ कुन्नणपुरकेभवनदेखिकेभयेविप्रअनु
रागी ॥ ३ ॥ तिनकेपुरबजनमलियोलिछमीघररुक्मण अव
तारा ॥ भींवनरेश्वर अधिकदानादियनौपतबाजैंद्वारा ॥ ४ ॥
पंडितवेगबुलाथाराजाजनमनखत्रदिखाई ॥ ब्राह्मणकहैनख
तरकरडा नामरुक्मणीबाई ॥ ५ ॥ वारशनिश्चरसिद्धजोगहैस्वा
तनखतरजाई ॥ ६ ॥ लक्ष्मीकौअवतारहुवौहै रुक्मणनाँवध
राई ॥ राजासैंजौसीइमबोलैअठसिधनौनिधछाई ॥ ७ ॥
गलीगलीमैंनारकेलहैंबागरहेगरणाई ॥ घरघरबंदरबाललगा

इसुगंधरहीलिपटाई॥८॥ राजाभींवघरबँटतबधाईहाटबाटरंग छाया ॥ चौहटढासिणगारकरायासखियनमंगलगाया ॥९॥ हगमगरहैंअधिकचतुराईपुरषनबालगौपाला ॥ छलमीमंद्र बसेसबहीकेब्राह्मणकिंयेनिहाला ॥ १० ॥ अधिकअधिकसुं दरचतुराईघुडलागिण्यानलेखा ॥ कुन्नणपुरसिंणगारऔपमा गावैपदमबसेखा ॥ ११ ॥ दोहा ॥ सुजससुण्यौंस्वरलौकमैं, नारदअपणैकान ॥ वीणामैंझीणासुराँ, करतचलेगुणगान ॥ ॥ १ ॥ छंद ॥ एकसमैनारदगुसाईभवनभीषमकेगये ॥ करजोरराजाभीमठाढौमुनिकैसेआवनाकिये ॥ १ ॥ आरती बहुभाँतिकीन्हीजोरकरपूजाकरी ॥ ताहिदिनराजाभीषमनैं आसिकामांगीखरी ॥ २ ॥ रागमारू ॥ नारदकहैंसुनोनृप मेरीलछमीरुक्मणबाई ॥ द्वारावतीसगाईकरद्यौऔरठिका

णौनाहीं ॥ १ ॥ छपनकौटजदवनकौराजा नंदजुकोलालक
न्हाई ॥ श्रीगिरधरसूँकरौसगाई जादवजोडेनाई ॥ २ ॥
दानौमारणदेवउधारण लियौमनुजअवतारी ॥ देहवचनरण
वासपधारेदासपदमबलिहारी ॥ ३ ॥ छंद ॥ रुकमणीकीमा
तबौली पुत्रीचरणालागरी ॥ मनभावतावरदेहिनारद पूर्वप्र
गटेभागरी ॥ १ ॥ मनमेंसकुचकछुहरखिके करजोरतबैठा
ढीभई ॥ कृस्नवरतौकूबरौयहआसिकानारददई ॥ २ ॥ राग
मारू ॥ नारदबचनकहैरुकमणकौनंदनंदनवरथारौ ॥ साँव
रिसूरतमाधुरिमूरत पीतपितांबरवारौ ॥ १ ॥ रुकमणिकहैं
सुनौरिषिराजाक्याहरिकीसहनाणाँ ॥ गौकुलमाँहीग्वालघणे
राकैसैनिश्चयजाणाँ ॥२॥ मौरमुकटकानाँबिचकुंडलकौस्तुभ
मणिसहनाणाँ ॥ शंखचक्रअरुच्यारभुजाहैंगरुडासनअहना

णाँ ।३।च्यारूंहिंभुजाच्यारहीआयुधनंदजसौदाप्यारौ ॥पदम
भणैरुकमणिकूंछुपकाहिबरसाकृस्नमुरारौ ॥ ४ ॥ छंद॥ रुक
मणीकौंबरदेनारदआपमुनिभोजनाकिय ॥ ताहिदिनतेंकंवरि
रुकमनिहीरामिलनकेव्रताकिये ॥ १ ॥ रुकमनीयूंहदेठानी
कृष्णमौकूंबरजुले ॥ दासपदमकगयेनारद अंबकाहीरवर
मिले॥ २॥ रागमारू ॥ राणीकहैइकंतपधारौप्यारीरुकम
णबाई ॥ होसरवग्यआपकूंसूझैबरद्यौमोहिबताई ॥ १॥ नार
दकहैचंदेरी राजाहंतबक्कसेभाई ॥ जरासिंधसेकाका कहिये
चहुंदिशाफिरदुहाई ॥ २ ॥ करेराजासिसपालधरापति नवखं
डमैंनाहिंछौंनौ ॥ पदमभणेनारदइमभाखे सत्यबचनवरमानौ
॥ ३ ॥ दोहा ॥ नारदकहैराणीसुणौचंदेरीकौराय॥ डाहल
सूसंगपणकरौदीन्हागुपतबताय ॥ १॥ नृपकृं कृष्णबतावियौ,

राणींकूंसिसपाल ॥ नारदहुवध्यानाखग्यौकरदानाँकौकाल॥
॥ २ ॥ दानवबाधियादेवहुखपृथ्वीकरीप्रकार ॥ भूकौंभारउ
तारणें,लियौकृष्णअवतार ॥ ३ ॥ वार्ता ॥ राणींकूंयाप्रकार
सौंकहकेनारदजीअपणेस्वस्थानपें जातेभये ॥ दोहा ॥ राव
रणवासपधारिया,मिलीसहेलीद्वार ॥ किंणरीबाईडीकरी,किंह
रीराजकंवार ॥ १ ॥ सखीभणेंसुणुराजवीसाँभलभींवभुवार॥
याछैबाईरुकमणीभीषमगृहअवतार ॥२॥ जबराजासाँसौंकि
यो,चिंताबहुतकराय ॥ द्रकहैम्हारौजीवणौं,जनमअकारथजा
य ॥ ३ ॥ बाईरुक्मणिकारणेंराजाजोवैबींद । पलपलदेखत
तनघटेनैणनआवैनींद ॥ रागमारू ॥ तालछपकौ ॥ नैणानीं
दपलकनाहिंझंपे चितवतरैंनविहावै ॥ चंद्रवदनचूडामणिकार
ण सुरतसाँवरोआवै॥१॥असुराँमैंखगपणमतिकीज्योवेताहैंस

भक्तिदा ॥ मथुरामहँअवतारेजीत्योदेवहारकालीदा ॥ २ ॥ वसुदेव
नंदनअसुरनिकंदनतीनलोककोराजा ॥ पदमभणैराजाइम
भाषैसरेहमारेकाजा ॥ ३ ॥ सोरठा ॥ भीष्मसुताजनमियाँ
कुंदनसमदीपियाँ ॥ कहतसुनतपातककटैमंगलरुकमणि
याँ ॥ १ ॥ दोहा ॥ चंद्रवदनमृगलोचनी,भीषमसुतअवतार ॥
धूंधूरुकमइयोभलो, मंत्रिशिरोमणिसार ॥ २ ॥ रागमाढ ॥
कुंडणपुरमेंभीमनरेश्वर पाँचपुत्रअधिकारी ॥ जिणसूंछोटीहे
रुकमणी लछमीकेअवतारी ॥ १ ॥ रुकमइयोअरुरुकम
कंवरहै रुकमकेसवलभारी ॥ रुकमारथरुकमालीकहिये
छोटोराजदुलारी ॥ २ ॥ राजाभीमकंवररुकमइयोमंत्रकरेवाँ
बैठा ॥ इककन्याँकूंसौवरजुगता सौवरकितनाहिंदीठा ॥ ३ ॥
रुकमइयोकहसुणोराजाजीथेतोसगलीजाणौ ॥ म्हैंनैतोवाँ

लंकबुधआवै पिछलीतुमहिपिछाणौं ॥ ४ ॥ राजाभणेसुणौरु
कमइयाबरबनवारीजानौं ॥ छप्पनकौटजदुवनकोराजाजाद
ववंसबखानौं ॥ ५ ॥ त्रिभुवनमांयनिघैकरदेख्योउनसमको
इयनलागै ॥ पदमभणेराजायूंबोलैरुकमैयाकेआगे ॥ ६ ॥
दोहा ॥ कंवरकनौधरयूंभणैं, टीकमयहडोजॉन ॥ गोकुलग
ऊचरावतौ,भलोसरायौकान्ह ॥ १ ॥ रागमारू ॥ ब्रंदावनमें
गऊचरावैभिडवाल्यॉरेसाथे ॥ कामानिमौहैबंसिबजावै जी
मेडणरेहाथे ॥ १ ॥ परनारीकेपल्लेझूमेमॉगेदानमहीकौ ॥तुम
जुकहौत्रिभुवनकोराजाचौथोखंडअहीकौ ॥ २ ॥ छत्रिबंसह
तनापुरवीख्याफिरबडवाल्यौजानौं ॥ जिनकाकुलकीलज्जा
आवे तिनकोकहाबखानौं॥ ३॥ दरशनकालोबौलैकूडोतनमन
धरुअभिमानौं ॥ पदमभणेरुकमइयोभाषैभलीसरायौकान्यौं

॥४॥ दोहा॥भींवभणेसुतमोहरा, थे छोमूढगिंवार ॥ औरांके भुजदोयछैं,हरजीकेभुजच्यार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चत्रभुजने च्यारूंभुजसोहैंगरुडासनगोविन्दा ॥ ब्रह्मादिकसनकादिक थरप्यासूरजअहनिसचंदा ॥ १ ॥ बासकिकेशिरधरणीथर पीजलपाताळचलायो ॥ जलथलपवनअपरबलपानीविचाबि चमुलकबसायो ॥ २ ॥ ज्यूंमरजादआपहरिबाँधीहुकमोकां मचलायो ॥ पदमभणेंप्रणमेपायेलागूंविनथंभआभोछायो ॥ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ कंवरभणेसुणराजवीं सांभलभींवभुवाल ॥ पुरवचंदेरीराजवी बरबरस्यांसिसपाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दम्मघोषराजाकोनंदनधनकोबारनपारा ॥ शिवकिरपातेंलि छमीपांईसोहेराजदवारा ॥ १ ॥ भंडारीकोठारीसोहेहस्तीतु रीअपारौ ॥ आपांसेंअधिकाबरलीजे अडवडियांआधारौ

॥ २ ॥ सबळांसेतीसगपणकीजे पाणींपहलीपाजै ॥ कंवरम
णेसुनज्यौराजाजीगवल्थासूंकुळलाजै ॥ ३ ॥ दूम्मयोपरौ
पुन्नमणजि इसोबली येक्दानौं ॥ जिनसंगच्यटेपंचाथूणक्षौ
हणरूडीवाकीजानौं ॥ ४ ॥ जाकूंनिवेनिनाणूंराजापूरबतणौं
नरेशा । पहलीतोसबजादूजीत्याकौसलिथासब्देशा ॥ ५ ॥
समंदतणेजायसरणैबैठौ नगरबसायोमांहीं ॥ डरतौघोबाहर
नाहिंआवेमांनूंमिलगयोजाई ॥ ६ ॥ कालजमनकैआगेभागौ
थांसुंकिसडोछांनौं ॥ पद्मभणेरुकमइथो भांडे भलोसरायो
कान्हौं ॥७॥ दोहा॥भींवमणेसुतभांहरा,तुमहोनिपटअयांन॥
नखपरगिरवरधारियो, कुनज्यारारव्यौमांन ॥१॥ सीतांरीवा
हरचटयौ, सायरबांधीपाज ॥ धनुषबाणकरधारिके, देवसुधा
=थाकाज ॥ २ ॥ रामसारू ॥ सायरपाजसहीकरबांधीबांदरहीं

छमिलाया ॥ कुंभकरणमहिरावणमाऱ्या आगेअसरसँताया १
रावणरूपदेखसीताकोअसुरकुबदबुधिआई ॥ रावणकेदशम
स्तकछेदे बंधतेतोसछुडाई ॥ २ ॥ बीभीषणनेंराजातिलकदे
कनकमाल पहिराई ॥ जनकसुताजबलेकर आया घरघर
बँटीबधाई ॥ ३ ॥ असंख्यजुगाँअवतारभगतहितसाखवेदमें
गाई ॥ पदमभणेंभीषमयूंभाखेंबहअबजादूराई ॥४॥ दोहा ॥
भीवँभणेंसुतमाँहरा, रुकमणिंथहबरसाज ॥ जिनेअघासुर
मारिया, वृक्षअमोलिकभांज ॥ १ ॥ रागमारू ॥ वृक्षअमो
लिकप्रभुनेताऱ्यासकटासुरसंघाऱ्या ॥ नरकूबरदोऊँबलवं
तातिनकोमूलउखाऱ्यौ ॥ १ ॥ जमनाँजलमें कालीनाथ्या
बलिइजगरकूंमाऱ्यौ ॥ कंसमारधरणींसिरचूऱ्यौ जदुवन
कोकियोउबारौ ॥ २ ॥ बीरकुबलियाकुंजरमाऱ्यौ मुष्टिकम

ल्लअखाड ॥ असुरकंसचाणूँरपछाडची असुरातणेपंवाडे ॥ ॥ ३ ॥ येहअवतारपँवाडाभाख्या यूंम्हेयेताजाँण ॥ छपन कोटजादवकोराजा जिणरोबखवखाणूं ॥ ४ ॥ तीनलोकअरु चवदाभुवनमें नहींकिसीसेछानौं ॥ पद्ममभणेभीषमथूंभाखे बरवनवारीजानौं ॥ ५ ॥ दोहा ॥ कंसजलेडीपूतना,जहरल गायोगात ॥ सिसुमारनआवतभई,सुनइचरजकीबात ॥ १ ॥ रागआसावरी ॥ लालकौमैंमुखदेखनकौंआई ॥ टेक ॥ रातबसीअसुरनकीनगरीदेहमांहदुखपाई ॥ पुरषनकामूंढा नहिंदेख्याअडसटतीरथन्हाई ॥ १ ॥ जबमैंध्यानधऱ्योवेकुं ठमेंबैकुँठखालीपाई ॥ २ ॥ येताबालकदेख्याबृजमें इनाम जोतसवाई ॥ जोम्हेथारासुराचीतऊँ आंखिनकीसुंहसाई ॥ ३ ॥ चितसुदजाणजसोदाराणींपलनाद्वियाबताई ॥ विष

लगायथनमुखमेंदीयोसूतखैंच्चेजदुराई ॥ ४ ॥ पडीजायजब
डोढजोजनमेंअसुरनसंक्याआई ॥ पदमभणें प्रणमेंपाये
लागूं मातांकीगतिपाई ॥ ५ ॥ छंद ॥ व्यावबैरअरुप्रीतला
यकबरोबरसूंकीजिये । राजतखतबिराजकेक्यूंग्वालकूंसुतदी
जिये॥जातकुलकेहींणसबमिलव्याहकैसेंदीजिये ॥मानबच्चन
भूंवालभीषमभूलयहमतिकीजिये ॥ दमघोषकोसिसपालरा
जाताहि कन्यादीजिये ॥ जातसूरसुजातसुंदरजायसगपण
कीजिये ॥ तायकन्यांदेतसोभावच्चनमोरपतीजिये ॥ १ ॥
रागमारू तालछपको ॥ भरीसभामेंइंदरकोप्यावृजसूंभेटन
आई ॥ यावृजऊपरजलवरषावोसबकूंदेवोबहाई ॥ १ ॥
आवरछनकोंआदिलेकेच्यारूंपुत्रबुलाई ॥ वरस्योघनअंतर
सुरधारा परबतलियोउठाई ॥ २ ॥ राजाभींवमणैरुकम

इयाकिंणराजाकौंदीजै ॥ औछेसगेसगापनकरताँमाँनबडाई छीजै ॥ ३ ॥ पूरेसगेसगारतकरताँ वाकेसरणेरीजे ॥वसुदेव नंदअसुरदलगंजन उनकौंकन्यादीजे ॥ ४ ॥ बिलमनकरो हुकमउरधारौ पीछौंज्वाबनदीज्ये ॥ पदमस्यामतेरागुणगावे काममलेराकीज्ये ॥ ५ ॥दोहा॥ चमाकिकनौधरउठिचल्यौर, घर जायपूछीमाय ॥ तखतचंदेरीछोडिके, सगपण अकुलक राय ॥ १ ॥ रागमाढ ॥ सातबरसकीबाईरुकमणींसखिसँ गखेलणजावै ॥ कौटिकअरुणअंगकीसोभा विद्युतरूपलजा वै ॥ १ ॥ राणींकेमनचिंताउपजीकुँवारिबडीअबहोई ॥ पुत्र बुलायरुकमनेंभाखेवरसौधीज्योकोई ॥ २ ॥ राणीकहैसुणौ रुकमइयारुकमणिवींदबिचारौ ॥ सासाँसिरेसरीखौ सगप णकारजसुधरेथारौ ॥ ३ ॥ कहरुकमइयौसुणहेजननीराजा

मंत्रिपठावाँ ॥ बडाघराणाँबाईब्यावाँतौजगमैंजशपावाँ ॥४॥
चंदेरीसिसपालधरापतिजिणनेकौकबुलावाँ ॥ पदमभणेयूँ
कहअभिमानी राजदुवारेजावाँ ॥ ५ ॥ रागमारू तालछपकौ
॥ रावऔरवरहेरेमातः थारेमनकाँईभावै ॥ माखनचौरछा
छकोदानीं तिनकौंरावसरावै ॥ १॥ गजदलठाटगढाँरौतपूरौत
खतचंदेरीसोहै ॥ च्यारकूँटनवखंड विचालेइसडौ औरनको
है ॥२॥ नेमधरमकीसबबिधजाँणैं नगरधरमकीपाजा ॥ सुँ
दरबरसिसपालभणींजेतायनझंपैराजा ॥ ३ ॥ रुकमइयाका
वचनसुणेसुणहिवडामाँहींसाल्यौ ॥ देखोमातिराजाभीषम
कीकरेजैंबाईग्वाल्यौ ॥ ४ ॥ मातासुतमिलमंत्रविचारोदोष
नलागेकोई ॥ करोसगाईदेरनकीजैहोनीहोयसोहोई ॥ ५ ॥
रुकमइयाकावचनसुनेसुनगाढोमतोडपावो ॥ विप्रबुलायरु

लगनलिखबोचंदेरीपहुँचावो ॥ ६ ॥ दोहा ॥ रावरणवासप
धारिया,राणीसूंबतलाय ॥ रुकमकंवरउतराइयो,करताको
टिउपाय ॥ १ ॥ रागमारू ताल छपको ॥करताकोटउपाय
नरेस्वरविधनाऔछीवाणी ॥ राणीभणैसुणोराजाजीम्हेंथा
रीमतजाणी ॥ १ ॥ राणीभणैसुणोराजाजीयेहीबातमनपे
खो ॥ रुकमइयोथारीपतराखैबेठाबेठादेखो ॥ २ ॥ राणीभ
णैसुणोराजाजीथारीबातनभाई ॥ थाँनैराजाबडपणदीन्हौ
बेठकरौठकुराई ॥ ३ ॥ दोहा ॥ येकजघरमेंदोमता,भलौका
यसेंहोय ॥ पुरुषजुपूजैदेवता,भूतजुपूजैजोय ॥ १ ॥ भीमउ
वाच ॥ रागमारू ॥ बाँस बीडाअपणोंकुळजारेयेसोपुत्रतुम्हा
रो ॥ पितावचनमूरखनाहिंमानैरुकमकंवरअपगारो ॥ १ ॥
राजाभणैसुणौराणीतुमयेहबातनाँसोई ॥ पदमभणेंप्रणमेपाये

लागूंकरदेखौसबकोई ॥ २ ॥ रागआसावरीतालदीपचंदी ॥
कहातेरेनंदनँदनमनमान्यौ ॥ टेक ॥ राणींअरजकरेराजासें
वृद्धभयोहमजान्यौं ॥ १ ॥ जातपांतकुलबाकेनाँहींसौरुकम
णिबरठान्यौं ॥ २ ॥ ब्रंदाबनमेंगऊचरावैकाँधेकामरकान्यौं
॥ ३ ॥ पद्मभणैंराणींथूंभाखे मौरमुकटवाकोबान्यौ ॥ ४ ॥
॥ रागसोरठ ॥ भौलीराणींबावरीहेगिरधरधारीनेपरणास्यां
॥ टेर ॥ सटरूकमइयौयेकनमानेकहसिसपालबुलास्यां ॥
॥ १ ॥ वौसिसपालचंदेरीकोराजाम्हेत्रिभुवनपतिध्यास्याँ ॥
॥ २ ॥ जौहरिम्हाँरेभवनपधारेघरबेठागतिपास्यां ॥ ३ ॥
प्राणतजूंपणपणनाहिंछाडूँरुकमणिरथबेठास्यां ॥ ४ ॥ पद्म
स्यामजौहरिनाहिंआवैतोमरस्याँविषखास्याँ ॥ ५ ॥ दोहा ॥
राणींसूंराजाकहै,सुणौंप्राणआधार ॥ तीनलोकपतिकुस्नकी,

रुक्मणिहैवरनार ॥ १ ॥ रागमारू तालछपकौ ॥
तीनलोककेनाथककेसौकेताकियापंवाडा ॥ मारेदानवदेवउ
बारेअनगिनदैत्यखंपाडा ॥ १ ॥ बालरूपहोयहतीपूतनापह
लप्रवाडाकीया ॥ पाईसरूयासिरीधरजोसीविप्रजानजिवदी
या ॥ २ ॥ मल्लअखाडेहस्तीमाऱ्याकरसँदशनउपारो ॥
कालीनागनाथकरल्यायानखपरगिरवरधारो ॥ ३ ॥ माऱ्यो
कंसकेसगहकेसोजनप्रहलादवचायौ ॥ उग्रसेनपराकिरपाकी
नीराजाकरबैठायौ ॥ ४ ॥ दोहा ॥ भगतजानिहरिअवतरे,
राजादशरथधाम ॥ परणीसातांपैजकर,धनुषचढायोराम ॥
॥ १ ॥ रागमारू ॥ धनुषचढायकियादोयकुटका राजासबमु
खजौहै ॥ सुरनरमुनिजनरहेअचंबे ब्रह्माकामनमौहै ॥ १ ॥
रावणकादशमस्तकछेद्या दियौबभीषणराजा ॥ परसरामछ

त्रीबंसकाटचा शस्त्रअवधपुरसाजा ॥ २ ॥ वाराहरूपहोय
प्रथिलयायौ जाणैंसकलजिहानां ॥ मच्छरूपहुयवेदनिका
न्या ब्रह्माकरेबखाना ॥ ३ ॥ बावनहोयकरपृथ्वीमापी
बलिपातालपठांयो ॥ नृसिंहरूपहोयहत्यौहिरणाकुसजन
प्रहलादबचायौ ॥ ४ ॥ जहाँजहाँभीरपरी भगतनमेंवहांआ
पचलिआयो ॥ पद्मभणैंबुद्धाअवतारी बहुताकामबनायो ॥
॥ ५ ॥ रागसोरठ तालठूमरी ॥ राजाबरहेन्योकारौका
नौ ॥ टेक ॥ जानीतुमारीअकलरावजी बृधसमेंविषछानौं ॥
॥ १ ॥ साठीबुद्धगईअवथाँकीपुत्रकहैसोमाँनो ॥ २ ॥ बृंदा
बनमेंधेनुचराई माँग्यौमाहिकोदानौं ॥ ३ ॥ भटकतफिरचो
गोकुलगलियनमैं कैसोराववखानौं ॥ ४ ॥ अबहीतजोराव
हटअपना लोगहँसीघरहानौं ॥ ५ ॥ अरिभयमाँनबस्योसिं

धूमैंवौम्हाँसूंनाहिंछानो ॥ ६ ॥ थौंसिसपालचंदेरीकोराजा लाखगढाँकौंरानौं ॥ ७ ॥ उनकौंलजौग्वालधीदेतैंलाजनेक डरआनौं ॥ ८ ॥ व्याहनआवैचंदेरीधरापति यहतुमनिश्चय जानौं ॥ ९ ॥ पदमभणेंराणीथूंभाखथेमानौंमतमानौ ॥ १० ॥ दोहा ॥ राणीकहराजासुणौं, येहीअरजमहाराज ॥ तुमबेठा मालाभजौं, कँवरसुधारैंकाज ॥ १ ॥ राजासूंराणींकँवर, मंत्रीजोडैंहात ॥करजोन्याविनतीकँरा,सुणौंनरेश्वरबात॥ २॥ रागमारू ॥ सुणौनरेश्वरबातहमारीव्याहतणींबुधराखौ ॥ भलीबुरीमेंरहौनिरालाबोझकँवरसिरन्हाखौ ॥ १ ॥ रुकमइ यौअतिमरखराजाकहीसुनीनहिंमानैं ॥ कुलअभिमानबडाई राखेवेदभेदनाहिंजानैं ॥ २ ॥ असुरतणाँदलऊपरहरव्योछा डयोत्रिभुवनराइ ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामीजिनयहसाषि

उपाई ॥ ३ ॥ रुकमनीवचन ॥ दोहा ॥ बंधुमातमानीनहीं,
पिताकहीसौंबात॥कृस्नतजेसिसपालकौं,पाणीग्रहणकरात ॥
॥ १ ॥ रुकमइयाकीबातसुण,रुकमणिचलीरिसाय॥ नैन
झडेआँसूपडे,सरवरन्हावणजाय ॥ २ ॥ कहतोनीरप्रवाहल्यूँ,
कैआवैगोपाल॥ प्राणतजूँयाबीरपै,नहिंपरणूँसिसपाल ॥ ३ ॥
रागमारू ॥ साँवणकीवडतीजसहेल्याँसबमिलन्हावणचा
ला ॥ रुनकझुनकपगनेवरबाजैसुघडसख्याँसँगहाली ॥१ ॥
औरसहेल्याँईरातीराँरुकमणबीचपधारी ॥ जबजलमाहीडू
बणलागीयादकियागिरधारी ॥ २ ॥ भुजापकडहरिबाहरली
नींयाकाँइबातविचारी ॥ कौनदेसमेंजनमतुम्हारोकौनघरा
अवतारी ॥ ३ ॥ कुँनणाँपुरमेंजनमहमारोभीवघराँअवता
री ॥ नानीखींचणमायसौलखणीदादाजातपँवारी ॥ ४ ॥

बाचादेहभींवकीकँवरीजबथेघरांपधारो ॥ बाचातौम्हेजबहीं देऊंरूपचत्रभुजधारो ॥ ५ ॥ रूपचत्रभुजधान्याहरिनेसोभा अनतअपारो ॥ औरांनेंतौ घुडलासोहेकृष्णगरुडअसवारो ॥ ॥ ६ ॥ शिवबाचाअरुब्रह्माबाचाबाचाकृस्नमुरारी ॥ जनम जनमकासाहबमेराहूँअरधंग्याथाँरी ॥ ७ ॥ कहेकृस्नजोसु णोरुकमणीथेतौखुसीरहीज्यौ ॥ मोबेटाकोइमतौउपावैकाग दवेगोदीज्यौ ॥ ८ ॥ कहेरुकमणीसुणौकृष्णजीथाथेभलीसु नाई ॥ लगनसाँकडेसावोदेवैकागजपहुँचेनाँई ॥ ९ ॥ काग दलिखमिस्सरनेदीज्यो येकमजलआयरेसी ॥ येकघडीओ रयेकरातमैंकागदआयरदेसी ॥ १० ॥ बाचादेयभींवकीकँव रीरंगमहलमेंधाई ॥ औरसहेल्याँकबकीआई तवयौंबारल गाई ॥ ११ ॥ जलमेंमातान्हाँवणलागी आगयेकृस्नमुरारी॥

वाँदेखतबाहरनहिंनिकसीलाजकरीअतिभारी ॥ १२ ॥ फिट
फिटहेम्हारीबाईरुकमणीकुलकूँकाठलगायौ । बडाघराँरीबेटी
होयकरजायग्वालवतलायौ ॥ १३ ॥ फिटफिटहेम्हारीमा
यसुलखणी उठउठजायपरारी ॥ पदमभणंप्रणमौंकहरुक
मणम्हारौवरगिरधारी ॥ १४ ॥ दोहा ॥ पंडितबेगबुलाइया,
लीन्हानिकटबिठाय ॥ लगनलिखावौराजरा, नीकासौधबना
य ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सगला दोषनछोडौजोसी निरमल
सावौकाढौ ॥ पत्रीदेखरपाटौमांडौघडीमोहौरतसाधौ ॥ १॥
ऐसी भणैसुणौराणीजी निरमलसाहौकाढयौ ॥ इणसावामैं
चूकनहीपिण सुक्रनाँस्वामीआडौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ कँवरक
है मंत्रीसुणौ, रावबुलावोतेज ॥ लगनलिखायोबाईराजको,
देवाँव्हँदेरीभेज ॥ १ ॥ रागमारू ॥ मंत्रीभेजादियोहलकारौ

५

सुरसतभाटबुलायौ ॥ रुकमकँवरजीयांदाकियाछैसुनतवच्चन
उठधायौ ॥ १ ॥ सुरसतभाटसवेलौआयोच्चोपदारगुदरायौ॥
जायसभामेंमुजरोकीन्हौंटीकोहातधरायौ ॥ २ ॥ बाइरुक
मणिकोलगनालिख्योछे नृपकोमतीसुनावौ ॥ जावोगुपतक
हौमातीकिणनैंतीखाखडनैं धावौ ॥ ३ ॥ विसटालासूंकामन
हींछैसिसूपालकरदीज्यौ ॥ कहपदमइयौकँवररावसूँ अरुमू
खवंचनांकाज्यौ ॥ ४ ॥ दोहा ॥ टीकौडाहलतोडियौ, पुरमैं
मंगलचार ॥ राजाभींवअरुरुकमणी, दोनूंकरैविचार ॥ १ ॥
॥ रागमारू ॥ बोलैरुकमणिसुणमहाराजाथेधार्‌यौगिरधा
री ॥ रुकमइयेराणीडाहलसूंकरीसगाईम्हारी ॥ १ ॥ बोलै
राजासुणबाइरुकमणिपरणास्यांवनवारी ॥ छपनकोटिजाद
वसंगआसीवलदाऊहलधारी ॥ २ ॥ तेतीसक्रोडदेवताआ

सीशिवनंदीअसवारी ॥ सिसुपालाकीसैन्यांमारेभूकौंभार
उतारी ॥ ३ ॥ भगतांहेतधरैअवतारोदासजाणकरआवै ॥
सबलांनैछांडैगिरिधारीअबलांमानबधावै ॥ ४ ॥ दुष्टानैंतौ
कालौदीखैभक्तांभूधरगोरौ ॥ पदमभणैंभीषमयूंभाखैंबरबन
बारीतोरौ ॥५॥ दोहा ॥ सुरसतभाटचढाविया,तुरीअमोलक
आंण ॥ पवनजबेगउतावला,वेगावेगपिलांण॥१॥रागमारू॥
तुरीपलाणौवेगकरौनैवाटांविलमनकीज्यौ ॥ बटबाल्यासेवा
तनकीज्योवेगांकागदहदीज्यौ ॥ १ ॥ सुरसतभाटचंदेरीनैचा
ल्याफूल्यौअंगनमाई ॥ विधनानारिंडुसकती कन्यासौंही
आडीआई ॥ २ ॥ तिलकाबिहूंणौमिलौपांडियोउरधाकेसा
नारी । मालमुकदमैंमिलयौचौधरीउंधेघडेपाणियारी ॥ ३ ॥
मूंडमूंडियामिल्यामौंडियाविनमुद्राकाजोगी ॥ छुरीमारग

तराडामिलियासाँम्हांमिलियासोगी ॥ ४ ॥ ल्यालीजरखदूं
डियामिलियाखोटासुगनखवांरी ॥ सुरसतभाटबाटमैंऊभौ
लीन्हाँसुकनविचारी ॥ ५ ॥ इतरातौउणआँख्यादेख्याऔर
सुण्याभीकानां ॥ म्हारैतौघरकुसलरहीज्यौपडौबींद्कीजा
नां ॥ ६ ॥ येतौसकुनपालसबहूआजायरकरसूंकाँई ॥ सुरस
तसुकनसोचमनमाँहींमुतलबअगलौनाँहीं ॥ ७ ॥ दोहा ॥
सुरसतसकुनबुराहुवा, चंदेरीकी ओर ॥ बाँवींबोलेकोचरी
फौहीकूकैमोर ॥ १ ॥ रागमारू ॥ तखतचंदेरीजायरपौंचा
भीतरभेदजनायो ॥ कागदलेडाहलकरदीन्हौंदूतकठासूंआ
यो ॥ १ ॥ दैसहजारहेवरलिखभेज्या कागदरुकमपठा
यो ॥ कुंदनपुरमैंकँवरसूरमौंसबहीसीसानिवायो ॥ २ ॥ कुं
दनपुरकाटेवासुनके फूल्यौअंगनमायौ ॥ पदमभणेप्रणमें

पायेलागंटीकोरुकमपठायौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ कागदडाहल
बाँच्चियां, मनमैंकियोविचार ॥ येकागदनाहिंभींवराकागद
लिख्याकँवार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ राजाभींवजीग्वालसरावे
कंवरसरावैथानैं ॥ साँचीबातकहाँम्हेथाँनैंकागदलिखियाछा
नैं ॥ १ ॥ रावजरासिंधतेडियाजीभेलाहुवासबआई ॥ दोनूं
राजाछत्रपतीजबबैठातखतबिछाई ॥ २ ॥ विसटाला
कीबीनतीजीसुणौंनरेस्वररावौ ॥ कुंदनापुरनिहुदैजुधहोसी
पाखरसेलसँभावौ ॥ ३ ॥ जरासिंधजब्यूंउठबोल्यासुणल्यौ
सभामँझारी ॥ जादूकटकविडारौंपलमैंपरणौंभींवकंवारी
॥ ४ उमरावांजबवीडौलीयो पाखरसेलसँवारी ॥ इतनीसु
नकरदम्मघोषजी आयेसभामँझारी ॥ ५ ॥ कुंदनपुरकोटवौ
आयोसबकूंबाँचसुनावौ ॥ पद्ममभणैंप्रणमैंपायेलागूंजोसीबे

गबुलावौ ॥ ६ ॥ दोहा ॥ डाहलजोसीतेडिया, लीनौंतुरतबु
लाय ॥ कुंदनपुरकी पत्रिका, म्हाँनैंबाँचसुणाय ॥ १ ॥
॥ रागमारू ॥ सतकाबचनकहाँसुनराजानिगमहोयनहींझु
टा ॥ इसैमोहोरतालिखीपत्रिकाआवौभागअफूटा ॥ १ ॥
जोसीकहैसुनौराजाजीकह्योहमारोकीज्ये ॥ मृतकजोगमैं
सावौलिखियौआगैपाँवनदीज्ये ॥ २ ॥ डाहलराजाबलकर
बोल्योजोसीथेघरजावौ ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूँजोसी
औरबुलावौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ पीपाजोसीतेडिया, रंगतखतबै
ठाय ॥ कुंदनपुरकीपत्रिका, म्हाँनैंबाचसुनाय ॥ १ ॥ राग
मारू, तालछपकौ ॥ पीपाजोसीटेवाबाँचै सुणरेडाहलराई ॥
वैतौआपकृष्णकीनारी थारेलायकनाँहीं ॥ १ ॥ क्याँनैरा
जाकरौसागतीक्याँनैंजानबनावौ ॥ रिषिपंचकमैंलिखीपात्रे

काफेरालेणनपावौ ॥ २ ॥ डाहलराजाबलकरबोल्यौजोसी
थेघरजावौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंजोसीऔरबुलावौ
॥ ३ ॥ दोहा ॥ संमनजोशीतेडिया, रंगतखतबैठाय ॥ कुंद
नपुरकीपात्रिका, म्हाँनैंबाँचसुणाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पो
थीखोलरपाटामांडाघडीमोहौरतकाढौ ॥ यहसावामैंचूकन
हींहै सकुनस्याँमहीआढौ ॥१॥ दसूंदोषसावाकाछाँटूंरासाँव
गंमिलाई ॥ कुँवररावकाकरूँजोरवा नवग्रहकरौसहाई ॥ २ ॥
लातपातयामित्रउपग्रहयुतीबधभीनाहीं ॥ क्रांतिसाम्ययेका
र्गलदीखै मृत्युपंचकहैमाँहीं ॥ ३ ॥ संमनजोसीमनमेंडरपै
सिसपालौबलखावै ॥ जैहुंसावोखोटौकहसूंनगरीबारकढावै ॥
॥ ४ ॥ थालौडीपरभदराअटकीपतराखेम्हारोसाँई ॥ पदमभ
णैंजोसीइमसाचैफेरालेणनपाई ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रावरसोडैप

धारिया, लीन्हौंअपनौंसाथ ॥ कुंदनपुरकाभाटनैं, भलाज
मावौभात ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बहुविंजनपक्वानामिठाईमि
सरीखीरमिलानी ॥ कुंदनपुरकासरसभाटकीखूबकरीमिज
मानी ॥ १ ॥ घुडलापाँचसातदसदीन्हाँभलोमनोरथकी
न्हा ॥ पदमभणौंसिसपालभाटकौंमुखमाँग्यासोहिदीन्हौं
॥ २ ॥ दोहा ॥ रावरनवासपधारिया,बाभीसूँ बतलाय ॥
टीकोआयोरुकमालरौथारैमनकांइभाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥
सुरसतभाटसंगलेआयोडोड्याँभीतरधायो ॥ कुनणापुरको
टीकोआयोभावजनैंबाँचसुनायो ॥ १ ॥ बाभी भणैंसुणो
म्हारादेवरथाकाँईबातउठाई ॥ नाँवजुनाँहींभींवराजको
म्हारैमननहींभाई ॥ २ ॥ बाभीभणैंसुणोजीदेवरकुंनणपुरम
तिजावो ॥ इणअवसरथेरहौजीवताफेराहिरावकहावो ॥ ३ ॥

थेपीयरउठजावौबाभीम्हैंकुंदनपुरजास्याँ ॥ भीषमकँवरिपर
णघरल्यावाँथाँरेपगाँलगास्याँ ॥ ४ ॥ म्हेपीयरतौजबसैंचा
ल्याजबथेजानबनणावौ ॥ अबही बातसमेटोदेवरक्यूंथेलो
गहँसावौ ॥ ५ ॥ आतुरहोयसिसपालोबोल्योकड्वाकाँईसु
नावा ॥ छपनकोटनैंबाँधरल्याऊंतौम्मनैंरंगचढावौ ॥ ६ ॥
थारोरंगम्हेजबहीजाणाँ जबथेपरणपधारौ ॥ सोवनचूड्लौ
घरघरपड्सी अपजस होसी थारौ ॥ ७ ॥ वा अरधंग्याहरि
की लिछमी थे देवरमतिजावो ॥ म्हारी कहीबुरीमतमानो
लाज खोय घर आवो ॥ ८ ॥ बहुतककही येकनाहिं मानीद
म्मघोषराजारो ॥ पदमभणैंबाभीयूंबोलैभलोनहोसीथारो ॥
॥ ९ ॥ दोहा ॥ बाभीकासुणकरबचन, लागीउरबिचलाय ॥
रोसभऱ्योपीछोफिऱ्यो, मनानक्रोधसम्हाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥

नाम्मीनै गुणअधिकाजाण्यासकहैमिलबाआया ॥ कुंडनपुर भीषमकँवरीकाटेवाबाँचसुणाया ॥ १ ॥ सुणकरटेवारोसम्म रीआतिनैणानीरवहाया ॥ होतबहौणहारकौँ ईथारोइसडाबच्च नसुनाया ॥ २ ॥ रंगमँहलसिसपालपधान्याडलरतापाछिला या ॥ नाम्मीनुगरीसेतीपूछ्यौकडवाबोलसुणाया ॥ ३ ॥ दुण नुगरीसूँबोलौनाहींकरस्योंमनराचाया ॥ चन्दुममणैडाहल अभिमानीक्रोधभरेभरयाया ॥ ४ ॥ दोहा ॥ डाहलकोमनऊँ मग्यो,जरासिंधपैंजाय॥कागदभायोविद्रभदेसतैं,थांनैकिस्यौ सुहाय ॥ १ ॥ पंडितम्हांनैंयूंकहै,टीकोथ्योफिरवाय ॥ बाम्मी म्हांनैयूंकहै, जास्यौतौपतजाय ॥ २ ॥ कहोतौटेवाझेलल्यौं, कहोतौघाँफिरवाय ॥ जरासिंधराजाबली,तुमहींकरौसहाय॥ ॥३॥ रागमारू ॥ जबैजरासिंधयेसैबोल्यावोल्याहैगरबाई ॥

उठकरपाँवधऱ्योधरणीपरतबधरणीथँरराई ॥ १ ॥ दसूँदिशा
मैंचीरीभेजीघौरेनंगारेडंका ॥ भलीभाँतिपरणायरल्याऊँ
तोरैजरासिंधवंका ॥ २ ॥ द्वातकलमकागदमंगवायौमंत्रीस
नैबुलावो ॥ गाढीरूपतखतकुलमंडनजरासिंधपैआवो ॥ ३ ॥
जबेजरासिंधयेसैंबोल्याबोल्यागढ़वरद्वानौं ॥ चहूंदेशामैंका
गदफेरौफ्यूँभटआवैजानौं ॥ ४ ॥ चापरकरौबेगखतफाडौ
कोकौरावखुमाणां ॥ यकलाखसाढ्यासाँचरिमाछूटावन
बिमाणाँ ॥ ५ ॥ मौजाँघणींपरेग्रँथाँनाँलिखियाजायबंचावौं ॥
रलिकेनीचेबिनबदसाल्यानवखंडाँफिरजावौं ॥ ६ ॥ रामरमीं
तौपीछेलिखज्यौबेगालिखौअसवारो ॥ येअवसरयेसौहीजाँ
जाथाँनैसरमहमारी ॥ ७ ॥ कागदलिखबाँचताँपहलीकाँनैं
सुणीवखानो ॥ जोमाँडठेहरचहूँचँदेरीइतनीडीकरमाँनो ॥

॥ ८ ॥ सायबलगसबहीचढआवोभलीबणावीसाजा ॥ पाय
चलंतापहुंच्याराहियोलिखीजरासिंधराजा ॥ ९ ॥ दोहा ॥
टीकोआयोरुकमालरो, गढपतियाँरंगचाव ॥ हँसिहँसिमाँडे
राजवी, बंधनैंसिंधराव ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बंधूनैंसिंधराव
लिखावो थेंदलथंभनआवो ॥ मंत्रीनैम्हाराजकहतहैहमेसरी
खंजावो ॥ १ ॥ सिंधमंत्रीजबचालियाजीभेटच्यापवनाविवा
ना ॥ माँनसरोवरपारकेराजाराजकरेसुरताना ॥ २ ॥ कर
सुलतानसहीकेराजासिद्धमंत्रीचढजावो ॥ सबलतेजदंताध
रराजासूतोजायजगावो ॥ ३ ॥ मंत्रीजायदियापरवानाअन
तउछाहबचायो ॥ कुंदनपुररुकमालकँवरकोटीकोलेभटआ
या ॥ ४ ॥ टीकामैंदुबध्यासीदीखैनांवभीवरौनाहीं ॥ थाँसे
तीसनमंधजकीयाम्हाँसूराजीनाहीं ॥ ५ सुनमंत्रीकावच

नजयहडायूँदंताधरबोलै ॥ रविकेनीचेनवखंडमाँहींनहींसिस
पालोतोलै ॥ ६ ॥ चाँपरकरौबेगचढवाकीसबैसँवारोहाथी ॥
नोउँखंडानैजाधरराजाचढ़्यादंतधरसाथी ॥ ७ ॥ दोहा ॥
नादहुवानवखंडमें, चढियादेशविदेश ॥ नौमतखानावाजियाँ,
थरहरकंप्याशेष ॥१॥ रागमारू ॥ कंप्याशेषमहेशगिरकंप्या
छिपगये जम्मदवारा ॥ कुंडनदेसनरेश्वरचढियादलाँवारन
हिंपारा ॥ १ ॥ गिगनमंडलमेँ नौमतबाजैबादलबरणांनेजा॥
पहरकवचआयुधकरधारेचढेदंतधरराजा ॥ २ ॥ मधुरबोल
नकीबबहुतगुँजाराकामणिसबहीमोहैं ॥ तखतांऊपरनचैता
यफारंगभरातासोहैं ॥ ३ ॥ हिंदलतादरबारपहूंतावाँटियारंग
अपारा ॥ छत्राँछत्रपतीमिलसोहैं अरुविरदांकामारा ॥ ४ ॥
घणेंचावसिसपालजऊठ्योतडमडऊठ्यासारा ॥ जरासिंध

सँगाथाँमिलियाजाजमहुवाजुँहारा ॥ ५ ॥ डेरोआयबागमैं
दीयाडंतधराकेराजा ॥ पदमभणैप्रणमैंपायलागूंबाजैनौबत
बाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ खतपहुँच्यासिसपालका,बांचैचतुरसु
जाँण ॥ देशबंगालेगढपतीहुईपलाँणपलाँण ॥ १ ॥ राग मारू ॥
हुईपलाँणपलाँणबंगालेकरडाकागदझालौ ॥ दाढ़ूँधाकअरा
वौसारा चंदेरानचालौ ॥ १ ॥ मंत्रीभणैबँगालेराजा बुधकी
बातबिचारी ॥ उनराजाभारतलिखभेज्या जानबूझरीत्यारी
॥ २ ॥ सुणकेमंत्रीबचनथेहडारौसमरचारीसानाँ ॥ सिलगा
आगझलीअंगझालौंतीबंगालेरानाँ ॥ ३ ॥ ग्यारहलाखमांणम
रवांमा आयुधअधकाझालौ ॥ लेसाथचंदेरीचालौ दलदेख
नहालौ ॥ ४ ॥ सतराकुलीअसुरचढिछटच्याहुवाकूंदेशमे
ला ॥ चकवेचढयाचौसराबाज्याहुवाबंगालेमेला ॥ ५ ॥

डेराआयदियाबागाँमैंमिलकरबैठाराजा ॥ पदमभणेमणमें
पायलागूँ बाजैनौपतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ॥ घो
डाँघरघुमघुमैं,दौबादलमैंसार ॥ कछभुजकौचकवेचढ्यौ,
कुम्भकरणआकार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कुम्भकरणआकार
खंडकोराजरीतठुकराई ॥ अडवडियाआधारगुमानीदम्मघो
पराभाई ॥ १ ॥ राजीसींचेलाखखँदारी हिरनूहीरहजारी ॥
कछभुजकेराजाकीशोभाअजबवणीअसवारी ॥ २ ॥ हिरणाँ
हिरहजारीछूटाअवलकखंदअमानाँ ॥ पृथ्वीबोजसमौदलथं
मनचढ्याराजकुलदानाँ ॥ ३ ॥ सबदलआँनमिलथौचं
देरीदानाँबँटबधाई ॥ कछभुजकाराजासूँबाँथाँमिलयोजरा
सिंधराई ॥ ४ ॥ डेरादियाबागकेभीतरकच्छभुजकेराजा॥
पदमभणैमणमैंपायेलागूंबाजैनौपतबाजा ॥ ५ ॥ दोहा ॥

साँचरियादलसूरवाँ,कोटिगयंदाँभार ॥ साँवतसंगलदीपरा,
चढ्याजानासिणगार ॥ १ रागमारू ॥ चढ्याजानासिण
गारजुगतसूँचारूं खूंटअवाजा ॥ संचरच्चढ्याचँदेरीसाम्हाँ
सिंहलदीपकाराजा ॥ १ ॥ समदाँबीचफिरेदारियाईअसल
जातकाघोडा॥वाजीशीसझपेटीघालैडाणभरेजलहोडा ॥ २॥
माहींऔरमुरातबसोहैकोइचाढियाकोइपाला ॥ घोडाहींसघू
मतागाजैसौलैल्लाखसुंडाला ॥ ३ ॥ कूदंमल्लफलंगाँमारेहातग
गनदिशघालै। कछियाकाछअजबअडरडताखवाँखसीकरचा
लै ॥ ४ ॥ ढलकेढालफरूकेनेजादद्दानाँकाआया ॥ दखौती
नदिवसचंदेरीदाँनाँअंतनमाया ॥ ५ ॥डेरादियाबागकेअंदर
संगलदीपकेराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंबाजैनौपतबा
जा ॥ ६॥ दोहा ॥ मारूदेशमंडौवरा, मुरडचल्यादलपाण॥

पवनतुरीपाखरधऱ्या,जंगीहौदाभाण ॥ १॥ रागमारू ॥ जानी
जोरभलाचढछूटाबजेनादघणघोरा ॥ उडतापंछीउडणनापा
वेराजाचढयामंडोरा ॥ १ ॥ ठिमाठिमानैनेवरठमकेपवनरू
पकेकाणाँ ॥ हस्तीऊपरफबैअँबाडीचढेराजसुलताना ॥ २ ॥
आभामाँहिंफरूकेनेजासीरसामिलचाढिधाया ॥ दलभंजन
दानांकुलमंडनचढचंदेरीआया ॥ ३ ॥ डेरादियाबागकेअंद
रमंडोवरकेराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँबाजैनौपतबाजा
॥ ४ ॥ दोहा ॥ हौलरभईदिवानमैं, चाँढियायेरमझूल ॥
राजाचढचोकनौजको, सिंहबदनअवधूल ॥१॥ रागमारू ॥
वअवधूलदलाँपतिराजाउमदाजाँनबनाई ॥ साँचरिचल्याचं
देरीनैदलचढताँवारनलाई ॥ १ ॥ दलपंगलसँगलईबाइसी
अंधकारधंधकारा ॥ चंदेरीकन्नौजाबिचालेबँदगयायेकलंगारा

॥ २ ॥ कॉंकडजायसवीदलपहुंचासॉंढ्याबेगपठाया ॥ जरा
सिंधसूँजायकरकहियोसिंधरावचाढिआया ॥३॥ तडभडभई
बडेदरबारॉंसबहीसाम्हाँधाया ॥ रंगमहलसिसपालडाहलके
सिंधरावचाढिआया ॥ ४ ॥ आदरमानबहुतसाकीन्हाँ भुजा
पकडबैठाया ॥ आधीगादीछोडजरासिंधतखतापरबैठाया ॥
॥ ५ ॥ डेरादियामहलकेमाँहींकन्नौजपतकेराजा॥पदमभणैं
प्रणमैंपायेलागूंबाजेनौपतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ मरहटरामे
वाडिया, मौरींभँवरभुजंग ॥ चढ्यासिचानैकेहरी, हुवाहमे
लारंग ॥ १ ॥ रागमारू ॥ रंगजआभौलालगुलाबीचढ्या
जानरॉंमाझी ॥ तडभडियाआयासबराजाजानभलेरीसाझी
॥ १ ॥ पैंडेपैंडेनचैंउरबसीचलतीकरैंबिहारा ॥ देववधूमानुच
ढीबिवानॉंगावैंमंगलचारा ॥ २ ॥ बाडीबागहवाइछूटैउडता

चलैंहिमामाँ ॥ जरासिंधमेवाडपतीकीहौदे हुई सलामाँ ॥
॥ ३ ॥ डेरादियाबागकेमाहींमेवाडपतीकेराजा ॥ पदमभणैं
प्रणमैंपायेलागूँबाजैनौमतबाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ गिरवराँगि
रसागराँ, तारातखततंबोल ॥ खतपोंहोंच्यासिसपालका,
दूतगयारमकोल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दूताँजायदियापरवा
नादम्मघोषराभारी ॥ थाँचाल्याँसिरवंधेसेहरोवेगकरोअस
वारी ॥ १ ॥ लिखियाँबाचैंरावडाहलरादिनदोयपहलीआ
ज्यो ॥ मांढेजानदुसरीआसोजुधकोसांमोल्याज्यो ॥ २ ॥
मिसलतहुईरावदरबाराँचढयौरावबडबंका ॥ चहुँदिशचढी
चाँवरीफौजाँहुवानगारेडंका ॥ ३ ॥ चढचकडोलचँदेरीआ
यातारातंबोलकेराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायलागूंबाजैंनौमत
बाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ कुलीछतीसूंसाहनी, दलाँवारनहिंपार ॥

कदमींकाराजाचढा, फौजाबहुतासिंगार ॥ १ ॥ रागमारू ॥
मंगलदेशमल्हारकूलढीमंजलदेशमल्हारा ॥ सातेतखतले
केअबढूणींचाढियाक्रोधअपारा ॥ १ ॥ काबुल औरकंदारका
राजादेशदेशाकिलगाणाँ ॥ रूमसूमनौतासबदीन्हाछाडचले
कमठाणाँ ॥२॥ श्रीयादेशबुखाराटाँकापरबतराजसभाका ॥
बहुदलपतीसिंधकाराजासबदतणीलेसाजा ॥ ३ ॥ उजबक
चढचालाखलेढूणाँसोभारंगसभाका ॥ बजैत्रमालफरूके
नेजा हुवादिखणदिसहाका ॥ ४ ॥ यूँकरताँचंदेरीआयादल
दानाँकाछाया ॥जोजनसातजरासिंधराजातखतछोडकेधाया
॥ ५ ॥ डेरादियामहलकेमाँहींतारातबोलकेराजा ॥ पदमभ
णैंप्रणमैंपायेलागूँबाजैंनौमतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ सिद्धश्री
सर्वऔपमा, सकलगुणागुणसार ॥ तखतचंदेरीराजवी, सैंणाँ

लिखूँजुहार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सैंणाँलिखूँजुहारराजकी
सब मंत्रीजुडआवौ॥ नूतासाथसमरलिखभेजोगढमुलतानप
ठावौ ॥ १ ॥ मतवालाजेसिंधकेराजाजंगजीतभिडद्दानाँ ॥
बखतभाँणराजारजपूतापुरपाठनकारानाँ ॥ २ ॥ चंचलचह
नमहनइंद्रकेरासाथरथेहडावानाँ ॥ नौकलचापचल्याचंदेरी
खतजाथक्रियादिवानाँ ॥ ३ ॥ नलचाखोलाहिंथाद्दरबाजासि
द्धश्रीरमनाँही ॥ जरासिंधसिसपाललिखीहैराजाघणौबडाई
॥ ४ ॥ अबकेकान्हकुंदनपुरआँवैतौअवसरआयो ॥ कंस
वैरभिडवाल्यासेती राजाभौंवजगायो ॥ ५ ॥ सबहिसाथ
मतवालाल्याज्यो जबलगतुमरिद्दवाई ॥ पायचलंताचहुं
चथारीज्यौ लिखीजरासिंधराई ॥ ६ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
सिंधवलीराजाभणै, भलौसिंगारोजान ॥ गादीहीकसमस्त

की, तपैबगतसुलतॉन ॥ १ ॥ रागमारू ॥ तपैबगत
सुलतॉनराजवी संगचढ्याबहुदानाँ ॥ ऊगैभाँणछिपेरवितॉई
फेरदियापरवानाँ ॥ १ ॥दशौंदिशाकाराजाच्याढिया गढबंका
उलगाणाँ ॥ दानाँद्वारदिवीचकबंधी फिरगयाडाकविवाणाँ ॥
॥ २ ॥ मंगलदेसमुलकमलयागारिपाँचूँ देशपलाणाँ ॥ राजा
चेढहुकमकेताबैसातलाखबीवाणाँ ॥ ३ ॥ जंबूदीपगुजरातत
लेठीनवसतनेजाधारिया ॥ मानखानपोहोलाभकुलभीमील
भूपसाँचारिया ॥ ४ ॥ सेसाजलभूपालसिंभरीरूपखंडकारा
जा ॥ करणाटकडूँगरपुरदानाँहुवाबेरातीसाजा ॥५॥ धाराद्रो
णदेसधुरमंडणकौंकनदेशगलारो ॥ सेतुबंधरामेश्वरराजाअरु
बाराहमलारो ॥ ६ ॥ आभानेरअकलंदअखंडीअरुपून्यौंपरबं
धी ॥ दिलीदीपसुनपतकाराजाअसुराँजानउमंडी ॥७॥ नाग

रच्चालनिमंदीराजाखाँनदेसमुगलानाँ ॥ कासीरूपचंदकारा
जानवलदेशसुजाणाँ॥८॥ हतनाँपुरागिरनेरगुमानीरक्तबीजरा
रानाँ ॥ मानोस्यामसेरपरबतसैंचल्यादूसरादानाँ॥९॥अलव
रियाअँबालदेशराडाकीडीगादीसे ॥ मदरासीबंगालीतिलंगा
दाँतपंजाबीपीसे ॥ १० ॥ दानाँदलडाहलकूँभावे धरतीधरेन
पावैं ॥ जँमघँटकाजोरावरराजाबखतभाँणकेतावैं ॥ ११ ॥
हबसीऔरहिडंबीकालाजवराभँवराआया ॥ सिंधीअरबडम
टचढिधायाभँवरपटाँबलखाया ॥ १२ ॥साँतरहुईसहसनौ
कोटी गाढाजानासिंगारी ॥ असीलाखहलकासुंडाला राव
तणीअंबारी ॥ १३ ॥ सायरझालसँमदज्यूंऊठेघटाघूमती
आई ॥ ओलाज्यूंगोलाओलारियापडीनगारीघाई ॥ १४ ॥
चंदरुसूरछिप्यारजसेतीहोगइरातअँधेरी ॥ खिवरादियारा

वहाहुलनैंमोकलचल्याचँदेरी ॥ १५ ॥ च्यावकरेचँदेरीरा
जाजरासिंधमनभाया ॥ नवयोजनमेंजरीबाफता जरासिंध
बिछुवाया ॥ १६ ॥ सतरकोटदरवानांचाकरवखतभाँणबेठा
या ॥ राजाकरैजाँनरामोहोलाचोपदारगुजराया ॥ १७ ॥
जरासिंधसेराजालखियायेकघाटसीआया ॥ पदमभणैप्रण
मैंपायेलागूँ दैवसँयोगमिलाया ॥ १८ ॥ दोहा ॥ मदछकि
थामालाफिरैं, जाँणबाभडामूत ॥ कलहजनाजयाँकाहला,
जाणकजमराहूत ॥ १ ॥ आंधकडुम्हाजअचपला, सायराजि
रूदासूत ॥ झटकासूँवटकाहुवै, थलबटकारजपूत ॥ २ ॥
(अथसिसपालाकेस्नानउबटणकीकथा) ॥ दोहा ॥ चंदन
चौकीउबटणाँ, दुलेहनाँसिसपाल ॥ निनाणवैंराजाजुडचा,
झलकेमोतियनमाल ॥ १ ॥ भावजमहलपधारिया, घूँमत

डासिसपाल॥मदमातौइमभाखियो, थारेउठीकाँईझाल॥२॥
॥ रागमारू ॥ ब्यावडछावमंगलनहिंगावोमुखडोक्यूंमुरझा
यो ॥ म्हारैतोशिरबँधेसेहरोथारेमननहिंभायो ॥ १ ॥ भाव
जभणैसुणोरायजाहाकुंदनपुरमातिजावो ॥ म्हाँसूं छोटीवहन
सुलखणी तिन्हैंपरणघरल्यावो ॥ २ ॥ म्हाँनैटीकोरुकमालप
ठायो कीन्हींघणीबडाई ॥ आयालगनम्हैंकिणविधछोडाँ
म्हारीहैहलकाई ॥ ३ ॥ अबलगतोकछुहुईनहोसीचायकरो
हलकाई ॥ जोकुंदनपुरचढकरजासो रहैनमानबडाई ॥ ४ ॥
रुकमणिकोवरकृष्णसाँवरोत्रिभुवननाथभणीजै ॥ थक्यूंदेव
रजानवणावोकान्हकँवरपरणीजै ॥ ५ ॥ कालेकृष्णकीकरौब
डाईसोकाँईथोरैलागै ॥ दलदेखतडाहलराजाकोदौड पयादौ
भागै ॥ ६ ॥ तखतचंदेरीरावकहावो माथेछत्रफिरावो ॥ बँधे

मौडथेपाछाफिरस्योकहाबडाईपावो ॥ ७ ॥ सुणहोदेवरबदू
बदूकाँछाँबिनपरण्याँहीआसो ॥ बडेबडेतौभूपमरावोकुलकूँ
काँटलगासौ ॥ ८ ॥ ब्रह्माँनेंसावित्रीसोहैइंद्रघराँइंद्राणी ॥
शंकरनैंपारवतीसोहैकेशवकमलाराणी ॥ ९ ॥ बाभीकहीबुरी
करमानींभलीनमानीकोई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँहोनी
होसोहोई ॥ १० ॥ दोहा ॥ बाभीकहीसिसपालनै, कुंदनपुर
मतिजाय ॥ देवरम्हारीमानल्यौ, आस्योजानखपाय ॥ १ ॥
रागसोरठ ॥ स्याणांजाण्यांराज बाभीथानेसाणांजाण्यांराज
॥ टेक ॥ छिप्यारह्याइतरादिनछाँनैंनीकाँजाण्याँआज ॥ १ ॥
जोकोइसीखतुमारीमानैंकैसेंसरेवाकोकाज ॥२॥ आईसगाई
कैसैंमोडाँ जायजगतमैंलाज ॥ ३ ॥ बडाघराँकाजाथाउपनाँ
पूँछकराँथानैंकाज ॥ ४ ॥ ऐसीबातविचारोमनमैंपाणींपहली

पाज ॥५॥ म्हांरौघरविख्यातजगतमैंजास्याँसैन्याँसाज॥६॥
जुधकरस्याँकुंदनपुरमाँहींग्वाल्योजासीभाज ॥ ७ ॥ पदम
भणैंबाभीसूँदेवरहोणीहोसीराज ॥ ८ ॥ दोहा ॥ दुमनौंमह
लांऊंतऱ्यो, बाभीलडसिसपाल ॥ मधुरबैंणाविखमाँनियाँ,
रोसभऱ्योरीसाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ जबासिसपालोपाटैबै
ठोमरदनतेलकरायो ॥ रंगमहलमैंकरेउबटणोसबहीसाजमँ
गायो ॥ १ ॥ भूषणबसनरतनकागहणाँदीखैरूपसवायो ॥
बाँधसेहरोबनडोबैठोसारैसहरसरायो ॥ २ ॥ द्वासिखवासी
लूंणअवारेपंडितबेगबुलावे ॥ पद्मभणेंप्रणमैंपायेलागूँबाभी
मनानभावे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ पंडितजोसीमिलघणाँ, मोहो
रतलगनकढाय ॥ मंगलगावैंकांमण्याँ, आनंदघणाँउछाय ॥
॥ १ ॥ रागमारू ॥ ॥ जरकसपागजरीरीजामोंझलकत

तुररोसोहै ॥ रतनपदारथके आभूषण निरखत कामन मो
हैं ॥ १ ॥ सिसपालासिरबँध्योसेहरोजानसबीजुडआई ॥
जरासिंधकहूकरौसताबीदुलहोबेगचढाई ॥ २ ॥ दुलहोवण्यो
निमतजान्याँकोमरखमनहरषावै ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाथल्ला
गूंकुलकूंकाटलगावै ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नीकासीसिसपालको,
शोभाकहीनजाय ॥ रतनजडाऊसेहरो, मोतियनलूंबलगाय
॥ १ ॥ लूंबजसोहैमोतियाँ, घुडलाँसौवनसाज ॥ अणीच्चमक
ताज्यूँफिरैं धूमतडागजराज ॥२ ॥ रागमारू ॥ जबशिसपा
लकिहुईनिकासी भावजउरीबुलावो ॥ काजरकोम्हारोनेगक
रावोआँखिनआँन अँजावो ॥ १ ॥ लिखीहोयभावजयूंबो
लीखोटीबातबिचारी ॥ कायकोदेवरकजरोआँजूंथारीजगमें
होयखवाँरी ॥२॥लिछमीऊपरबांधसेहरोथेमिलजाँनबनाई ॥

इणमैंयेकनजीतोआवैसूजीकाँईबुराई ॥ ३ ॥ बेगमजातनहीं
गमथाँनैंकाँईथेग्वालबखानो ॥ अदबेजातअहीरकोजायोन
हिंकोइराजारानो ॥ ४ ॥ राजाभींवकोम्हाँवनहींछैकँवरजमे
लीपाती ॥ थाकँवरीथेपरणपधारोतबाँहिंसरावाँछाती ॥ ५ ॥
कहासिसपालसुणौंबाभीजीथेथारेपीयरजावो ॥ म्हारारराजमैं
ठौडनहींहैबणहणबैलजुतावो ॥ ६ ॥ जबथेजानबणाई देवर
म्हेम्हाँरेपीयरजास्याँ ॥ कुंदनपुरसूंपरणपधारोलाडीनिरख
णआस्याँ ॥ ७ ॥ देवरजाथेमानोनाहींकारजसरसीकाँई ॥
बालिछमीहरिकीअरधंग्यापरणोतोरामदुहाई ॥ ८ ॥ रिम
झिमकरतीमहलाँचढगईरोसभरीउरमाहीं ॥ थेकुंदनरपुरजा
वो परणबाथांरेकाजललारूंनाहीं ॥ ९ ॥ काँइबोलोविषबा
णीभावजकडवाबैणनभाखो ॥ बिनकजरेईपरणपधाराँकाजर

थारोराखो ॥ १० ॥ रागसोरठ ॥ बाभीऊभीरंगझरौखेदेवर
नैंसमझावैरे ॥ टेक ॥ भींवकँवरिकेरूपलुभानोबातोहातन
आवैरे ॥ १ ॥ त्रिभुवनपतिसोंबैरघालकैनाकोइजीतीजावैरे
॥ २ ॥ चौमासामैंउडेआगिया पाँखघणींफरकावैरे ॥ ३ ॥
मनचायेतोकरेऊजारोसूरजखौडखडावैरे ॥ ४ ॥ कुंदनपुरसूं
भागरआवै मूरखमनपिस्तावैरे ॥ ५ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूं मौतबीजघरआवैरे ॥६॥ दोहा ॥ बाभीउतरीमहलसैं,
देवरजाँनकाभाय ॥ लाडनबरासिसपालनैं, बेरबेरसमझाय ॥
॥ १ ॥ रागहवाकी ॥ बनडोखूबबण्यो बनडाकीअजबबहार
बनडो ॥ टेक ॥ दंतवक्रअरुरावजरासिंध सिसपालासिरदार
॥ १ ॥ लटपटपागकेसरियाबागो फैंटोअजबघजदार ॥ २॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं बाभीसुरमोसार ॥३॥ रागसोरठ॥

मतकरहोदेवरनीकासी वाँहाँआवैंगाब्रजवासी ॥ टेक ॥ हल
सूंतोथांरोरखसँवाँरैंमूसलसूंपधरासी ॥ १ ॥ राणीरुक्मणि
कृष्णकँवरकी तुमरेकबहुंनआसी ॥ २ ॥ तुमहरिजीकोहोड
करतहौ काँहाँमघहरकाँहाँकासी ॥ ३ ॥ जिनराजनकोजोर
करतहौ काँमपड्याँभगजासी ॥ ४ ॥ बँधेमौडतुमपीछा
फिरहौ अहोकरेजगहाँसी ॥ ५ ॥ बड़ेबडेराजामरवासीकुल
कूंकाटलगासी ॥ ६ ॥ पदमभणैंभावजइमभाखै पीछेहीपिस
तासी ॥ ७ ॥ रागसोरठ ॥ हटजाभावजहटजाथेघटजाय
लौमाँनतेरौ ॥ टेक ॥ उनकान्हांकीकरौबडाई नंदमहरको
चेरो ॥ १ ॥ मथुरामांहींजनमल्लियोहै गोकुलहुवौबडेरो ॥ २ ॥
सतरेवारकोबदलोमांगूंअबकेअवसरमेरो ॥ ३ ॥ पदमभणैं
सिसपालोबोलै अबहीकरूंनवेरो ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ देवर

क्यानैंमूछमरोडोथेम्हारौकथौमतमोडौ ॥ टेक ॥ जबजाणौथे
लाडीलयावौ करौबाँधगँठजोडौ ॥ १ ॥ ब्रजनंदकोजुधमधमें
कूपहै आँखमींचमतदोडौ ॥ २ ॥ मेराकह्यातुमयादकरौगे
जबउलटामुखमोडौ । ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँनाँह
कतामनतोडौ ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ ॥ बाजैछैजंगीढोल
चंदेरीमैंबाजैछै ॥ टेक ॥ केसरियौबागौबण्यौ माथेबाँध्यो
मोड ॥ ग्यारेलाखपालखीडाहल्लकेजरासिंधसगजोड ॥ १ ॥
चंदेरीमैंपंचायणबाजैपडेनगाराँठोड ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूँदलचढ्यादिखणकीओड ॥ २ ॥ रागसोरठकीलूर ॥
पियाडरलागेम्हाराराजथेजायकरौलाराड ॥ पियाडर० ॥
॥ टेक ॥ पाँचसातमिलभामनींलेतसासपरसास ॥ सिंधरा
यनृपकीसुतादौडगईपिवपास ॥ १ ॥ भागोलादीसेपरतक

जीज्यूँदरपणप्रतिबिंब ॥ कौणसूरधीरीधराँ जीवारुकमणी
रणखंब ॥२॥ हलधरऊठेहाँककेजीकौनलडेबलवाँन ॥ सिंह
रूपहरिधारिहैंकोपकडेधनुबान ॥ ३ ॥ जरासिंधनरहैसही
जीहरिनिंदाकूंआग ॥ तुजकूंदोषनराजूवीजीउठीभावनीजा
ग ॥ ४ ॥लज्यावोयघरआवस्योजीसबदललेसीमार ॥ कुंद
नाँपुरभारतरच्यौजीकनकचूडकरधार ॥ ५ ॥ आसकरैछै
जोगण्याँजीसालगिरदमँडजाय ॥ शिवमालाऊणीसुणीजी
सोपूरीकरवाय ॥ ६ ॥ धाकाधाकणकामण्याँजीकनकचू
डकरधार ॥ देवराजिठाण्याँबापडीजीपचहारीसबनार ॥ ७ ॥
राजकरौनीराजवीजीतबलचंदेरीचंद॥पदमइसीभगवानसैंजी
कोजीत्यामतिमंद।८।रागसोरठ देस।थेरीमतबरजौनारम्हानै
दास नहीं छै थाँनैं॥ टेक ॥ कुंदनपुरसूंकागदआयोभींवराज

केछानैं ॥ १ ॥ म्हेजगजीतजोरावरराजापकरगहाँदेवाँनैं ॥ २ ॥ जरासिंधजोरावरराजातीनलोकमैंजानै ॥ ३ ॥ नंदरायकी धेनुचराई नितहिसरावैवानै ॥ ४ ॥ बीनबजाईकामनमोही काहाबडपनकान्हाँनै ॥ ५ ॥ जोबौग्वालतुच्छहमसेती जुध मैंनहीजितानैं ॥ ६ ॥ पारब्रह्मतौमुगतहोयगौ कैसैंमुडाघराँ नैं ॥ ७ ॥ तिरियाकहीतनकनहिंमानीमौतजआईहाँनैं ॥ ८ ॥ पदमभणैंपीछेपिसतासीजायपडयाँप्रभुपाँनैं ॥ ९ ॥ दोहा ॥ चढयाचहूँदिशडाहला, हुईहलाहलजान ॥ दलकौवयादसुं देसरा, नौपतधुरेनिसाँन ॥ १ ॥ राजारंगचढाइया, कियाकै सन्धांसाज ॥ तलमलाटतुरीयाँकरैं, घूमतडागजराज ॥ २ ॥ रागसोरठ ॥ येजीमहाराजाबींदमानों ॥ थानैंभावजदेछैता नो ॥ टेक ॥ सिरीकृष्णबलदेवजीहरिहलधरदोउवीर ॥ ताकी

सरबरकौंकरै थारेकोणसुभटरणधीर ॥ १ ॥ झेला ॥ वोछैनं
दमहरकौंकानौं ॥ सोतोनाँपृथ्वीपरछानौं ॥ जिननखपरागि
रवरधाऱ्यो ॥ जिनडूबतब्रजाहिंउबाऱ्यो ॥ १ ॥ बावनहोयब
लिकूंछल्या सुरपतिमाँनबधाय ॥ हतीपूतनाप्रानसैं दिवीबि
मानपठाय ॥ झेला ॥ जिनमाऱ्यौअपनौंमामौं ॥ वैंनाताकछू
नजानौं ॥ तुमसुनौंवैनयेक्कक्काँनाँ ॥ जिनमाऱ्यौरावणदानाँ ॥
॥ २ ॥ उनकेसबहीदेवसँग पाँडवसेजोधार ॥ थारेयेसासुभ
टकोसनमुखझेलैसार ॥ झेला ॥ नरसिंहरूपजिनधारयौ ॥
जिनप्रहलादउबारयौ ॥ ३ ॥ जिनहिरणाँकुशकूंमारयौ ॥ प्रभुन
खसैंउद्रविदारयौ ॥ ३ ॥ मल्लअखारेमारियाँगजकेदशनउ
पार ॥ ऐसेबलिकेसाँम्हैनेंमतिजावौसिरदार ॥ झेला ॥ जि
नयेसाकियापँवाडा ॥ बलिदानवतिन्हैंपछाडा ॥ थारोद्वास

पदमजसजाण्यौं ॥ प्रभुतुमरोविरदबखाण्यौं ॥ ४ ॥ रागदे
शकीहोरी ॥ गिरधरकहताँलाजनलाजे ॥ टेर ॥ मामौंमारभ
यौसूरमौंघरहिमेंराजेगाजे ॥ १ ॥ मल्लहोयकरमल्लपछाडच्या
कहाबीरतासाजे ॥ २ ॥ हमसैंजंगजुडच्याजुधहोसीजबजरी
ठसौबाजे ॥३॥ हमरीओरजरासिंधराजासबराजनासिरताजे
॥ ४ ॥जबउनलागेप्रानापियाराफटकेफुरकेभाजे ॥ ५ ॥ पद
मभणैंबाभीसेंदेवरयूँकहमहलाँजाते ॥ ६ ॥ दोहा ॥ महलप
धारौथाँहरे, केपीहरउठजाय ॥ बिनपूछ्याँभाखौमती,बेगम
जालकवाय ॥ १ ॥ आतुरहुयमहलाँघिरी, नैंनरहेझरलाय ॥
होनहारहोवैसही, कोटजकरौउपाय ॥ २ ॥ साहाणींबेगबुला
विया, हुकमहुवौदरबार ॥ कुंदनापुरनेसाकती, घुडलाबेग
सिंगार ॥ ३ ॥ साहाणींसबभेलाहुवा, जुडच्याजुभूपअवल्ल ॥

सिसपालजरासिंधबोलिया छाडअणींरावदह्ल॥४॥ अथघोडाँ
कीजात॥रागदंडक॥ सौंवनीसाजपलाँणिंरेपलाणे ॥ राजाक
हसांणियांसौंवनीं०॥ सीहडासूरसीमंगसीमारवागिरझडास
रसासंजावरे। घोडाआपाटियाभूतियाभूसलाखानाजादीदासि
यामोतीडामसकोडाकावलीचमाकियाकिलंगणा किलाचिया
लोटणा लखेरियाहजारियालजारियागुमानिया पलाणिरेपला
णिराजाकहैसाणिया ॥१॥ बरबरागिरवरानागीनाँसागराहल
दियामहँदिया उचैसुराचलेखंरारथजूताकेकाणस्याइयासपे
दियाढढणाजलहराघणवदलासिणगाररे ॥ राजाकहसाणि
याँसौवनींसाजपलाणिंरेपलाणिं ॥ २ ॥ऊँचाआलौलाचंचला
अचपलाबीजियाखीजियारीझिया रावसाणींवारनलावरे ॥
चीरीचहुँदिससाँचरीआयारावसबरायरे॥सिसपालजरासिंध

उमँगियाजाणवण्यागजराजरे ॥ दौडजलदताकीदसूंसाह
णीलयावौवाजरे ॥ राजकहसाणियाँसौवनीसाजपलाणं
रेपलाणं ॥ ३ ॥ अथसवारीवर्णन ॥ दोहा ॥ पवंगपलाण्या
नौलखा, हुयघुडलाँ असवार ॥ करीनिकासीकँवरकी, घणछ
कलीयाँलार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चडघोडीसिसपालकुदावे
हातासाँगफिरावे ॥ अरजुनभीँवगवाल्यासाथेम्हादेख्याँसर
मावे ॥ १ ॥ इसडौकूणदुथणींकौजायौम्हारैजोडैआवे ॥
जरासिंधसेजोधादेखतजीवलेयभगजावे ॥ २ ॥ देवाँदइतन
हींकोइदानाँछेपनकोटकमाँहीं ॥ पंडवजोधागवाल्याकेसंग
आथकरैलाकाँई ॥ ३ ॥ म्हेनहिंमुडाँभिडाँजमसेती कालपुर
षनेमाराँ ॥ चंडीचक्ररुद्रयेकादशलनमुखहोयसँहाराँ ॥ ४॥
काँकडचढतासकनविचारेहिरणजडावाआया ॥ खरडावाको

चरनरसाँगीजंबुकसाँम्हाधाया ॥ ५॥ घायलाहजकनफडा जोगी अछलकडचाँकोगाडौ ॥ तिलकबिहूँणाब्राह्मणमिलि यासरपाफिरचोसबआडौ ॥ ६ ॥ छाणौंहातधुकंतौधूँवोंसा म्हाँमिलियासोगी ॥ खोटाशकुन कह्योनाहिंमान्यौंहोंणहार सोइहोगी ॥ ७ ॥ जीवणिसारसचीलहाचिकारैमिल्योपीसि यौआटै ॥ पद्मभणतशिवकर्णसुभटा सिसपालश्रवणदियो हाटै ॥ ८॥ रागमारू ॥ देशदेशकाराजाचाढियाघुडलाँरेठ मकारे ॥ कंप्याशेषसमँद्रखलभलियाधूडौंल्याआधारे ॥ १ ॥ निनाणवैंछत्रफौजकीशोभाहसत्याँडोरसवाई ॥ सोवानिसाज फिरेअहराखी राजामनाँउछाही ॥ २ ॥ दीखेभूपसाँगभलकं तासिसपालौबतलावै ॥ दम्मघोषकीआँणभणीजैनिजराँओ रनआवै॥ ३॥पिचाणवैंछौंहणचढाचालैंभूतलमेयहठाटाँ॥ ढल

केढालफरूकेनेजाऊजडागिणैंनबाटाँ ॥ ४ ॥ छत्तीसूंबाजालँग
घुरतासुरणाईरणतूरा ॥ पवनपहेलाबहुतसुहेला पुरूषजछाँई
सूरा ॥ ५ ॥ अलबलियाअसवारअचपलाभालाबीजलझंपे ॥
फौजाँचढीरावडाहल्लकीशेषधरादल्लकंपे ॥ ६ ॥ येकथेकसैंइध
काचाले सहजाँसाँगउजाली ॥ यूँकरताकूंदनपुरआयालिये
रुकमइयेझाली ॥ ७ ॥ नगरनवेलेडेरादीयाचोरीचहुंदिस
चाली ॥ मातासैंजुभणैंरुकमइयो मनमैंकरोकुसाली ॥ ८ ॥
साठलाखकुंजरसिणगारचा तुरियाँअंतरपाई ॥ पदमभणैंप्र
णमैंपायेलागूं जानकुंदनपुरआई ॥ ९ ॥ दोहा ॥ साम्हेले
सिसपालके, चढियोरुकमकँवार ॥ घुडलासिलेसँवारिया,
चालाकीअसवार ॥ १ ॥ रागसोरठ वा बिहाग ॥ वनानैडेरा
देवैछैजीरुकँमकँवार ॥ नवलमहलकंचनमणिजडिया थंभा

रत्तनजुहार ॥ मोतियनझालरडोहीपडदादुलहानैंदियोछैउ
तार ॥ १ ॥ साईवानचाँदणीताणींरावटिअंतअपार ॥ नवन
वखनदलबादलतंबू जडियाछैरतनजुहाँर ॥ २ ॥ सोलाचौ
वदुचौबछचौबा चौबबतीससँवार ॥सुघडफरासबिछायतकी
न्हीं मध्यसिंघासनढार ॥ ३ ॥ डेराँडेराँधरामिसरूदाँताकि
याअंतअपार॥सौजसौजचा औरगैंदवा लीना सबसंसार।४।
जाणअजाणटल्यौनहिंकोई दीन्हाँसहमनुहार ॥ कहरगाम
रुकमालकुँवरयूँकियोबहुतसतकार ॥ ५ ॥ हरख्यालोगस
कलनगरीकाबिलखीराजकँवार ॥ पदमभगताशिवकरणभ
णइमैंइणबिधजानउतार ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ईंधणघासरुदाना
पाणीऔरपठायापान ॥ ठामठाममैंदाघीसकरजुगतउतारी
जान ॥१॥ रागमारू ॥ जितनापाँवधरयाधरणीपर सोम्हा।

रोसिरधारया ॥ बाजारागछतीसोबाजैंहीरालालअँबारया ॥
॥ १ ॥ रुकमइयौकहसुणौंराजवीथेम्हारामाँनग्रधारया ॥
धिनाधिनआजादिहारौऊगौथेभलघराँपधारया ॥ २ ॥ उभय
ओरजाचकविड्दावैंमंगलगावैंनारी ॥ रुकमइयोसामानभ
रावै कौरवराकीत्यारी ॥ ३ ॥ कँवरबौतसासाँमाँकीयासी
धाधिरउअपारौ ॥ जाँनआईसिसपालकीकौरवराकीवारौ ॥
॥ ४ ॥ कँवरजसेसूमेलियौ कौरवराकीलारौ ॥ सतरालाख
द्वकौरवरामैंगहणाअनतअपारौ ॥ ५ ॥ भलोमाहौरतकाढ
ज्योतौरणहोयअँवारौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँबेगाआपप
धारौ ॥ ६ ॥ कौरवरौदेकँवरासिधायौकरेबड़ाँसूबाता ॥ थेम्हा
रेरावजीभलाँईपधाऱ्याआछीआईम्हारीसाता ॥ ७ ॥ ससि
वरणौंसिसपालभणींजे थेसौ रावनकोई ॥ चंदवदनसीसो

भाजाकीनैनभरैभरजोई ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हसत्याँनेजाफर
हन्या, घुडलागुंघरमाल ॥ सौवनसाजजुभलाकिया, च्वँवरढु
लैसिसपाल ॥ १ ॥ गौखचढीदलजोवियो, राजा भींवसेन
जीरीनार ॥ बरनैंदिखाऊँबाईथाँ, हरीआवोम्हारीराजकँवार
॥ २ ॥ खिजतीरुकमणिथूँभणैं, मामतभाखौआल ॥ चव
दाभवनकाराजवी, बरबरस्याँगोपाल ॥ ३ ॥ रागमारू ॥
चवदाभवनराराबमणीजबरबरस्याँपरवाणी ॥ केथादेहदहूँ
दावानल परणूँ सारंगपाणी ॥ १ ॥ सारंगहाष्टिपरेज्यूँसारंगथ्रँ
डाहलियोदीखे ॥ नीरबिनानलनीज्यूँसूकेयूँहरिबिनाविसूकै
॥२॥मानसरोवरहंसादेख्याँ कागनिजरनाहिंआवै ॥ समंदराँ
सूँसीरपडचौजब नाडूल्याँकुण न्हावै ॥३॥ गलमोतियनकी
मालापहरीमिणियाँकौनबिसावै ॥ हस्तीऊपरबैठाचालेतुरंग

कहामनभावै ॥४॥ जामुखडातैं अमृत पीयोपरतनजहरपि
यावै ॥ जिनलेपाटपितांबरपहऱ्या कौंबलिया नसुहावै ॥
॥ ५ ॥ चौमासेमैंउडेआगियापांखघणींफरकावैं ॥ मन
चायेतोकरैउजारौ सूरजखोडखुडावै ॥ ६ ॥ पीतांबरसैंप्रीत
पहलकीतारकमोहनमोहै ॥ पदमभणैंयाऊभीन्हालेगोखचढी
दलजोहै ॥ ७ ॥ रागझिंझोटी ॥ क्यौंकँवरीबिलखी जोफि
रामनमौजकरौदुखकूँबिसरौरी ॥ भावजहातालियेहरदीपट
बैठअटानपटामसरौरी ॥ अंगकेआलसदूरकरौमुकताफलले
सिरमांगभरौरी ॥ भूषणभांति अनेक भरैझटचीरकुँलसनगा
रकरौरी॥व्याहन आयोचँदेरिधरापति छूटिलटाललकारफिरौ
री ॥१॥ हेजननी मतिमंदमहादुख भारचढेमुखबंदकरौरी ॥
सुमेरडिगौधरतीजो फटौ रविचंदगिगन्नसोंआनपरौरी ॥

गंगजमनउलटीजोवहै सिसपालसेतीकरनौजजुरौरी ॥ मेरो मतौनंदनंदनसूंकोउजानौंभलौभावैंमानाबुरौरी ॥ लाजकेऊ परगाजपरौ ब्रजराजमिलेसोइलाजकरौरी ॥२॥ रागमारू ॥ काँइतूंभूलीरुकमणिबाईसोचकरैमनमाहीं ॥ यौडाहल्लचंदेरीकोराजाकान्हौयासमनाहीं ॥ १ ॥ रुकमणिभणैसुणोमेरिमातासुणियेबिनतीम्हारी ॥ सिंघराघरमैंसालजपैठो यौइचरजमौयभारी ॥ २ ॥ अबकेसाथकरौसाँवरियाभीरपरीअतिभारी ॥ पदमइयोतेरोजसगावैभगतांप्राणअधारी ॥ ३ ॥ रागसोरठ मलहार ॥ माईमानै भावैनहींसिसपाल ॥ टेर ॥ मनमेरोगिरधरसूंबासियोडाहालियोजंजाल ॥ ॥ माई० ॥ ॥ १ ॥ गुपतसँदेसौलिखूँस्यामनैदीनानाथदयाल ॥ २ ॥ सारदूलकोभोजनस्वामीलियाँजातहैस्याल ॥३॥ जोमनगो

पियनकोबसकीन्हौंबंसीकीटेरउच्चार ॥ ४ ॥ पदमकहैप्रभुत
पतबुझावौ कुंदनपुरपगधार ॥ ५ ॥ छंद ॥ तेरेमिल्याँमन
कीभावना सखिहुई पूरनआसरी ॥ दिलगीरमतहोयरुक्मम
णीतू बानेबेठौआयरी ॥ आपौलियाँसूँनाहिंपरचूँधुरावेद
नवायरी ॥ कंचनकायामैंआगजारूँहोमडारूँहाडरी ॥
॥ २ ॥ दूसराअवतारधारूँरहूँकेशवसंगरी ॥ साथीहमा
रासाँबरासखिम्हैंउणरीअरधंगरी ॥ ३ ॥ कहैरुक्मणीइया
मसरणैंबचनवंदगोपालकी ॥ जनमदूजेतीसरेबरबरूँमित्रद
यालरी ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ प्यारीलीन्हींकंठलगाय नैनायूँ
झरे ॥ टेक ॥ राणीकहैअतीसुखपावाँमनमैंबोहोताचावे ॥
चिरंजिवौबंधू रुक्मइयौ यहडौबरथारेल्यावे ॥ १ ॥ रुक्मण
कहैसुनौरीमाता कहोनैबातविचार ॥ चवदाभवनकोराजवी

वौम्हारौभरतार ॥ २ ॥ म्हारौबरअतहीसुघडवोछैराजकवाँर ॥ तुमगोरीबाईकेशवकालौवोछैनंदकोगँवार ॥ ३ ॥ यहराजाखद्योतसमानासूरश्यामसैंप्रीती ॥ पदमभणैंरुकमणवरमोहनमतकहोबातअनीती ॥ ४ ॥ राग खट ॥ बाई रुकमयूँभणैरुडोबरम्हारोबनवारी ॥ टेक ॥ अंतरचौबामौरासिखरगिरअंतरद्रायणमूसे ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरपारिजातअरडूसे ॥ १ ॥ अंतरसूरनषत्तरअंतरअंतरधरणीअकासा ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरचंदनरूँखजवासा ॥ २ ॥ अंतररैनदिवसहरिअंतरअंतर विषअभिचुरडे ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरनागरबेलीकुरडे ॥ ३ ॥ अंतरपापपुण्यहरिअंतरअमृतविषरीबेला ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरभणैंपद्मइयोतेला ॥ ४ ॥ राग खमायची ॥ बानहौमारीराजकँवारी ॥

॥ टेक ॥ रुकमइयेसिसपालबुलायौफेरॉँहोयअबारी॥ १ ॥
रुकमणनेककयौनाहिंमानैंघरमैंहोयखँवारी ॥ २ ॥ क्रोधवंत
रुकमइयौबोल्यौपकरबैठावौनारी ॥ ३ ॥ प्रानघातअबकर
हूँअपनॉंमरसूँखायकटारी ॥ ४ ॥पदमस्यामरुकमणअबस
मझीजानतहूँबीराघाततुमारी ॥ ५ ॥ रागकाफीकीठूमरी ॥
बीराम्हाँसूँबुरीरेकरी ॥ लियोलियोसिसपालबुलाय०॥टेक ॥
बुद्धितिहारीचालणींतुसतुमलियासम्हाय ॥ औगुणतौतैंहि
तकरराख्योगुणकूँदियोबहाय ॥ १ ॥ अंबमौरनीचानिवैंएरं
डऊपरजाय ॥ करओछासूंप्रीतिडी फिरपीछेपसताय ॥ २ ॥
मनमोतीघननैनको जाणौंयेकसुभाय ॥ फाटपीछेनॉंमिले
कोटजकरोउपाय ॥ ३ ॥ हरदीजरदीनॉंतजे खटरसतजेन
आम ॥ असलीतौऔगुणतजेगुणकूंतजेगुलाम ॥ ४ ॥ बटसूं

पातलछाँइयाँ ऊगंताँदोयपान ॥ वौमनतौजबहीगयो तबहि बुलाईजान ॥ ५ ॥ डूंगरियाको बाहलौ औछाँतणौसनेह ॥ बहताँबहैउतावला तुरतादिखावैछेह ॥ ६ ॥ कडवाकदेनभाखिया मीठाबोलणियां ॥ पदमइयोस्वामीभणैं भाखैरुकमाणियां ॥ दोहा ॥ राजाभींवअबौलिया, कँवरसूँबोलैनाह ॥ सभादेखसिसपालकी, दुखपावैमनमांह ॥१॥ रागमारू ॥ मनहीं माहिं बहुतदुखपावैकान्हकँवरकदआवै॥ म्हारैतौमनआनँदउपजैमनरुकमणकेभावै ॥ १ ॥ आडीभीमद्धारकादूरीसंदेसा पहुंचावै ॥ कुंदनपुरआयोसिसपालौहारिकूंजायसुनावै ॥२॥ रूठडेवदनकँवरउठबोल्यो राजाकाईजोवौ ॥ ऐसारावऔरनहिकोईम्हांनेकांईबिगोवौ ॥ ३ ॥ राजाभींवझझकनैऊठ्यारुकमइयातोयमाहूं ॥ कदवेकृष्णकुंदनपुर आवैं कदहूंरासाच

सारूं ॥ ४ ॥ केमरहूंअपणीअपघातॉं जोसिसपालौपरणौं ॥ पदमश्यामसुखदायकनायक रहूंश्यामकेसरणौं ॥ ५ ॥ दोहा ॥ सुणं वचनभूपालके, लीन्हींतुरीमँगाय ॥ पाँचलाख असवार लै, चढ्योजानमैं आय ॥ रागमारू ॥ चढ्याजानमैंआयकँवरजी पांचलाखअसवारौ ॥ राजाभींवकृ षणबरपरखै थारोकाँईविचारौ ॥ १ ॥ भलोविचारभलीम्हेक रस्याँ वांनैंतौम्हेजाणा ॥ नावँसुण्याबाहरनहिंआवै काँईघ णोबखाणा ॥ २ ॥ भींवरावकोंजासीतेड्योतुरतघडीअस वारौ ॥ भलौमोहोरतकाढीज्योम्हानैंफेरांहायअबारौ ॥ ३ ॥ जोसीलगनविचारियाजी आजमोहोरतनाहीं ॥ डेराजावी कहौकँवरनैं थानैंसूज्योकाँईं ॥ ४ ॥ कहैजरासिंधकहोजोसी नैंम्हेतौचढकर आया ॥ म्हांरेनावँनहींछौसावोक्यांनेकँवरबु

लाया ॥ ५ ॥ जोसीकहैजरासिंधराजा कौनवडोथेबूझ्यौ ॥
कह्यौकंवरकेकांकणबाँध्योथांनेकांईसूझ्यो ॥ ६ ॥ काल्यौगवा
ल्यौ करौबराबर वो म्हारेकदतोलै ॥ म्हेतौसारासिंहसरीखा
यूँसिसपालौबोलै ॥ ७ ॥ जबब्रह्माजीघडीलगाई सतदिवस
कीएकौ ॥ बातकरौबीवाह्करौमत निजरभरेभरदेखौ ॥ ८ ॥
सातदिवसको दिवसबणायोसातदिवसकीरातौ ॥ इतरे तौ
श्रीकृष्णपधारेतितकेफिरलेजातौ ॥ ९ ॥ कालास्यामसकलनैं
सूझैं भगताँभूधरगोरौ ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूं दधिमाख
णकोचोरौ ॥ १० ॥ दोहा ॥ माताबूझेकँवरिनै, बाईथेविल
खाकांई । सभादेखिसिसपालकी, सुखपावोमनमाहीं ॥ १ ॥
रागमारू ॥ मनहीमाहिंबहुतसुखपावौ ज्यूंम्हेईसुखपावाँ ॥
साँहणवाँहणहस्तीघोडा भलीभाँतिमुकलावा ॥ १ ॥हरख्यो

कँवरबहुतमनमाहीं जानभलीपुरआई ॥ कोंकणबांधासिस पालाआया मांहजरासिंधराई ॥२॥ वोमथुरामैंजनमलियोहै घेररपरोंकढायो ॥ बाहरबासकरणनहिंपायोसमँदरबीच्चवसा यो ॥३॥सतरेबारवोआगेभागो बारअठारवींआई ॥मनहटछा डकरोऊबटणो मानोरुकमणिबाई ॥४॥ नटवरभेषग्वालन्यो मोहीझूठोमाखनखायो ॥ मामोमारसूरवोहूवा कबकोराव कहायो ॥ ५ ॥नाकबिंधायबजायतालियाँ छोकरियांसँगना च्यो ॥ फंदीदेयगुळाचांखाई काछनटवरीकाछ्यो ॥ ६ ॥ कन्यांबहलखादनाहिंन्हाके बेदपुराणांभासे ॥ मातावंधूअरज करेछै पतभाईकीराखे ॥ ७ ॥ जबगुनवंतीगुनकरबोलीका न्हकुँवरवरम्हारो ॥ पदमभणैरुकमणयूँबोलै कथो नामानूंथा रो ॥ ८ ॥ राग सोरठकीलूर ॥ थेसेभणेंरुकमणीबाई ॥ सो

हीबींदहमाराबाई ॥ टेक ॥मच्छरूपहरिधारे॥शंखासुरदानाँ
मारे ॥ जिनवेदब्रह्माकादीन्हाँ ॥ सतजुगमेंसाकाकीन्हाँ ॥
॥ १ ॥ कच्छरूपहरिधारे ॥ मधुकैटभदानाँमारे॥देवनकूंअ
मृतपायौ ॥ असुराँकौजहरपिलायौ॥२॥बाराहरूपहरिधारे ॥
हरिणाक्षसदानाँमारे ॥ जिनवसुदंताधरराखी ॥ जाकासुरन
रमुनिजनसाखी ॥ ३ ॥ नरसिंघरूपहरिधारे ॥ जिनहरिणा
कुसकूँमारे ॥ प्रभुनखसौंउद्रबिडारे ॥ तबजनप्रहलादउबारे॥
॥ ४ ॥ जिनबावनरूपहरिधारे ॥ राजाबलिकेघरेपधारे ॥
जिनदोयपैंडभरवाई ॥ तीजीकूँठौरनपाई ॥ ५ ॥ परसरामरू
पहरिधारे ॥ जिनसहस्त्रबाहुसंघारे ॥ जिनक्षत्रिनिक्षत्रकर
डारे ॥ जिनब्राह्मणराजदिलारे ॥६॥ जिनरामरूपहरिधारे ॥
जबरावणदानाँमारे ॥ सागरपरसिलातिराई ॥ जबलंकाबिभी

षणपाइ ॥ ७ ॥ कृष्णरूपहरिधारे ॥ कंसासुरदानाँमारे ॥
बसुदेवकीबंधछुडाई ॥ देवनकीकैदमुडाई ॥ ८ ॥ बुद्धरूपह
रिधारे ॥ जीवनपरदयाबिचारे ॥ थारोजसपद्मइयौगावै ॥
कछुभक्तबधाईपावै ॥ ९ ॥ रागसोरठ ॥ स्वामीरुक्मणपाप
कमायौ ॥ जाकेबरसिसुपालोआयौ ॥ टेक ॥ केम्हें मूखा
बिप्रउठाया ॥ अनदौसाँदौसलगाया ॥ केमैंकुलकीभ्रांतज
कीन्हीं ॥ दुरबलकूंदाननदीन्हीं ॥ १ ॥ केमैंहरिकीभगतन
जाणीं ॥ सतसंगतनाहिंपिछाणीं ॥ केमैंचरतीगऊबिडारी ॥
केमैंकँवारिकन्यामारी ॥ २ ॥ केमैंसासूनणदसताई ॥ केमैं
पुत्रबिछौवामाई ॥ केठोकरसैंगऊउठाई ॥ केमैंझूठीचुगलीखा
ई ॥ ३ ॥ केसाधाँरीनिंद्याकीन्हीं ॥ केम्हेंझूठीहामलदीन्हीं ॥
दिवलासूँदिवलौजोयौ ॥ पगल्यासूंपगल्यौधोयौ ॥ ४ ॥ केम्हें

आलोपीपलतौडयौ ॥ केमैंउपलासूँउपलौफौडयौ ॥ यहपा
पांकरीकमाई ॥ जाँसूँबरासिसपालकहाई ॥५॥ केम्हौंकाटीब
रतकुवाकी॥केम्हैंझूठीदीन्हीसाखी॥काँईपापणपापकमायो॥
जासूँबरासिसपालौआयौ ॥ ६ ॥ केम्हैंमारयौसगौजवाँई ॥
केकन्याकोद्रव्यलेखाई॥येसैंपदमभणैंजदुराई ॥ अंतरजामी
करौसहाई॥७॥ रागविहाग ॥ दधसुतजायरेविणदेस॥टेक॥
देसकहियेनंदनंदनसकलभूपनरेस ॥ १ ॥ कहातोपतियाँलि
खूँकथाँनै तुमहिसुघरसुरेश ॥२॥ नंदनंदनजगतवंदनधरयो
नटवरभेस ॥ ३ ॥ काजअपनसुधारस्वामीबस्तऔरबीपेस
॥ ४ ॥ चीरफारूँकंथाओढूँकरूँजोगनभेस ॥ ५ ॥ सेलिसिं
गीभस्मसुद्राछुटेराखूँकेस ॥ ६ ॥ प्रेमअमृतसीतलधारा
यौहियेउपदेस ॥ ६ ॥ कमलनैनीबिरहनीका कहियोएकसँ

देश ॥ ८ ॥ स्यालतौसिसपालडाहल्लछायरह्योयादेस ॥९॥
दासपदमपरकिरपाकीजेकाटौकरमकलेस ॥ १० ॥ दोहा ॥
द्विजदेख्यौनृपभीष्मकौ, रुकमणिराजकँवार ॥ यहपातियाँ
लेजाउगो, नहच्चोकियौविचार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सैनादेवी
जबविप्रकूंजी आयौद्विजवरनेरौ ॥ सीसनवायचरणगहिबो
ली सुनौबैनयेकमेरौ ॥ १ ॥ तुमब्राह्मणपुरीद्वारिकाजावौ
योहिपातियाँलेजावौ ॥ त्रिभुवननाथबसेवहाँमाधवसंदेसोपहुँ
चावौ ॥ २ ॥ जोहरिवेगपधारेकुनणपुर तौगुणमूलूंनतेरौ ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं तेरेदुखकौकरूंनिबेरौ ॥ ३ ॥दोहा ॥
कहोबाईकैसेकरूं, भूभारीदिनतीन ॥ कबजाऊंद्वारावती,
म्हैंवृधब्राह्मणदीन ॥ १ ॥ यहशंकातूंछोडदे, वहसाम्रथकर
तार ॥ दीनानाथ दयाल हैं, बिगरी लेत सुधार ॥ २ ॥

रागमारू ॥ डूबतहीगजराजटेरसुनहारिकहतेहीआयौ ॥ कहाँबैकुंठकहाँवोसरवर येकपलकमैंधायौ ॥ १ ॥ डूबतहीगजराजउबारयौ बैकुंठधामपठायो ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं द्विजसुनकेहरखायो ॥ २ ॥ रागख्मावची ॥ आवोमेरेबमनां, अंगनानिपाऊँ ॥ टेर ॥ अंगनानिपाऊँ चरणपखालूं आचमनकरिपीऊँ ॥ १ ॥ जिनगलियाँतुमहमरेआवोपलकनसैंपगझारूं ॥ २ ॥ ऐसाहैकोइकृष्णमिलावेतनमनवापरवारूं ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं चितसैंनेकनटारूं ॥४॥

॥ दोहा ॥ नैननकीपातीकरूं, अँसुवनकोछिरकाव ॥ स्यामसनेहीआवियौ, द्वेपलकाँपरपाव ॥ १ ॥ पावधरोपलकाँपरैं, अतिआतुरहोयआव ॥ पुत्रीभीमकठोरहै, येसैंमनसमझाव ॥ २ ॥

॥ रागसोरठ ॥ ॥ म्हेंतोथांनदीनबंधुदीनानाथ

जान ॥ टेक ॥ ॥ म्हेंतौतुमरोनिरदसुनकेगह्लीनौंहटमाँन ॥
॥ १ ॥ लिख्योलगनबरातआई छिथो मंडपताँन ॥ २ ॥
साजदलसिसपाल आयौ बाजानिजतानिसान ॥ ३ ॥ निना
णवैंराजछत्रधारी जरासिंधसमान ॥ ४ ॥ हेवरगयंदबहो
तल्यौ बहुकियो अभिमान ॥ ५ ॥ जबसुनूंगीकृष्णआवत
तबकरूंजलपान ॥ ६ ॥ बंधुरुक्मइयेव्याहरचायो छाँडकर
कलकान ॥ ७ ॥ कोटितारेमहापापी अज्यामेलसमान ॥८॥
निसदिनमेरेध्यानतुमरो अहोसारँगपान ॥ ९ ॥ आँवनहो
यतोआवसाँवरा असुरतौडेतान ॥ १० ॥ पद्मकेस्वामीबेग
दरसद्यो नातरतजिहैंप्रान ॥ ११ ॥ राग केदारौ ॥ होद्विज
द्वारकालौंजाय ॥ टेक ॥ द्वारकामें श्यामसुंदर सँदेशोपहुँ
चाय ॥ १ ॥ प्रेमपतियाँलिखीकरसूं बेगदीज्यौजाय ॥ २ ॥

चित्तमेरासखीसुन्दर संगरहूँजदुराय ॥ ३ ॥ रुकमइयाने
व्याहथरप्यो पितापूछिनमाय ॥ ४ ॥ लिख्यौलगनवरात
आई दियोमंडपछाय ॥ ५ ॥ कुंदनपुरमैं होतइचरजस्याल
रोकीगाय ॥ ६ ॥ स्यालियौसिसपालडाहलसिंघ भकालि
यॉजाय ॥ ७ ॥ छत्रधारीभूपराजा म्हारोनग्रघेरचोआय ॥
॥ ८ ॥ जोडदलसिसपालआयो जरासिंधहैसाय ॥ ९ ॥
म्हेहूँनिर्बलबलनकोई कहूंबेदनकाय ॥ १० ॥ हंसकोम्हेअंस
लीयोकागक्यूँमंडलाय ॥ ११ ॥ मेरोतौकछुनॉयबिगरोबिरदतु
मरोजाय ॥ १२ ॥ गरुडचढगोविंदआवौ पदमबालिबलिजाय
॥ १३ ॥ रागसोरठ ॥ गरुडचढआवौजीगोबिंद ॥ टेक ॥
भींवरावकीभीरचढौहरपणराखौनँदनंद ॥ १ ॥ इणअवसरदु
रजनदुखमेटौ कीन्हो कंस निकंद ॥ २ ॥ बलिछलकेपाता

लपठायो खुसीभयाहरइंद ॥ ३ ॥ बाँकीनैंसूधीकरदीन्हीं
कुबजाहुईमहमंद ॥ ४ ॥ मुजनुगणींकागुणऔगुणकूं जान
तहौब्रजचंद ॥ ५ ॥ पद्मभणैशिवकर्णाविनयसुन डुबतर
स्थौगयंद ॥ ६ ॥ राग सोरठ ॥ प्रभुजीथेआज्यौजाणअनाथ
॥ टेक ॥ पतियाँलिखतमेरीछातियाँफटतहैं कलमनठहरत
हाथ ॥ १ ॥ भाईरुकमइयोकपटकमायो औरमिलीमेरीमात
॥ २ ॥ छलकरकेसिसपालबुलायो बहुतसुभटलेसाथ ॥ ३ ॥
निकसत प्रानहियौकमलानौकंपतमेरोगात॥४॥ सिसपालासि
रवंध्यौसेहरो उतरीआनबरात ॥५॥ येकनिमखकीढीलनकी
ज्यौजादवल्यौज्यौसाथ ॥६॥ मनाशिवकरणपद्मदरसनविन
निकसप्रानयहजात ॥ प्रभुजीथेआज्यौ ॥७॥ राग जैजैवंती ॥
जायदीज्यौजीमोहनकूंम्हारीप्रेमभरीसीपाती ॥ टेक ॥समै

देखकेबातचलइयो कहज्यौसभासुहाती ॥ १ ॥कृष्णनाँव सैंप्रीतलगीहै कलनपडतादिनराती ॥ २ ॥ जोनहिंआवैंप्रान तजूंगी करके मरूं अपघाती ॥ ३ ॥ यामनमेंनहच्चेकर जाणौ आनसंगनाहिंजाती ॥ ४ ॥ म्हेंअपनौंमनठानरहीहूँ और कछुनसुवाती ॥ ५ ॥ तेरेबिरदकौलौगहसैंगे सभैंगइ नाहिंआती ॥ ६ ॥ यहसिसपालकालसोलागे जमसे लगतब राती ॥ ७ ॥पदमकेस्वामीबेगदरसद्यौसीतलहोयगी छाती ॥ ८ ॥ राग केदारौ॥ कराद्विजद्वारकालगगवन॥ टेक ॥रुक्मणीकीले अंगूठी चलेजैसैंपवन ॥ १ ॥ कुंदनपुरमेंन्याव नाहीं अबगतिलागीहवन ॥ २ ॥ इच्छरजएकासिंहनीसें स्या रच्याहैरमन ॥ ३ ॥ जोडदलसिसपालआयौपौलतोरणछवन ॥ ४ ॥ पदमसामीभणैंरुकमणि बिलमैंकारनकवन ॥ ५ ॥

॥ दोहा ॥ पाती लिखद्विजकूँदई, चरणनिवावैसीस ॥ यह
पतियाँरसनाँकहौ, जबभेटौजगदीस ॥ १ ॥ ब्रहनींअति
व्याकुलभई, नैनरहेजलधार ॥ जीभडलीछालापडया,
कृष्णपुकारपुकार ॥ २ ॥ रागलावनी ॥ रुकमनीजोकरुणा
करे लगनलिखविप्रहातधरदीन्हा ॥ ॥ टेक ॥ गजनेक्याप
त्रिकालिखी नाथसुमर्णोकियोअपणाँमनमें ॥ तुमधायेपवन
केवेगचक्रजायदियौग्रहाकेजलमें ॥ टींटोडीकरेपुकारनाथ
मेरेबच्चारहेदोउदलमें ॥ मेरेसुतकलहिहैंपंखयजीलेकैसंउ
डूँगिगनमें ॥ झेला ॥ तुमसुनियौटेरमुरारी ॥ म्हैंभीवँघरेअ
वतारी ॥ गजघंटाटूटपरीइंडनपरमहरकरीरंगभीना ॥ रुक
मनीजोकरुणाकरेलग्नलिखविप्रहातधरदीना ॥ १ ॥ अचक
मचकपगधरतलचकगतशोभाबरणिनजाई ॥ हैरूपरंगमेंजं

गकेललतपतसीरुकमनबाई ॥ छतियाँपेसोवेच्चक्रअधरद्वाड
मसीदंतललाई ॥ दीपकासिनासिकाझिलैनैनबिचभ्रकुटीकी
शोभाछाई ॥ झेला ॥ येजीअरजसुणौंब्रजबासीब्रजराजदर
सकीप्यासी ॥ बनीबनाब्रजराजसाँवरामहर करौरंगभीनाँ॥
रुकमनीजोकरुणाकर लग्नलिखाबिप्रहाथधरदीनाँ ॥ २ ॥
हैतीनदिनोंकीअवधकालसिसपालडाहलगलफासी ॥ म्हेंथ
रूंतिहारौध्यानकुंदनपुरआवोनाथब्रजबासी ॥ बिनदेख्याँनाहिं
चैनाचित्तमेंरहुँनितभौतउदासी ॥ तुमआयेबिनमहाराजजग
तमेंहोयबिरदकीहाँसी ॥ झेला ॥ येजीअरजसुणौंगिरधारी ॥
म्हेंचरणकमलबलिहारी ॥ हरिनंदसुतब्रजराजसाँवरावेग
दरसदेदेनारुक० ॥ ३ ॥ ॥ सोरठ ॥ हरहर जोसीतेड्या
आप्यापंचकिरोड ॥ हराबिनहतलेवोजुडतोम्हानेंलागेमोटी

खोड ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पातीगूझलिखीगुणवंतीसंदेसौपौ
चाज्यौ ॥ बाटौजातावलमतकोज्यौबीस्वंभरनैल्याज्यौ ॥
॥ १ ॥ पीतांबरसूंप्रीतपहलकीसौहूंसबहींजाणूं ॥ रावणमा
ररामप्रतिपाळी सौगुणबादबखाणूं ॥ २ ॥ रामरूपहोयआगे
परणीसुरनरआयरबैठा ॥ तोडच्योधनुषकियादोयटुकडाज
बत्रिभुवनपति दीठा ॥ ३ ॥ साथजनमसाथीसाँवारिया टीक
मथारीतरणीं ॥ प्रथमप्रवाडाजनकसुताघररामरूपहोयपर
णीं ॥ ४ ॥ सातजनमसाथीसाँवारिया इसकारणमनमोयो॥
गौखचढीहरआँसूडारैनैंनभरेभरजोयो ॥ ५ ॥ कृष्णकुंजाय
रकागददेहूंइणबिधरंगचढाऊँ ॥ रुकमणकंथकुंदनपुरल्याऊँ
अनंदवधाईपाऊँ ॥ ६ ॥ निश्चयजायद्वारकामाहींकृष्णकुंदन
पुरल्याऊँ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंआनँदमंगलगाऊँ॥७॥

॥दोहा॥ श्रीगणेशकौंसुमिरिके,द्विजहंरख्यामचजाय॥सकुन
हुवासबहीभला,आनंदहुरनसम्हाय ॥१॥ राग कालिंगडौ ॥
आजरासकुनभलाहोम्हौनेसाम्हाँमिलियाराज ॥ टेक ॥ सूधे
तिलकम्हाँनेंविप्रजमिलियौ मंगलगावतिदासी ॥ सकलश
खलियाँक्षत्रीमिलियौ मिलसीद्वारकावासी ॥ १ ॥ गाडाभ
रयाधानकामिलिया औरछतीसूँबाजा ॥ कँवरचढयाकेका
णाँमिलिया मिलसीद्वारकाराजा ॥ २ ॥ मंगलमुखीजसाम्हौं
मिलियौ बँडौलेपिणियारी ॥ हिरणडारम्हाँनेंहररख्यौमिलियौ
मिलसीकृष्णमुरारी ॥ ३ ॥ सकुनबिप्रनेंहुवाजनीकाहरीमि
लनसहनाणा ॥ पद्मणैंप्रणमैंपायेलागूं कीन्हाँविप्रपयाणाँ
॥ ४॥रागमारू॥ रुकमणतोब्राह्मणनेपेखे संदेसोरेपठायो ॥
जोजनपाँचसातजायसूतो शिवजीकेमनभायो ॥ १ ॥ सिरी

कृष्णसिंहासनबैठाशिवजीमतौउपावै ॥ कुंदनपुरतैंब्राह्मण
चाल्यौ वौइतलगकबआवै ॥ २ ॥ भणैंकृष्णजीसुणौसदा
सिव थेमनकीसबजाणौं ॥ मालबिराणौघरमैंधारिकै सूतौखू
टीताणौ ॥ ३ ॥ भणेसदाशिवसुणौकृष्णजीथेतौअंतरजामीं॥
ब्राह्मणकहियेदुरबलविरधा नांहिंविप्रमेंखामीं ॥४॥ पारखतौ
कूंआग्यादीन्हींथे ब्राह्मणकूंल्यावौ ॥ ब्राह्मणसूताकाचौनि
द्राल्यावतमतीजगावौ ॥ ५ ॥ जायपारखतदईपरकमाँविप्र
बिवाँनबिठाया ॥ धरबिमानमैंआयउतार्‍या सोवतनायज
गाया ॥ ६ ॥ आयउतार्‍यातीरगोमती छिडक्यासीतलपा
णी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं जबलगविप्रनजाणीं ॥ ७ ॥
रागमारू ॥ उठ्योविराम्हणनिरखनलागौ देख्यागढांकेल्ला
सा ॥ बारेजोजनसरबसोनाका गढमढपौलप्रकासा ॥ १ ॥

राजद्वारस्वामीजीपूछै बोल्यावचनकुमारा ॥ कोहैदेसकौ
नयानगरी कहोनींकौनविचारा ॥ २ ॥ यहरतनागरपासगो
मती जादूजुगतनरेसा ॥ हरख्यावदनथरीहरजोसी कीन्हौं
नगरप्रवेसा ॥ ३ ॥ हरख्योविप्रभींवराजाकाद्वारावतीहूआ
यो ॥ भींवकँवरिकाकारजसरसी यहाँब्रजराजबतायो ॥ ४ ॥
छपनकोटकीअतिठकुराई बाजाअनहदबाजैं ॥ कंचनझलके
कोटकाँगरा गढाँगढाँकेराजैं ॥ ५ ॥ थेतौमिसरजगतकागुरु
हौलेकरआयासावो ॥ केशौरायकँवरकीपोली सीधाचाल्या
जावो ॥ ६ ॥ पोलीजायप्रीतसूँठाडो भीतरभेदजणायो ॥
कागदलेकरकृष्णकरदीन्हो आसिरबादसुणायो ॥७॥ जबह
रिमिसकरपूछणलागा विप्रकहाँसूँआयो ॥ बिद्रभदेसकुंदन
पुरनगरी भींवाकिकँवरिपठायो ॥ ८ ॥ भणैंकृष्णजीसुणोवि

राम्हणआयाकेदिनमाहीं ॥ सावौबहुतसाँकडोल्यायासह
तौदीखेनाहीं ॥ ९ ॥ कहैबिराम्हणसुणोकृष्णजीकँवरजुकुव
दुठाई ॥ कौवयाराजचँदेरीराजा जानदूसरीआई ॥ १० ॥
कहैकृष्णजीसुणोबिराम्हण आछीबातबणाई ॥ राजाभींव
केएकरुक्मणी होयदोयजानबुलाई ॥ ११ ॥ रुक्मणतणी
बीनतीथेतोसुणियोजादूराई ॥ पद्मभगतपरकिरपाकीज्यो
संसोमेटोआई ॥ १२ ॥ दोहा ॥ हरिपूछेहरिदासने,
कहोदेशनगरकीबात ॥ आनँदमेंथारेराजवी, कहोरुक
मणिकुसलात ॥ १ ॥ बिद्रभदेशसुहावणो, रुक्माणि
तणोनिवास ॥ मंगलगावैंकामण्याँ, लीलारासबिलास ॥२॥
रागमारू ॥ लीलारासगोविंद गुणगावैं धरमतणोबिवहारो ॥
जितलगहदराजाभीषमकी सरबसुखीसंसारो ॥ १ ॥ बाडी

बागमहलऔरमंदिरकूवाबासतलायो ॥ अष्टसिद्धिनवनिधी सरससे आनँदमंगलगायो ॥ २ ॥ पूजाविवदवेदधुनउच्चरेज ग्यजपैमनहरषे ॥ परसनइंद्रकोटतेतोसूं मुखमांग्यूँजलवरषे ॥ ३ ॥ कँवरकुलखणकयोनमान्योचोरीदईचँदेरी ॥ डाहल जानजोरपुरआयो कँवरिगहापणतेरी ॥ ४ ॥ येहीअरजएक करूंबिनती सुनलीजैअबमेरी ॥ पदमभणैप्रणमैंपायेलागूंस रणगहीप्रभुतेरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ हरिपूछेहरिदासनैं, केहडे रूपकँवार ॥ कहोसत्यद्विजवरसही, भाखोबैणविचार ॥१॥ दधिसागरमेंऊपजी, कमलासुनोंविचार ॥ जाणौदेवीजानकी, बहुरिलियोअवतार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ दोउकुलवंशसभामें राजाजैसेचंदउजारो ॥ ऊगेरवीछिपैसबउडगणकँवरीरूपअ पारो ॥ १ ॥ बिरछांमेंज्यूँपारजातहै मानसरोवरसारो ॥

परवतमेंजैसेंहेमसिखरहैडंगरअनतअपारो ॥ २ ॥ घोडामें ज्यूँऊचींसरवा अहिरावतगजसारो ॥ देवगणामेंइंद्रभणीजे रंभारूपसँवारो ॥ ३ ॥ ब्रह्माघरसावित्री सोहै रुद्राघरारु द्राणी ॥ आदविष्णुअरधंगीसोहैइंद्रघराइंद्राणी ॥ ४ रुक मणतणेरूपकीशोभा कहतनआवेपारो ॥ सिंधुसुतालक्ष्मी सीशोभावतीसूँआभारो ॥५॥ रुकमणितणेरूपरीसंख्याकह तनआवेवाणी ॥ कवलगकहूँकहाँलौंवरणूँ वैश्यपदमबाखा णी ॥ ६ ॥ अबश्रीकृष्णगोत्रपूछतेहैं ॥ दोहा ॥ कोणसा खकिणरीसुता, किणघरजनमीआय ॥ गोतमातनखसकल विधि, द्विजवरद्योसमुझाय ॥ १ ॥विप्रउवाच ॥ रागमारू ॥ नानीखीचणमायसोलषणी दादीजातपवारी ॥ वंशपवारगो त्रभीषमका जिणरीराजकँवारी ॥ १ ॥ इणविधगोतभीवकु

लभाख्याआपकहेगिरधारी ॥ पदभणैंहोब्राह्मणयूंबोलैच्या
रौंगोतबिचारी ॥ २ ॥ दोहा ॥ हरीदासनैंहरमिल्या, हर
खहुवामनमाय ॥ दरवारानौंपतघुरी, आनँदउरनसमाय ॥
॥ १ ॥ द्वारावतीकीकामणी, लीन्हींसकलबुलाय ॥ द्वादशषो
डशवर्षकी, फिरीचहूँदिशआय॥२॥ रुकमणिकीचरचासुणी,
गूंघटमैंमुसकाय ॥ छपनकोटजादूजुरचा, सबमिलबैठाआय
॥ ३ ॥ इतनीसुनिआनँदभयो, मोतियनचौकपुराय ॥ चंदन
चौकीसाजसब, जादूपतिबैठाय ॥ ४ ॥ दुरबासाअक्षतति
लक,कलशगणेशपुजाय ॥ हरियेहरिकेतिलककर, कामणिमं
गलगाय॥५॥ रागमारू॥ जबहरियेफेंटासूंखोली रुकमणिकी
सहनाणी ॥हीरारतनअधिकअतिजडिया इसीअँगूठीआनी
॥ १ ॥जबहरियेहरिकूँपहराई हरिअंतरमें जाणी ॥ यामुँद

रीतोजनकसुताकी अपनी औरपिछानी ॥ २ ॥ त्रेताजुगमैं
हणुमतदीन्हीआसहनाणीम्हारी ॥ लंकाजारीबागाबिधुंस्यो
जदकीबातचितारी ॥ ३ ॥ रुक्मणिकीयहबीनतीजी सुनि
योजादूराई॥दासपदमपराकिरपाकीज्यो संसौमेटोआई ॥४॥
॥ दोहा ॥जबहरिहलधरकूंकह्यो, डेराभवनादिवाय ॥ कंचन
चौकीडारकै, सैन्यालेवोबुलाय ॥१॥ तालोपाणीडबटनो,मरद
नअंगकराय ॥ सौडगलीचागेंदवा, जाजमद्योबिछवाय ॥२॥
हरख्योद्विजवरबैठियो, मनकरमान्योचाय ॥ दरसणकीन्हा
स्यामका, फूल्योअंगनमाय ॥३॥ रागबिहाग॥ हरिनैपात्रिका
द्विजदई ॥ टेक ॥ रुक्मणीकीलिखीपातीसीसपैंधरलई॥१॥
बांचपातियाँहरषमनमेंआनंदउपजेसई ॥ २॥ ॥जानासिंगारौ
बलभद्रभाईचित्तचालनभई ॥ ३ ॥ द्वारिकामेंहोतमंगलभौ

मरतनाँछई ॥ ४ ॥ दासपदमअनंदघरघरच्चरचाइणविधमई ॥ ५ ॥ लावनी ॥ रुकमनीवचनकीरच्चना ॥ पतियाँबांचत छैलछकनियाँ ॥ टेक ॥ पढप्रथमसिद्धसिरीसीलसबैउपमाज नुजगतकहेरी ॥ पुनिपुनिप्रणामअपरंच्चचरनदरसणचखचा हघणेरी ॥ इतकेसुणसाँचेसमंचारम्हेंअरधंग्याञ्त्रियतेरी ॥ जनमानजनमकीलगीलगनपगपरीप्रीतकीबेरी ॥ झेला ॥ रुकमइयेकुमतउपाई । दुष्टनकी सैन्यबुलाई ॥ पितुवच्चन निरादरकरतअक्रमी ॥ मानतनहींसिकानियाँ ॥ रुकमनीव च्चनकीरच्चना ॥ १ ॥ जमकीसीधारबरातकालसिसपालसं गसंजिआई ॥ दुरयोधनसमदुरबुद्धिकोटखलउमंगेजगदुख दाई ॥ ममप्राणघातहितकरतप्रतिग्याप्रभुतामानवडाई ॥ पितुभीषमकोप्रणराखोल्योतुमखबरतुरतयदुराई ॥ झेला ॥

कुंदनपुरघेररहेहैं । सबनैंकरशस्त्रगहेहैं । हरिभक्तपिताकीपैज
घटैनारदमुनिसत्यकथनियाँ ॥ रुक्मणी० ॥२॥ पापीयह
प्राणपुकारकरैघनश्यामद्वारस्केप्यासे॥ हटतजैनघटतौंकठौनि
ठुरवनबैठेविकटमैंवासे ॥ वासेमुखरहैंउदाससहैंदुखरोवतदी
र्घउसासैं ।सुधलीज्योंगिरधरलालमातिरविज्योंआसनिरासैं
॥ झेला ॥ निशिदिवसबरससेंबीतैं । दुखसुखजगतकीरीतैं
म्हेवाँसितुमारेसरणतुम्हारोमनभ्रमवयूँललचानियाँ ॥ रुक्म
णी० ॥३॥ पनघटैमिटैकुलकाणविरदउलटैकुललोगहसैंगे ॥
अबअंसकलानिर्वंशहुईतोउभक्तनपदपरसैंगे ॥सिसपालतुच्छ
समकोटिनखलमतिजतुरतभुलसैंगे । मनवचनकर्मपूर्णमाहे
शतोहमहरिभवनबसैंगे ॥ झेला ॥ अबतौसुनपरमानिहोरे ॥
म्हैंपायपरतहूँतोरे ॥ हरिनंदकहैद्विजचंदचतुरदुलहनकोनियाँ

धकँगानियाँ ॥ रुक्मणीवचन० ॥ ४ ॥ रागविहाग॥जरद्दम
येबाचतहीपतियाँ ॥ टेक ॥ ऊपरलिखेप्रेमकेअक्षरधरक्धर
क्धरकेछातियाँ ॥ १ ॥ हमारिविथाहमरातनजानैंबांचिनजा
यप्रेमपतियाँ ॥ २ ॥ पदमश्यामशिवमहरकरोप्रभुबीतेजाय
ह्विसरातियाँ ॥ ३ ॥ ॥ रागमारू ॥ ॥ हरियामूंगमँडोवरा
ल्यावोउज्जलभातकरावो ॥ चोखाचावलघिरतघणेराबूरोमा
हिंमिलावो ॥ १ ॥ छप्पनभोगछतीसूविंजन एकसूं एकस
वायो ॥ चोखाघृतश्वेतधेनूकाबूरोमांहिंरिलायो ॥ २ ॥
साबूनीमिसरीकोसीरोघणाघिरतकोघायो ॥ घेवरपाकजले
बीखुरमामालपुवासरसायो ॥ ३ ॥ लाडूपेडाबरफीमुरकीब
हुपकवानमँगावो ॥ मोतीचूरमगदकालाडूद्विजरुचरुचकेपा
वो ॥ ४ ॥ केलामूगाँभाँतभाँतकेपापडबडामुँगोडी ॥ सकल

पाकअतिसुंदरवणियाँसबसैंअधिकफलौडी ॥ ५ ॥ कोलौपे
ठौबैंगणतोरूआँबासेआचारौ ॥ खारकदाखबिदामखोपरो
खटोफोगफुलआरौ ॥ ६ ॥ ॥ दोहा ॥ उठोजोसीजीम
ल्यो, हुईरसोईत्यार ॥ सखियनमंगलगाविया, कृष्णाकरे
मनुहार ॥ १ ॥ मिलकर आईसहचरी, गावतमंगलचार ॥
जोसीबैठाजीमवा, मुदितभयेनरनार ॥ २ ॥ रागमारू ।
रूचरूचजीमौविप्रभौंवराथाँलायककछुनाहीं ॥ निर्मलझारा
गंगाजलकी अवचनादियोकराई ॥ १ ॥ थाँरेकुमीन
हींकाहेकी अनदाताम्हेधाया ॥ पदमभणतजोसीमन
भाया नीकाविप्रजिमाया ॥ २ ॥ दोहा ॥ बीडीपान
कपूरकी, दीदखणीबलबीर ॥ मालामोतीमूंदडी, औरप
टंबरचीर ॥ १ ॥ (गारीगावैरागबेरवा) तालठुमरी ॥

पाँडेजीथेम्हारेभलआया ॥ टेक ॥ काँईजीकमावैथारैभावि जीरीनारीजिनसिसपालबुलाया ॥ १ ॥ रुकमणिकँवरीराय भींवकीजादूमानबधाया ॥ २ ॥ एकसखीयेसैंउठबोलीपाँच सातकाथेजाया ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँ कितराबा पकहाया ॥ ४ ॥ रागबरवो ॥ साजनियाँआयारी सखीमोरे अगना ॥ टेक ॥ ल्यावोरीसखीयोबैसणियाँ ऊँखलमूसलि याँ ॥ १ ॥ ल्यावोरीसखीखटडियाबिछावोदेसाँकातणियाँ ॥ ॥ २ ॥ ल्यावोरीसखीभोजनियाजिमावो खटरसविंजनियाँ ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं गावैंप्रभुकेगुनगनियाँ ॥४॥ पाछीगारीनारदगावे ॥ रागबरवो ॥ सुनसमदणचतुरसुजा णआयोम्हैतेरै अँगना ॥टेक॥ म्हैंहूंब्राह्मणराजाभींवको तूं मे रीजजमानखुसीहोयदेदछना ॥ सुन० ॥१॥ राजसुहागभाग

कापूरीकलिमैंतेरोनाँव सदाचालैचमना ॥सुन० ॥२॥ मोति
यनथालभरदुछणाँल्याईकरआदरसनमान ॥ येहीशोभाअं
गना ॥३॥ गूँघटकापटखोलनिजरभरदेखूबी ॥ देआदरमिज
मानजायातुमदोयछछनासुण ॥ ४ ॥ जोचायासोदियावि
प्रकूंवोहोताकियासनमान खुशीहोयमनअपना ॥ ५ ॥ पद्म
केस्वामीमगनभयोजैसेमेहचरषेघनगाजेगिगना ॥ सुन० ॥
॥ ६ ॥ दोहा ॥ हलदहातकेसोतणी, सबमिलकरेबखाण ॥
सबकेमनआनँदभयो, हरषेसारँगपाण ॥१॥रागमारू॥मोति
यनचौकपुरायआँगनमें सखियनमंगलगाया ॥ मलियागिर
कीचौकीऊपरसिरीकृष्णबैठाया ॥ १ ॥ ऋषिदुरवासाअक्षत
दीन्हाकलशगणेशपुजावै ॥ पीठीसोवहलाडलडावै हँसहँस
मंगलगावै ॥२॥ हरकीनारकरैंकौतूहलआनँदउरनसम्हावै ॥

कहाकहूंयाछबिकीशोभा महिमापारनपावै ॥ ३ ॥ बहन
सौदरासाजआरती राईलूणउतार ॥ तनमनप्राणकरेनौछाव
रबारबारबलिहारै ॥ ४ ॥ गावैगीतबजावैंबाजाबाँटतरैंसबधा
ई ॥ हलदहातकीसुंदरशोभा पदमश्यामबलजाई ॥ ५ ॥
छंद ॥ सारदआदमनायगनपत ध्यानशंकरकोधरैं ॥ ब्रह्मा
वेदविचारिकेध्वनिआरतीनारदकरैं ॥ इंद्रआदिमहेंद्रआयेदे
वसबजैजैकरैं ॥ आनकुलगुरुपूजिगणपतिकलशलेथांभेधरैं ॥
सिद्ध चारणभाटगाँध्रबआसिखादेवैंखरे ॥ दासपदमसुगंध
पीठींहरषके मुसचौपरे ॥ रागबसंत ॥ हलदीकोरंगसुरंगनि
पजैमालवै ॥ टेक ॥ कंचणबरणकेसरसूँईपीरौतामेंबहुतसुग
ध ॥ १ ॥ याहलदीशंकरमोलावैपारबतीमनकौड ॥ २ ॥
याहलदीब्रह्माजीमुलावैसावित्रीमनकौड ॥ ३ ॥ याहलदीव

सुदेवजीमुलावैदेवकीजीमनकोड ॥ निपजै० ॥ ४ ॥ याह
ल्दीशिवकर्णभक्तहित पदमइयामनकोड ॥ निपजेमालवै ॥
॥ ५ ॥ रागबरवो ॥ म्हैगाँधीप्रभुरावरो भोराहिंउठधायो ॥
॥ टेक ॥ बहुतसुगंधी पीसकेसुगंधबनायो ॥ मरवा दौनामौ
गरौचंपौ पिसवायो । म्हैगांधी० ॥ १ ॥ कपूरकचरीपानडौ
छरछरीलोमिलायो ॥ नागरमोथोमानसीजामैंअमरिलायो॥
॥ २ ॥अगरतगरभरपूरहै मृगमदमनभायो ॥ केसरजावक्क
जायफर कापूरठिलायो ॥ ३ ॥ चंदनतलइलायचीएसोमेल
मिलायो ॥ हेमकलशशिवकर्णभरेपदमइयोल्यायो ॥ ४ ॥
रागखमाचकी ठुमरी ॥ रूपखुल्योघनश्यामउबटणासुंसौ
लोचढ्योछैबना ॥ टेक॥ रतिबसभईअपछरामोहीपेखतभई
जीनिहाल ॥ १ ॥ थिरभयोपवनरवीरथथंबे देवनपुष्पप्रहार

॥ २ ॥ कोटिमनोजरूपपैवारूँ सरभरकरेहनआन ॥ ३ ॥
बलबलजायदासपदमइया राईलूँणअँवार ॥ उबटणासूं ॥४॥
रागखट ॥ साँपडश्यामसिंघासनबैठा सखियनबनाबनावेरी
॥ टेक ॥ जरकसपागजरीरोजामोहरिजीनेपहिरावेरी ॥ १ ॥
जरीदारमोजडियाँसोवैंसबसखियनमनभावेरी ॥ २ ॥ कम
रकटारीबाँकडौसोईबीजलसाररी ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणसैंपा
येलागूं आनँदमंगलचाररी ॥ ४ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमो
तीवारूंहे सोवारूंसोहीथोडाबनापर० ॥ टेक ॥ शिरसोने
कोसेहरोबिराजैमोहनरूपनिहारूंहे ॥ १ ॥ बहनसोदराकरे
आरतीराईलूंणअवाँरूंहे ॥२॥ पदमभणैंप्रणसैंपायलागूंजीवन
जन्मसुधारूंहे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ व्यासभणैंश्रीदेवसे, सुणज्यो
श्यामसुजान ॥ तुमलंकेसुरमारियो, दियोबभीषणमान ॥

॥ रागमारू ॥ दियोबभीषणराजराजवीभगताँमानबधावौ ॥
दिल्लीपतिमंडलसुतराजाजिनकूँ नूतबुलावौ ॥ १ ॥ व्यासक
हीकैसोमनमानी व्यासदेवतुमजावौ ॥ इस्थेमोहोरतलिखो
पत्रिकासिद्धजोगसबआवौ ॥ २ ॥ करमनुहारलिखाबलरा
जातुमराजनकेराई ॥ झगडाजरासिंधराजासैंऊपरकीज्यो
आई ॥ ३ ॥ अरजुनभींवनकुलसहदेवाधरमपुत्रबडमानी ॥ सि
रीकृष्णकेबँधेसेहरोसबमिलआवोजानी ॥ ४ ॥ चाँपरबेगकरोच
ढ्वाकीहतनापुरदरसायो ॥ खबरहुईपंडूराजानैं व्यासदेवजी
आयो ॥ ५ ॥ नौतोखोलादियोजादूकोमोहबचनप्रतिपालौ ॥ झग
डोजरासिंधराजासैंसबमिलजानीचालौ ॥ ६ ॥ धरमपुत्ररा
जायँबोलै अबकोईमंत्रबिचारो ॥ उदाधिपुरीचलणोहींचाहिये
कोईजीतोकोइहारो ॥ ७ ॥ रायभणैकुंताँसौहंतीजननी

बुद्धिबतावो ॥ पारब्रह्मकाचरणगहोगे हारिकदेनहींआवो ॥
॥८॥केशोअपनाअपनकेशोकायेहकारजकरआवो ॥ पीठदेर
भारतमतभाजो मेरोदूधलजावो ॥ ९ ॥ जोडयाहातपुत्रमा
तासैंसुणीआदकीमाया ॥ यहतनमनकेशौपरवारौं तौकुंताँ
काजाया ॥ १० ॥ क्षौहणीसातजलंधरवगतर गिगनस्वैहजा
यलागी ॥ मेघअडंबरझिलकेसोहे चढेजौधबडभागी ॥ ११ ॥
यादवथाकितहुवादेख्यौंतै दलपांडवकाभारी वेदव्यासकी
करौआरतीबालेकृष्णमुरारी ॥ १२ ॥ कंचनथालभऱ्यामो
तियनकाराजपोलसिणगारी ॥ वेदव्यासकीकरीआरतीपद
मभगतबलिहारी ॥ १३ ॥ छंद ॥ जादूजगतनरेशबोल्यासि
लेखानौंआनरे ॥ १ ॥ तेडेसाहनस्वारथी निजसारथीनिजसं
गरे ॥ २ ॥ पीडपलँगपलाणयाश्वरमोहनामकरंहरे ॥ ३ ॥

नातलाउतुरंगताजीघोरजातभमंडरे ॥ ४ ॥ कुमेतकालाका
नडाकिलनीलरानोरंगरे ॥ ५ ॥ छुटाघोडासोहनीतूसाहनी
हलसारे ॥६॥ करडकुहुडाकाबराऔरमाकरीमल्लानरे ॥७॥
हाणियाँरपरेवरा औहंसरासूचालरे ॥ ८ ॥ मुलतानियाँअरु
परवती पंचरतनकल्यानरे ॥ ९ ॥ हावडाधौसावडागिद्ध
हडापथरफोडचंगोडरे ॥ १० ॥ ऊंचाअलौलाअचपलाचंच
लाऔरचपलरे ॥ ११ ॥नीलखाउडगनबेंगिया कपूरियारु
कुरंगरे ॥ १२ ॥सुवा लडासौरठामूँगियारुसुरंगरे ॥ १३ ॥
सबरवघोडाकहरकाबाबरबरानाआणरे ॥ १४ ॥ हिणाहिणार
भुजंगमुसकीलीलागरडपलाणरे ॥ १५ ॥ मोतीवरणाआरा
किया सुनेराणरुगौढरे ॥ १६ ॥ उजलधौलाकेशरवरणापाणी
पंथपलौटरे ॥ १७ ॥ कुदलताजीतीतरा चीला अरु जंगर ॥

॥ १८ ॥ गिरह्यणाओरहस्यापटणा मौरवारुसमंदरे ॥ १९ ॥
येकपवनकीचलबराबरयेकपवनपहलेआयरे ॥ २० ॥ येक
पवनसूँचलेसतगुणाखासारथजुतवायरे ॥ २१ ॥ एकमदमा
ताफिरेआवनीकृष्णकेमनचावरे ॥ २२ ॥ पदमस्वामीमन्नह
रषे घोडाजातबखाणरे ॥ २३ ॥ रागमारू ॥ हलदहेंसिया
औरअबलियारथजोडयाकेकाणा ॥ कालूकबुतराकूंकूखंधा
री चीणयालीलाआणा॥१॥ बोहारकच्छियाबिगडपाहाडीली
लापंचरतनकल्याणा ॥ सावकरणसूबावरश्यामातीतरवर्णा
आणा ॥ २ ॥ उज्ज्वलवरणकिसोराघोडामेघाबरणाजाणा॥
काछेंलाकुरवाँनरौडियाकृष्णचाबकियाआणा ॥ ३ ॥ खंधा
अरुगीटपरवालीअटकपूटिकाआणा ॥ अश्वकाबलीखुरास्या
नरा पीलाघोडाआणा ॥ ४ ॥ गौडबिलासारंगजलालाआरि

यासेमिबँगाली ॥ तुरकीताजीअरुचीणाईथेराकीकनकजँगा
ली ॥ ५ ॥ मोहुवाहँस्यासँजावरसुरखारंगजामणीआण्या ॥
पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूं जाण्याजिताबखाण्या ॥६॥ दोहा॥
बलदमँगावौबहुगुणा, रथसंयूताजाण॥ कोटीगडाजुताबज्यौ,
बहलाँतणावखाण ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दखणदेशराहूडबहो
डा हूँढाडारसुथाणा ॥ देशमालवेछोटाटँगण पूरबकापछि
थाणा ॥ १ ॥ कछभुजदेशराटकाबल्यारींडाकीअधिकाई ॥
मध्यदेशराखरासोहना बहलांघणीबडाई ॥ २ ॥ बागडदेश
राभींडाल्यावोमेवाडीरेलखेरा ॥ मारूधरसींगाल्याबौव्रज
भोमीकागोरा ॥ ३ ॥ गौडदेशकाचीतमकालागुजरातीबड
काला ॥ देशबंगालेछोटागेणा जूपेबहुतअमाना ॥ ४ ॥कास
मीरकाधौलापीलासेराज्यूँखुरसाणा ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपाये

लागूं बहलाँतणावखाणा ॥ ५ ॥ घोडावहलमँगायामारीडुठाँ
करौतैयारी ॥ लखसाँढयासिणगारसरीखाअनडभिडाअस
वारी ॥ ६ ॥ कवित्त ॥ऊंठगलाऊपरा बल्लादारबौलाडे ॥
दीयौहुकमदीवाणकहरताकीदकराडे ॥ साँडीवालसतावच
ढिसाँयाचलाया ॥ राहरूतेरवारधूतधरच्चौहधकाया ॥ आँणि
याँधैरअखाडमलखौ दघडायाखूटडा ॥ नखतोडनेडाला
यानिडरआँणझेकायाऊंठडा ॥ १ ॥ रीबधडारातावैणबड
वडातबौलंता ॥ कालाभूराकेसचाल अपजोरच्चौलंता ॥जौडे
नीरसजायबलेखरगोसबिचाला ॥ पडमजबूतपहाडमंदबह
तामतवाला॥जेकल जडंगचौडाजबर लाँबालगसलडंगसा ॥
धूनाअतीतधूणीधडंगभराभूतभडंगसा ॥ २ ॥ वडवडाटबौ
लंता गजबकरतागरडाटा ॥ फडफडाटफेफराचवठट चरखी

चरडाटा ॥ ऊँटसमेलाआयामिलेभेला मद्दमाता ॥ हरद्वरा
हाकिया जेमजोगेंद्रजमाता॥ गूंगागजाडागहलागडंगरडराव
गच्चढरोसरा ॥ ल्यावताँवारलागेनाहीं समाचार सौकोसरा
॥ ३ ॥ भलाऊँठभरकाभ्रसुंडजवराअंभारी ॥ ल्याया नीठ
लठौररीठहरसुँडरवारी ॥ कोईकहावेकावलीअडविमसा
थडबासा ॥ वहैढाणववरेलजकेभाईजमरासा ॥ भ्रसुंडापा
हाडघरराटघरगडगडाटऊभागजे ॥ अतरीअवाजबोलण
असीबडेराजसुथरीबजे ॥ ४ ॥ पडपौतापवनाराजामभा
ताजाखौडा ॥ लुलूघौलुगथगाततावडबेताखौडा ॥ कस
तौफाकूँचियाँ लालफूँदालटकावै ॥ झलेसीसझौलियाँ
मछरकरतामनभावै ॥ घरराटकरेगाजेघटा सारायेक
णसाथरे ॥ करेहलाँरीझबकसुण जगोविसंभरनाथरे ॥

॥ ५ ॥ बुगदीबबरावलौचाजकेमुरधरराजाया ॥ माल्हध
राराऊपनामोलथलवटमोलाया ॥ जालौरीजातरामस्तअंग
मोलजघणेरा ॥ जेजोडेजूटचाउडे घोडाअधकेरा ॥ पाहाड
उठायजाखीप्रगट डाकीलीधाडोलता ॥ गाढागुसेलरूसेलग
धवीफरेलबागोलता ॥ ६ ॥ ऊँचाथुहाउतंगसीसटामंकसरी
खा ॥ लडबेबडीबलायतकेखडबेअतितीखा ॥ खसेटलाटल
खाय छजेअँगईडरछोटा ॥ बडभागणवाँमरा आणधरदिया
अंगोटा ॥ खीजियाँदातपीसेखडा अंधखंअहंकारमें ॥ नौहता
जोधसोवैघणा श्रीकृष्णतणादरबारमें ॥ ७ ॥ रेबारीरावला
जडंगडाकीजोरावर ॥ रूवालीरीछसा भूतविडरूपभयंकर॥
ऊनाबसतरओढयेकमणदूधआरोगण ॥ काँकडहंदाकोस
त्रिशूलचढरह्यातमोगुण ॥ जंगलीजरखवैताजिस्याकालाज

मरूपीकहै ॥ चरावैऊँठजादवतणा रातदिवस दौलारहै ॥८॥
॥ रागमारू ॥ इणविधऊँठयेखटाकिया मल्लअखाडेल्याया ॥
जमरादूतजिस्यारैबारीघेरबरोधरधाया ॥ १ ॥ भूराभगदड
भूतभमंडी दौडैंघणाउताला ॥ अंगउघाडेबभरूबरणादैतस
रीखाकाला ॥ २ ॥ जंगीऊंठसलीताँकारण चढवाकाजसहे
ला ॥ लंबीनालबहैऔचकता टोडअरीदलपेला ॥ ३ ॥ हस्ती
घुडलाऊँटबहलरथसाहणवाहणताता ॥ काहरकोटपालखी
कारणहुडदंगामदमाता ॥ ४ ॥ जगमगयानकृष्णकीसोहैशो
भासकलसरावै ॥ पदमश्यामाशिवकर्णमनोहर बनडाकेमन
भावै ॥ ५ ॥ छंद ॥ गणपतीध्यायसरस्वतीनवमातृकापूजा
इये । कुलदेवदेवीइष्टकामिलनारमंगलगाइये ॥ १ ॥ कनक
थालरुरतनझारी यमुनजलभरवाइये ॥ मलियागिरीकीरत

नचौकीबनाकुँवरबैठाइये ॥ २ ॥ केसरअगरकपूरअंतर अगरमुष्कीरलाइये ॥ यवचूर्णहरदीतेललेरसुगंधसकल मिलाइये ॥ ३ ॥ मरदनसखीमिलस्वागणीदधिसहितमलन कराइये ॥ चढायतेलन्हवायहरिकोपीतांबरपधराइये ॥ ४ ॥ हरिमुकटऊपरसेहेरा कटिफेंटबागोल्याइये ॥ मुखमलकाजो डाजरकसी लेश्यामकूंपहराइये ॥ ५ ॥ कूंकूंकटौरे हेमकेस रगौरोचनपाइये ॥ गजमोतियाँकेकरौअक्षतातिलकभालबना इये ॥ ६ ॥ निंवधौकगुरुदेंआसिकानवमातृकापूजाइये ॥ करआरतीशिवकर्णपद्मसुबसुमंगलगाइये ॥ ७ ॥ रागखट ॥ साँपडश्यामासिंगासनबैठा सखियनबनाबनावैरी ॥ टेक ॥ पचरँगपागकेसरियाबागोमोहननैंपहरावैरी ॥ १ ॥ केसरति लककरचोकेशवके अरुशिरमौडबँधावैरी ॥ २ ॥गजमोतिय

नकीमालासोहैदुपटोफेंटबँधावैरी ॥ ३ ॥ जादूपतकीकरौनि
कासी घोडावेगमँगावैरी ॥४॥ पदमश्यामसुखदायकनायक
अबक्यूंढीललगावैरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ जादूसबमिलकोकिया,
सबमिलबेठाआय ॥ नौतातणीज़ुहारहै, जाजमदेवोबिछाय ॥
॥१॥ रागमारू ॥ सतराजीतसत्तकीशोभा सबमिलजादूआ
या ॥ जबरकृष्णजीनौतोलीयो यादवकुलसबलाया ॥१॥ही
रारतनजुवाहरमोतीकंचनथालभराया ॥ पदमभणैप्रणमैंपाये
लागूंसखियनमंगलगाया ॥ २ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमोती
वारूंहे जोवारूंसोइथोडाबनापर ॥ टेक ॥ सिरसोनेकोसेह
रोबिराजैमोहनरूपनिहारूंहे ॥ १ ॥ बहनसोदराकरैआरती
पलपलप्राणजुहारूंहे ॥ २ ॥ पदमभणैप्रणमैंपायेलागूंआगे
जनमसुधारूंहे ॥ बनाप० ॥ ३ ॥ रागठुमरी ॥ आजकीघ

डियाँहैंरँगीली ॥ टेक ॥ निरखलियोनवरंगबनाँनैंभरभरनैन नियाहैं ॥ १ ॥ सोनेकोसुरज आजभलकगोजादूपतबनाब नियाहैं ॥ २ ॥ चितवनमेंचितछीनलियोरी अनियारीअनि याँहैं ॥३॥ पद्मभणेंप्रणमैंपायेलागूँगावतगुणगुणियाँहैं ॥४॥
रागमारू ॥ इंद्रघराँसूंघोडीआई घोडीरोमोलचुकावोजी ॥ ये कुणघोडीरोमोलचुकावैंएकुणबखसेदामो ॥ १ ॥ येकुणघो डीराआयकपायकयोकुणहै असवारोजी ॥ साँणीघोडीराआ यकपायककान्हकँवरअसवारोजी ॥ २॥ इंद्रघराँसूँघोडीआई घोडीरोरूपबखाणोजी । खुरिखुरतालीकंचनकेरीमुरचाँनेवर जाणोजी ॥३॥ लाललगामजडीकडियालाँहीराजडतपलाणो जी। झिलमिलरमोतीझलकेजीणबनातीआण्योजी॥४॥रतन पदारथमोहरापौथाकेसाँमोतीसान्याजी ॥ साजासिंगारसाह

णील्यायो घोडीधरत्याँपाँवनधाऱ्याजी॥५॥रायजादेतबकरी निकासी घोडीकेरेपवनसूँबातांजी॥ पदमभणैंम्रणमैंपायेलागूँ कान्हकँवररँगरातोजी ॥६॥ दोहा ॥ नीकासीकेसौंतणी,जा चकमाँगेंदान ॥ रतनजडितकोसेहरो, धौऔलग्यानेंदान ॥ ॥ १ ॥ रागमारू ॥ करसोल्लासिणगारकामणीयेकयेकइध कारी ॥ सिरीकृष्णकेसुरमौसाऱ्यौहलधरजूकीनारी ॥ १ ॥ सुरमौंसारभईमुसकानीहमरानेगच्चुकावौ ॥ नवलबनाकीछ बिपरवारीचढकुंदनपुरजावौ ॥ २ ॥ गोकुलअरुवृंदावनमथु राव्रजकीभूमिलिरावौ ॥ भावजम्हारेसुरमोंसाऱ्योघणीबधा ईभरपावो ॥ ३ ॥ काँइजीकरूँथारीमथुरानगरीबातोआप रखाज्यो ॥ लेकरलाडीपरणपधारोपहलीपायलगाज्यो ॥४॥ भेरमृदंगसुबाजाबाज्या रागछतीसूँसाजा ॥ कुंदनपुरने

करीतयारी चवदाभवनकेराजा ॥ ५ ॥ खडीअपछरानिरत करतहैंचिरंजिवोयाजोडी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं आप चढेहरिघोडी ॥ ६ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमोतीवारूंहे ॥ जोवारूंसोहिथोराबनापर० ॥ टेक ॥ शिरसोनाकोसेहरौ बिराजेमोहनरूपनिहारूंहे ॥ १ ॥ बहनसौदराकरेआरतीप लपलप्राणजुवारूंहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंआगे जनमसुधारूंहे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नीकासीकेसौतणी,जाचक माँगैंदान ॥ रतनजटितकोसेहरौ, द्यौओलग्याँनैंदान ॥ १ ॥ सब जानीजादूचढे, उग्रसेनबसुदेव ॥ रतनजडितहरिसेहरो, मोतियनबूठामेह ॥ २ ॥डेरादीन्हाँबागमैं, भेलाहुवासबसा थ ॥ रुक्मिणसावौसाँकडो, बेगचढोपरभात ॥३॥ भेरदमा मावाजिया परीनिसाणाँघाय॥ चढियोत्रिभुवनराजवी, दास

पदमबलिजाय ॥ ४ ॥ दोहा ॥ ब्रह्मादेवपधारिया, हरिसों
पूंछेआय ॥ हरजीकहकारजकरो, जानभेलीहोयजाय॥ १ ॥
रागमारू ॥ जबब्रह्मानैंघडीरचाईसप्तादिवसकीएकौ ॥ कार
जकरौंबिहारीकेरौसबीनिजरभरदेखौ ॥ १ ॥ छपनप्रहरको
एकदिवसकरब्रह्माघडीलगाई ॥ सुरनरनागदेवाद्विजजानीभ
येयेखटेआई ॥ २ ॥ थिरभयाचंदसूरथिरहूवायाविधलख्यो
नएकौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंकरल्योकाजअनेकौ ॥३॥
रागमारू ॥ धन्योध्यानहिरदामैंमाधौ संखपञ्चायणपूरा ॥
तीनलोककेसुरनरमुनिजनजानबादलज्यूंलूरा ॥ १ ॥ देवाँ
रैदलनौपतबाजे दानारादलचूरौं ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं
सबामिलमंगलपूरौ ॥ २ ॥ रागमारू ॥ एकब्रह्माकीआईअ
सवारी दशछौहणदलआया ॥ सुरनरमुनिजनऔरऋषेश्वर

देवतणादलछाया ॥ १ ॥नवौंनाथचौरासीसिद्धांशिवशंकर
चढआया॥ बलदभींडियेकरीसवारीमुंडमालढलकाया ॥२॥
नऊंकोडदुर्गाचढिआईधवलागढकीराणी ॥ बावनभैरूंचौस
ठजोगनलुंकाडियाअगवाणी ॥ ३ ॥ इंद्रपुरीसूंचढयाइंदरा
जा दलकापाया ॥बाजाबाजे अंबरगाजेइंद्रतणांदलआया ॥
॥ ४ ॥ ब्रह्माविष्णुमहेशभणीजेछप्पनकोटकुलसाखा ॥ टाट
रटोपजंजीरावगतरसाजभरीसतलाखा ॥ ५ ॥ असीलाखकुं
जरासिणगान्या श्वेतबरणसूंडाला ॥ ढलकेढालफरूकेनेजा
चालीपरवतमाला ॥ ६ ॥ नवसौसहसनिसाणदडूके सावक
रणबहुछूटा ॥ सहसअठ्यासीऋषिचढआयानेमनाथलेपूठा
॥ ७ ॥ शंखनादजबबाजनलागे नवसैसहसनगारा ॥ कूंद
नापुरकूँकरीसाखतीपैदलदलअसवारा ॥ ८ ॥ अधकीफौज

सबलश्याद्कि सपैंटियाफरवरिया ॥ बारहछौहणलेबलभ
द्रहरिपीछेसंचरिया ॥ ९ ॥ चवदालाखभरचाचीणीकाघि
रतलाखपच्चीसा ॥ चावलमूंगभरयामेंदाका करहालाखछ
तीसा ॥ १० ॥ केइहौदाअरुकेइअंबाडीकेइबैठासुखपालाँ ॥
कानामोतीझिलकतसोहैंढलकरहीहैंढालाँ ॥ ११ ॥ कनक
तणीतहनालजडाईघालीघूंघरमाला ॥ दलाँचहूंदिशि
हुईहलाहलतेजीछूटडताला ॥ १२ ॥ सिद्धजोगमेंलियोमो
हौरतहरिबैठारथमाहीं ॥ रतनजडितकोरथजुडवायोराणीरु
कमणिताईं ॥१३॥ साढीतीनसौछत्रझलकैंमेघाडंवरभारी ॥
रवितलदूजाऔरनकोईकृष्णतणीअसवारी ॥ १४ ॥ त्रिभुव
ननाथ हरषिमनमाहींव्याहनभींवकँवारी ॥ पदमभणैंप्रणमैं
पायेलागूंऐसीजानसँवारी ॥ १५ ॥ दोहा ॥ सबीजानजादू

जुडे, सुरनरमुनिजनमाँह ॥ दिहदईसबदोखिकें, गणपतदे ख्यानाँह ॥ १ ॥ रागमारू ॥ औरजानमेंसबही आया गण पतजीनहिंआया ॥ गणपतजीकूंबेगबुलावो नारदमुनीपठा या ॥ १ ॥ नारदजायकहीगणपतनैं बेगाआपपधारो ॥ पद्मभणैंनारदयूंबोलैसंकटविघननिवारो ॥ २ ॥ रागसोरठ ॥ गणपतआयाहींसरेनवलबिहारीजीरोब्यावागणपत ॥ टेर ॥ धवलागढसूंआवोविनायकदुखदालिद्रहरे ॥ १ ॥ सूँडसूँडा लोडूँदडूँदालोशिरपरछत्रधरे ॥ २ ॥ पद्मभणेंप्रणमैंपायेला गूँखालीखासभरे ॥ ३ ॥ दोहा॥ गणपतसुण्योसँदेसणो, आ नंदउरनसम्हाय ॥ मूसालियासिंगारके, चढेजानमेंआय ॥ ॥ १ ॥ गणपतजीनेदेखआवतानारदकहियेभालो ॥ गणपत जीनेपाछामेलोगढपोल्याँरखवालो ॥ २ ॥ सूँडसुँडालोडूँद

हूँदालौभोजनघणोअहारो ॥ गंणपतजीनैपाछामेलोछोलोभी
चकँवारो ॥ ३ ॥ मोटीमौड्योंछगैथंवसीमस्तकमोटाकानौ ॥
गणपतजीनैपाछामेल्हो भूंडीछीवैजानौ ॥ ४ ॥ हलधरकयो
वचनसावसेथेगणपतजीनैभाखौ ॥ सूनीपुरीसल्हामैंनाहींगण
पतजीनैराखौ ॥ ५ ॥ पीछौजाम्हाराजगपतगरवागढपोलयाँ
रूखवारौ ॥ थेम्हारेहलधरकीजागाँ घणोमरोसोभारौ ॥ ६ ॥
यहसुणवचनकृष्णकेगणपतहरखयोमनमाहीं ॥ आगेबडौ
लडाईहोसीजायरकरतोकाँई ॥ ७ ॥ नारदमुनीजनमुकोच्छु
गल्योजायगणेशसिखायौ ॥ छाजाँमरतापाछाकाढ्योकिण
थानैंकोटमोलायौ ॥ ८ ॥ कोपकियोगौरीकेनंदन मूसाँलियो
बुलाई ॥ म्हारीलापतथेअबराखौहुईघणीहलकाई ॥ ९ ॥ दूदै
धुरीअडै पाचरिया पैदलचलणनपावै ॥ खोदमेदनीपोलीक

रद्यौं जदम्हानैजसआवै ॥ १० ॥ मूसाजायमेदनीखोदीगण
पतआज्ञापाई ॥ पैदलपाँवधरननहिंपावैसबरथपियाथकाई ॥
॥ ११ ॥ टूटैधुरीअडैपाचरियारथाँभडामडनाथी ॥ घोडा
ऊँठगरकसबहोवैंगुडबहलाँऔरहाती ॥ १२ ॥ जबश्रीकृष्ण
कहीहलधरसूंसुनियोसंमृथभाई । योतोकरमकियोगणपतनैं
गणपतल्यावोमनाईं ॥ १३ ॥ मंत्रीजायकही गणपतनैंबेगा
जानपधारो ॥ चालचालम्हारागरवागणपतथाँबिनकृष्णकँ
वारो ॥ १४ ॥ कृष्णकँवारोम्हारोकाइँसारोगढपौन्याँ रखवा
रो ॥ म्हेवाँरैहलधरकीजागाँ घणोभरोसोम्हारो ॥ १५ ॥ स
बहीदेव शिरोमणशंकराजिनकेंपुत्रकहावौ ॥ हलधरकृष्णमना
वणमेल्याअबक्यूँबारलगावौ ॥ १६ ॥ म्हेक्यूँचालाँम्हानेह
लधरमेल्याराखीकाँईबडाई ॥ म्हेतोवाँरेदायनआया सारी

जानसराई ॥ १७ ॥ सबपहलाँसिवरणगणपतको पहलीकि
रतकवाई ॥ सबसेआदतुमारी पूजाफिरदेवनकीबडाई ॥१८॥
सूँडसुँडालौदूँदडुँदालौमस्तकमोटाकानो ॥ म्हाँचाल्याँसब
जादूलाजैं भूँडीदीसैजानो ॥ १९ ॥ मोटी पींडीलगैंथामसी
भोजनभणाअहारी ॥ म्हारैच्चाल्याकृष्णलजावै लाजैभींवकँ
वारी ॥ २० ॥ जायकहोथेहरिहलधरनैंमंत्रीपाछाजावौ ॥
म्हाँच्चाल्याँसबसाथलजावै चढकूंदनपुरधावो ॥ २१ ॥ मंत्री
आयकृष्णसूँबोल्या गणपततौनहिंआया ॥ पदमभणैंदूँदालौ
गणपतम्हासूँयूँबतलाया ॥ २२ ॥ रागसोरठ ॥ गणपतआ
याँराजसरैगो ॥ म्हाँरैनवलबिहारीजीरोव्याव ॥ गणपत० ॥
॥१॥ थाँचाल्याँसुमंगलहोवैदुखदालिद्रहरैगो ॥ गणपत०॥
॥२॥ सूँडसुँडालौदूँदडुँदालौशिरपरछत्रधरैगो ॥ गण० ३॥

पदमभणैंहलधरकरजोडैचाल्यौंकाजसरैगो ॥ गण० ॥ ४ ॥
॥ दोहा ॥ जायगणेशमनाविया, पूजाकरीसिंदूर ॥ पर
काजाँसमरथहौ, सबबाताँपरपूर ॥ १ ॥ थानेम्हस्याँनासरै,
सुणगौरीकापूत ॥ मंगलदाताआपहौ, हरिसबांधोसूत ॥२॥
रागमारू ॥ सौमणमूँगसवासैमणचावलघिरतनिंवैमणल्या
वो ॥ इतरारोतौकरूंकलेवोजीमणसंगलेजावो ॥ १ ॥ चाव
लमूँगघिरततौइणबिधसौमणलगैमिठाई ॥ इतरोतोम्हेकराँ
कलेवौपछैजीमाँपंचामिठाई ॥ २ ॥ सिरीकृष्णरुकमणनेपर
णैंम्हाँनेक्यूंलेलारौ ॥ बींदबीनणीपरणपधारैं गणपतरहैकँ
वारौ ॥ ३ ॥ पहलीब्यावबिनायककरसीपीछैऔरबिहावौ ॥
बोलैनारदसुणोकृष्णजीगणपतनैंपरणावौ ॥ ४ ॥ दोहा ॥
बिघनहरणमंगलकरण, सदारहैथिरथाय ॥ सुरतुमकरोम

नावणे, बैठोरथकेमाँय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ परण्यापरण्या
जानपधारोम्हैंछूँअकनकँवारो ॥ आगेकामणगारीगावैंलाजै
गोतहमारो ॥ १ ॥ थेतोसगलापरण्यापात्यागालकँवारानैंगावैं ॥
कहैगणपतीसुणौंकृष्णजीमनैंकालोकुत्तीपरणावैं ॥ २ ॥ हल
धरबच्चनकहैगणपतसूँ क्यूँनहिंजानपधारो ॥ पाछैव्यावहो
यश्रीपतकोपहलीहोसीथारो ॥ ३ ॥ बिनभूपालव्यावनहिंक
रसूँगणपतवचनसुणायो ॥ जिणघरकन्याहोयकँवारीसोम
हिपालबतावो ॥४॥ धारानग्रएकपोहोपरावहै तिनसूँव्यावावि
चारो ॥ येकजकरश्रीपतजीपकरचोमंगलचारउचारो ॥ ५ ॥
गणपतमन्यादेखकरपकरचोदूजो हलधरभाई ॥ पदमभणैंप्र
णमैंपायेलागूँगणपतरथबैठाई ॥६॥ दोयमुकामदियाधारामें
चवदाभवनकेराजा ॥ गणपतजीकोटीकादीन्हो बाजैंनौमत

बाजा ॥ ७ ॥ जैजैकारमंगलधुनगावै तांबागलघररावै ॥
तेलबांनगणपतजीबैठाशोभावरणिनजावै ॥ ८ ॥ पोहोपराव
घरआनँदउपज्यो नगरीहरषबधावै ॥ पद्म भणैप्रणमैंपाये
लागूँगणपतरावनडागावै ॥ ९ ॥ रागसोरठ ॥ गणपतजीब
नडोआयाजी ॥ टेर ॥ मोतियनमालमोतिनकोसेहरोसूरज
जोतसवायाजी ॥ गण० ॥ १ ॥ धारानख्रकीसबहीकामण
निरखतरूपसवायाजी ॥ गण० ॥ २ ॥ करफरसीमूसेअस
वारोचंदनखौलन्हायाजी ॥ गण० ॥ ३ ॥ पद्मभणैप्रणमैं
पायेलागूँआनँदमंगलगायाजी ॥ गण० ॥ ४ ॥ रागमारू ॥
मँडपहेमतणाराजाकैचँवरीहेमबणाई ॥ रिधसिधसूंगणजो
डोकीयोसखियनमंगलगाई ॥ १ ॥ रिधसिधतणाबीदनेदे
ख्यायेसैंकहैंनरनारी ॥ देखौविधनारिद्धसिद्धकोबडेरूपसूँ

डारी ॥ २ ॥ औरअंगसबबरण्योपुरुषकोकुंजरकोउणियारो ॥
हलधरकहैसुणोकामणियाँथेकाँईरूपबिसारो ॥ ३ ॥ सबदे
वनमेंदेवाशिरोमणगणपतनाँवकहावै ॥ श्रीपतिसूँहैरूपअधि
काईशिवकोपुत्रकहावै ॥ ४ ॥ राजापुष्पकहैहलधरसूँऔर
रूपअधिकाई ॥ अधिकसूंडकुंजरसीदीखैशोभाबर्णनजाई
॥ ५ ॥ श्रीपतिवचनकहैराजासूँऔररूपबरदाई ॥ रिधसि
धनारिबहुतसुखपासीइनकीबहुतबडाई ॥ ६ ॥ जबैसहेलैंतो
रनबाँध्योकामणिमंगलगाया ॥ कंचनथालभरेमोतियनसैं
कंचनकलशबँधाया ॥ ७ ॥केसरअगरकपूरचौपरेसासूआ
रत्यौल्याई॥देखिसूँडजबगणपतजीकीमंदमंदमुसकाई॥ ८ ॥
येहरूपबरण्योनहिंजावैसोनासूँडबणाई ॥ एकसखीमिलचा
वललीन्हाँ रिधसिधसूँबतलाई ॥ ९ ॥ पींडोसरसबाँधचाव

रकोघूंघटबदनछिपाई ॥ चावलहलददईगणपतकेसाथिय
नमंगलगाई ॥ १० ॥ रागसोरठ ॥ येसायेगजराजवनानै
कामणकरबाआई ॥ कामणकरबाआईलालजिनैंहरखिनिर
खिगुणगाई ॥ टेक ॥ धारानगरकीपाँचसातमिलकालेडोरो
ल्याँई ॥ नींबूऔरमैंडफलल्याया कछुककरीचतुराई ॥ १ ॥
काथेपानसुपारीराचे राचेरिधसिद्धबाई ॥ छपनभोगछत्ती
सूँबिंजनलूणमिल्याँसरसाई ॥ २ ॥ रिद्धसिद्धकेबलमैंरहसी
भूलैनहींभुलाई ॥ डोराकेदसगाँठाँदीन्हींगाढीघणीघुलाई ॥
॥ ३ ॥ चरखीमोरजुजरबाछूटेछूटेबाणहवाई ॥ गजानंदकी
याछबिऊपरपदमस्यामबलिजाई ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ पांच
पदारथथारचाथालमें आरतियोकरवायो ॥ गजानंदजीचँव
रचाँआयाँचवन्याँचँवरढुलायो ॥ १ ॥ रिधसिधनारिकरैंसि

णगारो मनमैंअनँदअपारो ॥ सारीसखियाँयूँउठबोली फेरा
करणपधारो ॥ २ ॥ गजानंदसूँकियोगणजोडो ब्रह्मावेदउ
चारै ॥ सुरतेतीसूँहरखहुवाहैं बरसतपुष्पअपारौ ॥ ३ ॥
रिद्धसिद्धसूँकियोगणजोडोमेघाडंबरछायो ॥ जैजैकारभयो
त्रिभुवनमेंसबहीं मंगलगायो ॥ ४ ॥ गजानंदजबारिघासिधप
रणे जोडबैठाहतलेवो॥ वासुदेवकहैराजासूँ हतलेवोरेछुटेवो॥
॥ ५ ॥ पोहोपराजघरआनंदप्रगटयोमनवांछितफलपायो ॥
रणतभँवरकोदियोपरगनोहतलेवोरेछुडायो ॥ ६ ॥ रतनप
दारथबोहोतहीदिया हतलेवाकेमाहीं ॥ पाँचपरगनादियाकँ
वरनै भलीभाँतिमुकलाई ॥ ७ ॥ बडीबडारभातहीदीन्हास
बदेवनकेताई ॥ सुरतेतीसूँकरीजँव्हारीछपनकोटपाहिराई ॥
॥ ८ ॥ जैजैकारभयोनरनारीसुरदुंदुभीबजाई ॥ पदमभणै

प्रणमैंपायेलागूँसखियाँगारीगाई ॥ ९ ॥ रागललित ॥ सुण
गणपतजीरेजँवाई ॥ थारेकुणबावलकुणमाई ॥ टेर ॥ थारी
माताराजकँवारी॥थारोबावलभयोभिखारी ॥ १॥ थारीभी
लणरूपभइमाई ॥ वा:बावलछलवाआई ॥ २ ॥ शिवमोची
वणकेआया ॥ थारीमाकै मोचणीत्याया ॥ ३ ॥ येसैंपदम
भगतगुणगावै ॥ सबसखियनतालबजावै ॥४॥ रागमारू ॥
परणगजाननरथमैंबैठाहरजीवचनसुनाई ॥ १ ॥ भलीभाँत
सूकारिसमठूँणीरिधासिधनैं मुकलाई ॥ २ ॥ जैजैकारमंगल
धुनगावैतांबागलघररावै ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँकु
णकुँदनपुरआवै ॥ ४ ॥ दोहा ॥ हरियलसूवाबोलिया, हरे
अंबकीडार ॥ कुम्भकलससाँम्हाहुवा, औरमृघांकीडार॥१॥
(अथकुंदनपुरकीकथाप्रारंभ) ॥ दोहा ॥ सुपनभयाज्यूंहूक

मणी, निरखतसुंदरश्याम ॥ जोतुमद्वारकानाथहो, कौनतु
म्हारोनाम ॥ २ ॥ नामहमाराअनंतहै, पुनिअबिनाशीएक ॥
जौन बहैं म्हारे बिरदकूँ, ताकी नायँ डिगणदूं ॥ ३ ॥
रागसोरठ ॥ माईरीम्हेंसुपनामेंपरणीगोपाल ॥ टेर ॥ रैन
किबाताँकहाकहूंसजनीसुपनामैंभईहूंनिहाल ॥ १ ॥ जोथाँ
नैसुपनोआयोबाईजी सुपनोछैआलजंजाल ॥ २ ॥ मोरमु
कुटपीतांबरसोहै अरुबैजंतीमाल ॥ ३ ॥ रुचरुचहरजीकंठ
लगाई हाताँछैमहँदीलाल ॥ ४ ॥ छपनकोटयादवजुडआये
दुलहोछैनँदजीकोलाल ॥५॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायलागूं बरपा
योरिछपाल ॥ ६ ॥ रागसोरठकोकहरवो ॥ आप्याहैसाखिकं
चनकिरोडमतीयेपतीजोकूडे ब्राह्मणाँ ॥ टेरं ॥ ब्राह्मणहैस
खिकिसडादोस हरिदानासूँडररह्या ॥ झेला ॥ दानवाँसेर

ह्योडरतो हरिनसक्योआयरी ॥ केवेसुंदरआभचढगोकेरह्यौ
अलसायरी॥केउनमोह्याकूबरीकैरह्यारंगमेंछायरी ॥ कंचन
सीकायासंकल्पै करडारूँकूँभंगरी ॥ शंकरआगेशीसमेलूंरहूं
केशवसंगरी ॥ लौडकसोरठा ॥ थारेतोकारणसाँवरा कष्टस
याजघणा ॥ पदमभणैंविट्ठलदलआवै मोभुजफरक्याहेम
तणा ॥ १ ॥ रागबिहाग ॥ नाथनाहिंआयेरीसजनीम्हेझुरक
रहीमघजोयनाथनाहिं ॥ टेर ॥ वोद्विजतोमुतलबकोगरजू
रह्याकहांईसोय ॥ १ ॥ जोप्रभुजीकहुँनाँयपधारे करहूंकौन
उपाय ॥ २ ॥ बाँचकेपतियाँमेलहदईरी केजुगयेबिसराय ॥
॥ ३ ॥ पदमकेस्वामीबेगनमिलिहैं हंससहीउडजाय ॥ ४ ॥
रागखट ॥ कोइजीकहोम्हारेनाथनैंजी थारीनारनिहारेबाट॥
॥ टेक ॥ भाईरुकमबुलायोडाहलनैं आयोलैदलथाट ॥ १ ॥

तीनदिहाडाद्विजकैबीता कीन्हींढीलनिराट ॥ २ ॥ मायसि
सपालस्यालसोदीखैकरतकलेजैकाट ॥ ३ ॥ नाथबिनाम्हें
विषभरखमारिहूँ औरनहींकोइघाट ॥ ४ ॥ छिनछिनमोकोंक
लनपडतहैपलनीचैपलखाट ॥ ५ ॥ पदमकेस्वामीजनहींप
धारैंतबहीमिटेऔचाट ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ अजुहुनआयेस
खीपूछयौनसँदेस ॥ टेक ॥ करूणाकरूँहरिमारगआवै फुर
कतभुजबामेस ॥ १ ॥ केतोब्राह्मणपूगोनाहीं योहीमोयअँ
देस ॥ २॥ ओछेजलकीमाछलींज्यूँरहोजीवअवसेस ॥ ३ ॥
पदमकहैयूँभणैरुकमणीआज्योम्हारैदेस ॥ ४ ॥ रागसोरठ
कीदेस ॥ म्हारोअवगुणकरकरमानो ॥ प्रभुपूरबप्रीतपिछानो
टेर ॥ म्हेतोदासीजनमजनमकीऔरतरहमतजानो ॥१ ॥पद
मभणैरुकमणकीविनतीबेगोकरोपयानो॥२॥दोहा ॥हीणीभई

बिसंभरॉं, देखोबातविचार ॥ अबकीबेरनआवोप्रभुतो, क्यूँ सिरजीकरतार ॥ १ ॥ त्रासआसभारीलगी, कदपरणैंकर तार ॥ पलकपलकसमजातहूँ, आतुरमिलोबिचार ॥ २ ॥कर सण सूकाबिरखाभई, अंमृतबरस्यानीर ॥ मीनमरेसागरभरे, कोणकाजवलबीर ॥ ३ ॥ बिहअगनहिरदाजले, जलेधरण आकास ॥ सीलसमुद्रजुआनके, हरिबेगबुझावोत्रास ॥ ४॥ आँखडियाँमँदजोवतां, पंथनिहारनिहार ॥ जीभडल्याँछाला पडया, कृष्णपुकारपुकार ॥५॥ हिरदाफाटेपंकज्यूँ,छिनछिन लेतउसाँस ॥ पद्मइयोस्वामीभणे, अबपूरोप्रभुआस॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ थाँनैंपूछूँपंडितजोसीम्हारेनाथमिलणकदहोसी ॥ टेर ॥ जोसीजीम्हारामाई ॥ म्हाँनैंपतडोबाँचसुणाई ॥ म्हैंपतडौपूजूँथारो ॥थेकारजसारौम्हारो ॥ १ ॥ जोसीकहै

सुणौंगीनाई ॥ म्हेंतोसाँचनहिसाँचवताईं ॥ हरजीनेवेगामि
लावाँ ॥ कछुआनंदवधाईपावाँ ॥ २ ॥ पद्मइयाब्रह्मनजारे ॥
हरजीकीबाटनिहारे ॥ उडउडरेहरियलसूवा ॥ प्रभुजीनैंबहु
दिनहूवा ॥ ३ ॥ रागसोरठ ॥ म्हाराहरियलबनकासुवटाथाँ
नेकृष्णमिलैतौकहज्योरे ॥ टेर ॥ चूँचमढाऊँथारिसोवनी तूँ
जायसँदेसोदेज्योरे ॥ १ ॥ रतनजडावाँपींजरोम्हारेहिरदा
माहींरहज्योरे ॥ २ ॥ मोतियनचूनचूगावस्याँ थेपाछाआक
रकैज्योरे ॥ ३ ॥ पदमस्यामाफिरदेवोसँदेसौतौलाखवधाई
लेज्योरे ॥ ४ ॥ राजाभींवउवाच ॥ रागमारू ॥ राजाभींव
करेअँदेसोहरिजीक्यूँनहिंआया ॥ महाकुपात्रकँवररुकमइ
यौडाहलकौकबुलाया ॥ १ ॥ तुमअंतर्यामीयादवपतिमेराम
नकीजाणौं ॥ बिरधापनकीलाजदयानिधिनेकदयाचितआ

णौं ॥२॥ हँससीलोगबिरदतुमरेकोजासीवचनहमारो॥जोडा
हलरुक्कमणनैंपरणैंमरस्याँखायकटारो॥३॥ रुकमणिप्राणतजै
गीप्रभुजी यहनिश्चयकरजाणो ॥ म्हैंभीप्राणपलकनहिंराखूं
तातैंघणीनताणो ॥ ४ ॥ यहममवचनप्रतिग्यामेरीहरिआ
याँजलपीस्याँ ॥ नाहिंतरश्वासखैंचतजदेही एकपलकनाहिंजी
स्यां ॥ ५ ॥ तबआकाशवाणीप्रभुबोले भींवजेजमतजाणो ॥
पदमभगतशिवकर्ण कहतहरिकीयोआजपयाणो॥६॥दोहा॥
बाणीश्रवणआकाससुण, हरख्योभूपतिभींव ॥ ज्यूंगरजनसु
णमेघकी,मृत्युदादुरसंजीव ॥१॥ हरषीबाईरुक्कमणी,सबस
खियनकोसाथ ॥ भयोबधावोभवनमें, आवेंगेब्रजनाथ ॥ २॥
रुक्कमणिकरोबिसूरणा,श्यामपहूंताधाय ॥ कुंदनपुरइचरजभ
यो, जानदूसरी आय ॥ ३ ॥ रागसोरठकीठुमरी ॥ आयो

आयोरेसाँवरियोरुकमणकारणै ॥ टेर ॥ नृपभीषमकेबातच्च
लाई ॥ शठरुकमइयेकुबद्कमाई ॥ चीरीभेजबुलायोडाहल
बारणे ॥ होआयो० ॥१॥ डाहलदेखनगरिहरषाई ॥जद्रुक
मणिमनमेंदुखपाई ॥ लीन्हींकाढकटारीमरबाकारणे॥होआ
यो० ॥ २ ॥रुकमणचीरीबेगलिखाई ॥ द्विजहरियाकेहातप
ठाई ॥ बाँचतकृष्णपधारयाअसुरसँघारणे ॥ होआयो० ॥
॥ ३ ॥ दासपदमस्वामीइधकारी॥मारअसुरदुखमेटोभारी॥
लोकलाजसेंसाथीगिरवरधारणे ॥ होआयो० ॥ ४ ॥ राग
सोरठ ॥ द्विजकूँअपनेरथबैठाये ॥ हरिरथसाजिकुँदनपुरधा
ये ॥ टेर ॥ बोहोसेन्याँजादूकुलल्याये ॥ पीछेतेंहलधरजी
आये ॥ १ ॥ निरखतमगनभयेनरनारी ॥ देहधरेकोयहफ
लपाये ॥ २ ॥ संकमईडाहलकुलमाहीं॥जुडेभूपामिलसभाभ

राये ॥ ३ ॥ गहिद्विजभुजहाँसिकेयदुराई॥मधुरवैनमुखसूंफर
माये ॥४ ॥ कहौक्यूँनअबउनसेजाई॥तुमकूंलेनहमकूंपठाये
॥ ५ ॥ करप्रणामद्विजउतरचोआई॥अतिआनँदउरमाहिंस
म्हाये ॥ ६ ॥ दासपद्मपलपलबलजाई॥हरिकेगुणमधुरेस्व
रगाये ॥ ७ ॥ रागमारू ॥ करप्रणामद्विजरथतेउतरचोगव
नभवनकोकीन्हों ॥ शीसनिवायचरणगहबोलीकहौकृष्णरँग
भीनों ॥ १ ॥ कहद्विजराजसुणोरीबाई तेरेमनकाकारजसा
रे ॥ त्रिभुवनपतिकोसँगलेआयोवहव्रजराजपधारे ॥ २ ॥
आवनसुनीश्रवणमाधवकोसुधापेटभरपीन्हा ॥ पदमभणैंप्रण
मैंपायेलागूंप्राणदानद्विजदीन्हा ॥ ३ ॥ दोहा ॥ सुनेंवचन
द्विजराजके, अतिहरषीमनमाँय ॥ कहाबधाईदेहुँद्विज, देवे
कूंकछुनाँय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सँगल्यामेरेप्राणप्रियाकूं

त्रिभुवनकेपतिको ॥ योऋणतेरोकबहुँनउतरे धारूंजनमअने
को ॥ १ ॥ तनअरप्योश्रीकृष्णचंद्रकूंचितमनचरणामाहिं ॥
योसिणगारदेऊँतोथोडो भक्तिबढोजगमाहिं ॥ २ ॥ येसेंकह
बहुरतनपदारथदीन्हौदानघणेरौ ॥ पदमकहैरुकमणवरदी
न्हों कोउजाचैनाकुलतेरो ॥ ३ ॥ दोहा ॥ तुमबोहेरेसबजग
तके,किनहुनजाचौबीर ॥ जोजाचोतोरुकमणी, केजाचोबल
बीर ॥ १ ॥ हरषिचलेद्विजदानले, चलणनसकैभार ॥ पीछौ
मुडमुडकहतहै, बाइअंबकाबेगपधार ॥ २ ॥ रागठुमरी ॥
आजअबखुसीभईरुकमणबाई ॥ टेक ॥ नेमधरमतपसुफल
भयेसबआजमहाआनंदन्हाई ॥ १ ॥ सँगकिसहेलीपूछेहेली
आजकहाइतराई ॥ २ ॥ औरदिनामुखसेनहिंबोलो आजतौ
बाँटौरेसबधाई ॥३॥ मेरेतौआनंदभयोसाखिघरआयेयदुराई

॥ ४ ॥ पूरवदेशचंदेरिकोराजादेखतहीउठजाई ॥ ५ ॥ इंद्र
कोपकियोब्रजऊपरघोरघटाचढिआई ॥ ६ ॥ प्रभुनखऊप
रगिरवरधारचोडूबतांबिरजबचाई ॥ ७ ॥ हियेहुलासतन
हरषमनखुसीआनामिलेथहुराई ॥ ८ ॥ दासपदमपर
किरपाकीन्हींराखौकेशरणाई ॥९॥ रागमल्हार ॥ कृष्णकुंदन
पुरआयेरी ॥ टेक ॥ उमँगेदलबादलचहुँदिशितें गोविंदगरु
डलेधायेरी ॥ १ ॥ नान्हींनान्हींबुँदियाँपरतभवनपैंहरेबादल
छायेरी ॥ २ ॥ मातेगजगरजतगोविंदकेसुनदानवसकुचा
येरी ॥ ३ ॥ शौचपड्योसिसपालतणेंदलकँवरकमलबिलखा
येरी ॥ ४ ॥ बाईरुकमणिअतिमतबाढ्योफूलीउरनसम्हा
येरी ॥५॥ दादरमोरपपइयाबोलैकोयलशब्दसुनायेरी ॥ ६॥
सूवासारभवनमेंबोलेमोतियनचौकपुरायेरी ॥ ७ ॥ दासपद

मथारोबिरदबखानैमनइच्छाफलपायेरी ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हर
ख्योविप्रचूडामणी,कृष्णतणोदूलल्याय ॥ भींवरायश्रवणासु
णी,आनँदउरनसम्हाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ ऊठ्योरावपहरि
पीतांबर बोल्हजबोल्याचंगा ॥ अडसठतीरथघरहींमाहीं
आलसियाँनेगंगा ॥ १ ॥ हरिहरजोसीकहीरायसैंबोलैभींव
इमवाणी ॥ जोतुमद्वारावतीपधारेकहोकृष्णसहनाणी ॥ २ ॥
मोरमुकुटपीतांबरसोहैहरिहेचित्तबिनाणी ॥ च्यारहिभुजा
च्यारहीआयुध कौस्तुभमणिसहनाणी ॥ ३ ॥ हरख्योभींव
रायश्रवणासुण सांचवचनपरमाणी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूँबातसांचजबजाणी ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ बिसकरमानै
आग्यादीन्हींमंदरअधरछवाया ॥ इकीसजोजनधरतीसेती
तंबूडाढलकाया ॥ १ ॥ ऐरावतकूँआग्यादीन्हींचेटकएकादि

खावौ ॥ सिरीकृष्णकी आग्यालेकर गहरीलीदछँगावौ॥२॥
सुनतबचनऐरावतजबही गहरीलीदछँगाई ॥ जरासिन्धका
तंबूटूटयादलमेंपडीभगाई ॥ ३ ॥ जीतैनहिंसिसपालहारसी
जादूकौंरजुहारौ ॥ सौसौबचनकह्यादँतराणीसौसौहोसी
सारौ ॥ ४ ॥ बरजतबांधसेहरौआयो शठनाकियोबिचारा ॥
पदमभणैंडाहलअभिमानी रहसिसपालकँवारा ॥ ५ ॥ राग
मारू ॥ संक्याहुईनगरमैंसारै आयाकृष्णमुरारी ॥ जरासिं
धसिसपालभूपसबमिलकेकरौबिचारी ॥ १ ॥ आयोबिनाबु
लायोग्वाल्यो करैब्यावमेंख्वाँरी ॥ बिघनपडोबिनरहेनकोई
योहैकुबदीभारी ॥२॥ रोसभरयोरुक्मइयोबोल्योथेक्यूं डर
पौराई ॥ अरबखरबलाखाँधनखरचूँ जंगीढोलघुराई ॥ ३ ॥
रुकमणिजुगतभलीपरणाऊँचंदेरीपाहोंचाऊं ॥ पदमभगत

रुकमालभणैंछै आनँदमंगलगाऊं ॥ ४ ॥ रागधमाल ॥ करो
निथालौडीरोचावकँवरजी ॥ टेक ॥ वडेबडेराजायूँउठबो
ल्याक्यावतणौंबिवहार ॥ १ ॥ रुकमइयोंसिसपालबुलायो
कोप्याकृष्णमुरार ॥ २ ॥ उणतोसाजकरीसाम्हेलैलीदूपरीमु
खछार ॥ ३ ॥ हेवरगाज्याकृष्णतणाँदलब्राह्मणल्यायोछैगो
पाल ॥ ४ ॥ बाजाबाजैंअंबरगाजै जबकंप्यासिसपाल ॥५ ॥
कोप्योतीनभवनरोनायक बरखीलीदअपार ॥ ६ ॥ राजा
भींव घर बँटतबधाई रुकमणिकरोसिंगार ॥ ७ ॥म्हेतोजादूकृ
ष्णबुलायोरुकमइयोंसिसपाल ॥ ८ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूंआयोजादूचाल ॥ ९ ॥ दोहा ॥ कुंदनपुरबिसटाला
फिरे, करसाँकौनबिचार ॥ हरीऔरदानवभिडर्या, होसी
जुद्धअपार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ राजाभींवपचौलीकौक्यावे

गहजूरबुलाया ॥ अवलजरीसिरपाँवमँगायापंचौल्याँपहराया
॥ १ ॥ कहैरावजीसुणौपँचौल्याँ सिसपालेढिगजावौ ॥ डाह
लनैंतौपाछौफेरौरुकमणिकृष्णाबिहावौ ॥ २ ॥ कहैपँचौला
सुणमहाराजा पाछाकिणविधचालैं ॥ जरासिंधजोरावरराजा
आयुधइधकाझालैं ॥ ३ ॥ फौजाँसिरफौजकालाडा सेल
साँनअतिभारी ॥ जरासिंधजोरावरराजाजुधकीकरैतयारी ॥
॥ ४ ॥ चढकुरसाँणबाढअतिदीयाभालाँअणीकढाई ॥ जंग
जरूरलेहिंसिसपालौघुडलाँकरैचढाई ॥ ५ ॥ कहैभींवजीसु
णौपँचौल्याँथेकाँइभोलेभूला ॥ अबकेजीवतजाणनैंदलाको
ट्याकृष्णजीदूला ॥ ६ ॥ पाँचपँचौलीमतोउपायोसिसपालै
बतलावाँ ॥ कुंदनपुरकीराडमिटैतो आपाँईभलाकहावाँ ॥७॥
पाँचपँचौलीहुवायेखटामिलकेमतोउपायो ॥ आगेजायकँ

वरयूँबोल्यो कृष्णगवाल्योआयो ॥ ८ ॥ म्हेतोउणरौनाँवन
जाँणानाँम्हेकछूबुलायो ॥ भागोफिरैग्वालगोकुलको बिनको
क्यौंहीआयो ॥ ९ ॥ योतोअपणींकरैबराबरजुधकेसाम्हैआ
यो ॥ टेकचढ्यौरुकमणपरणाऊँतोभीषमकोजायो ॥ १० ॥
कहासिसपालोसुणोकँवरजीनींकाँआपबिचारो ॥ भारतजोड
ग्वालियोआयो हैकहोकौनबिचारो ॥ ११ ॥ भणैंकँवरजीसु
णोसिसपालाइणरोकाँईबिचारी ॥ भारताकियाँग्वालियाजी
तैंपीछैराडहमारी ॥ १२ ॥ सिसपालासूँकँवररुकमइयागु
झसेगहबतलाया ॥ फिरताँरुकमकँवरकैसाथै डोडयाँतोडी
आया ॥ १३ ॥ कँवरमुडयोपंचोलीआया भीतरभेदजणा
या ॥ १४ ॥ आदरभावबहोतसोकीयोअपणेंढिगबैठाया ॥
राजाभींवतणींकहोबाताँ काँईसंदेसोल्याया ॥ १५ ॥ बिसटाँ

तूजबयेसैंबोल्यासुणसिसपालाराजा ॥ रामरूपहोयआगेपर
ण्यासागरबाँधीपाजा ॥ १६ ॥ वोईछैजुऔरमतजाणोंतौनैं
किस्यौकसूझै ॥ कुंभकरणमहरावणमारचाक्योनबडाँनैबूझै
॥ १७ ॥ म्हेसिसपालबडाकाँईबूझाँ सतेरबारभगायो ॥ अब
थाऊभाँपकडमँगाऊँतोदम्मघोषकोजायो ॥ १८ ॥ कहैंपंचौ
लीसुणोंसिसपाला क्यानैंपाणदिखावै ॥ वहतौगिगनमंडल
दियाडेरातूंक्यूंजानमरावै ॥ १९ ॥ कहासिसपालसुणोंपंचौ
ल्यांजानजीवसूंमारो ॥ म्हेराजकँवरिपरणीजनआयाथेमत
औरबिचारो ॥ २० ॥ थेईऊंचाडेराकरल्योतौम्हेथांनैंजाणां॥
दुरलभगवनजीवतोजाणौंकाँईघणौबखाणाँ ॥ २१ ॥ पिचा
णवेखौहणकौपाँणदिखावैकाँईहरकेघोडाथोडा ॥ मारचाँ
मरचाँभलानांहिंकहसीटल्याँनहोवैलहोडा ॥ २२ ॥ म्हेक्यूंट

लाँजोरावरजोधाटलसीकान्हगवाल्यौ ॥ माखणचोरपराया
खायारावामाँहींटाल्यौ ॥ २३ ॥ कहैपंचौलीसुणसिसपाला
काँईनिसातूँआयो ॥ म्हेतौथारोनावनजाणाँसरसेभाटबुला
यो ॥ २४ ॥ जबासिसपालोकुमनौंबोल्यौ करताकरेसुहासी ॥
अबजोम्हैंफिरजाऊँपाछौदेसदोसमोयदेसी ॥ २५ ॥ थतौ
जाणौमिटैलडाईयातोइसीलखावै ॥ नंदकँवरागिरधरबरऊपर
पदमभक्तबलिजावै ॥ २६ ॥ दोहा ॥ पंचौलीसबमुडचले
भींवरायढिगआय ॥ योतोएकनमानहीं, करहोकोटिनपाय ॥
॥ १ ॥ रुकमनीवाक्य ॥ रागसोरठ ॥ योतोबररूडौहैम्हारी
माय ॥टेक॥तुमजौकहतीगऊचरावैग्वालनकेसँगजाय ॥१॥
शिवसनकादिकअरुब्रह्मादिकसीसनिवावैताय ॥ २ ॥ अब
लगतौकछुबिगड्योनाहींडाहलद्योफिरवाय ॥ ३ ॥ पदमरुया

ममोहियेहिअँदेसौसबदलदेगोखपाय ॥ ४ ॥ दोहा ॥
सिसपालैमतौडपावियो, दूत्याँलिवीबुलाय ॥ कँवरिप्रमो
दौभींवकी, येसोकरौडपाय ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ ॥
सिसपालैदूतीबुलायकै लीन्हीनिकटबैठाय ॥ टेक ॥ कह
सिसपालसुणोहेदूत्यों थेकुंदनपूर जावौरी ॥ भींवकँवारि रा
जीनाहिंम्हाँसूँजिनकूँजायमनावौरी ॥ १ ॥ दूत्यांकैहेसुणों
महाराजाम्होंकागुणबतलावांजी ॥ अंबरताराधरतील्यावाँ
फिरअंबरधरआवाँजी ॥ २ ॥ जेवडियांकासरपबनावांफिर
जेवडियांदिखलावाँजी ॥ सूकीनदियांपूरबहावाँपटपरनाँव
चलावाँजी ॥ ३ ॥ हत्तलीमैंसरसूंबावां नखपरछिमकाजिमा
वाँजी ॥ टाटीऊपरहौलाभूनांकडवैतेलबुझावाँजी ॥४॥दूत्याँ
कहैंसुणौमहाराजाहुकमराजरोपावाँजी ॥ अपणेंचढणकार

थ्यादिवावौबैठकुंदनपुरजावाँजी ॥ ५ ॥ कहसिसपालसुणौं
थेदूत्याँथेराजीकरआवौजी ॥ तौथाँनैम्हेदेवाँबधाईपाँचपर
गनापावौजी ॥ ६ ॥ अपणेंचढणकारथ्यादिवायाबाँणकबणीं
नवेलीजी ॥ पदमदूतीकाहुवानँगारालीन्हीसंगसहेलीजी ॥
॥ ७ ॥ रागमारू ॥ पाँचलाखकोदूत्याँपहरचौसातलाखकौ
लीयो ॥ भीवँकँवरिराजीकरआवाँदेखौम्हारोकीयो ॥ १ ॥
सबपूरबकाराजाबैठापासजरासिंधराई ॥ भरभरमूठीद्रव्यलु
टावैरावरिकरतबडाई ॥ २ ॥ जबदूतीकुंदनपुरआवै रुकमणि
सेंबतलावै ॥ घमघमकरतीमहलाचढगइचरणाँसीसानि
वावै ॥ ३ ॥ गहणोमेलहरकरीबीनतीजाँणअपछराआई ॥
रंभारूपदेखदूत्याँको राजकँवरिमुसकाई ॥ ४ ॥ धिनधिनहौ
पूरबकाराजाधिनथेरुकमणिबाई ॥ धिन बोबंधुचतुररुकमइ

योथेसीजानबुलाई ॥ ५ ॥ गहणौमेलरपायेंलागीकोन्हीविन
थघणेरी॥सिसपालसरीखौबींदनदजीम्हारेसरीसीचेरी ॥६॥
सवाक्रोडधरतीकोराजा डुणरेधरतीथोडी ॥ गहणोपहरोराज
भोगवोबणिहैविधिनाजोडी ॥ ७ ॥ बाईथेम्हासूबोलोक्योनी
मुखडेवेणनभाखौ ॥ गहणौपहरौराजभोगवोपतमाईकीराखौ
॥ ८ ॥ माईभलौभलानैंल्यायौ थाँनैंहौसींलावौ ॥ गहणौलेर
औरकेघालौ औरकँवीरपरणावौ ॥ ९ ॥ औरकँवारिवोपरणैंना
हींयेसीऔरनकाई ॥ निरखतरूपरावनाहिंरीझेरंभाराजवताई
॥१०॥ रंभाघणीइंद्रराजाकैंवहआवेतौल्यावौ ॥ हूँअरधंग्या
हरिकीदासी थेक्यूंलोगहँसावौ ॥ ११ ॥ हँससीलोगलडाई
हासीवोवानैंकदपूजे ॥ कांकणबाँधकृष्णचाढिआयापरतलहा
हैसूझे ॥ १२ ॥ जनमजनमकोनाथसाँवरोस्यामसुंदररंगभी

नौं॥अबजावोबकवादकरोमतकहैथाँनैउत्तरदीन्हौं ॥१३॥ थो सिसपालचंदेरीकोराजामैंत्थाँबिचमेंहीरो ॥ थाँनैकाईबुराई सूझी परखल्याथाँथारोवीरो॥१४॥ कोथवंतजबभईरुकमणी हैकोइहाजरचेरी ॥ थाँनाँसाँकीबेगउठावोकीज्योसझायणेरी ॥ १५ ॥चेरयाहुकमसुण्योबाईकोमहलाँनालगुहाई॥टूटादाँत भौगनाफूटाजबदूत्थाँगरलाई ॥ १६ ॥ फाटाबसनगिरयासब गहणाँलुकतीछिपतीआई ॥ आवतदूत्थाँसबहीजाणीजावत कोइनलखाई ॥१७ ॥ रावजरासिंधपूछणलागा काँइकाँइ बिपता ल्याई ॥ पानतँबोलकरीमनुहारिमुखमेंघणीललाई ॥ ॥१८॥ म्हेपायाँपडकरीबीनती प्रगटकहीकहिछानै ॥ कंचन कोडसुमेरदिखावो वानाहिंपरणेथानै ॥१९॥ आतुरहोयसिस पालोबोल्योउतरीकरीबडाई ॥ बिसटालोथारोखौभरपायो

गहणोंगमायघरआई ॥२०॥गहणौंभलौजीणतीआई म्हेम्हा
रिकीनीपाई॥पद्मभणैंप्रणमैंणाथेलागूं इत्याँहँटकुटाई ॥२१॥
रागमारू॥ रोसभरचोअहबलकरबोल्योरुपकँवारिकेरीझ्यौ॥
सोचकरेअहमनमेंकलपै ज्यूंलकडीघुणबींध्यौ ॥ १ ॥
टेढोहोसिसपालोबोल्योपकडकँवारिलेल्यावौ ॥ जैकोइथाँरे
आडोदेवे जिणनैंमारहटावौ ॥ २ ॥ पाँचलाखअसवारकँ
वरका वहतोआपाँमाँहीं ॥ भींवरावकोआडौआवैतौवासां
मारउडाई ॥ ३ ॥ इतनोवचनसुण्योरुकमइयेयेसोमतोउपा
यो ॥ जमींदौचकरचूंभिडवाल्या तौभीषमकोजायो ॥ ४ ॥
लिखतांलगनकँवरनाहिंपूछीटीकोमतैपठायो ॥ पद्मभणैंडा
हलअभिमानी येसँकइबतलायो ॥ ५ ॥ अबरुकमणीनैंसम
झावै ॥ रागमारू ॥ काजलघाल्योमहँदीलयावो कँकनहातवँ

धाई ॥ तेलफुलेलउबटणोल्यावोयूंसमझावैमाई ॥ १ ॥ यूंस
मझावैमायरुक्मणीकह्योहमारोकीजै ॥ जिणकीकन्याकुलतें
धीटीजिनकोकौनपतीजै ॥ २ ॥ राणीभणेअंबिकापूजणबाई
जातकँवारी ॥ अपणेकुलकीरीतपरापरीसावाँहोतअँवारी ॥
॥ ३ ॥ पूगौहुकमनगरकेमाहींसखियनसहससुलाई ॥ खबर
भईचहुँओरअंबिकाजातरुक्मणीबाई ॥ ४ ॥ ॥ छंद ॥ ॥
भवनभवनतेकामणआईचलीमंगलगावती ॥ हारडौरगलप
हरसुंदरदीखेसकलमनभावती ॥ १ ॥ केसरअगरकपूरछिर
केचंदनचौकपुराइये ॥ बरदेदेवीअंबिकामोहिंकृष्णसौवरपा
इये ॥ २ ॥ रागजंगलो ॥ सबसखीसहेल्यांप्यारी ॥ रुकम
णकूंबोहोतासंगारी ॥ टेक ॥ सिरसीसफूलगुँथदीया ॥ छिब
मांणकीसीलीया॥मस्तकपैआडभारी॥छबिदेखकेबलिहारी॥

॥ १ ॥ पीठमें अंबलीडारी ॥ मानूंनागनीसीकारी ॥ माथे
जोबिंदलोसोहै ॥जानुंचंदसौमनमोहै ॥ २ ॥ नैननमेंसुरमो
सारचौ ॥ मूंहमानुंधनससुधारचौ ॥ नकबेसरीजनुसोहै ॥
छबिदेखिकेमनमोहै ॥ ३ ॥ जरकसीलहँगोपहरचौ ॥ ओ
ढयोजरकसीलहरचौ ॥ जामैंहीरामोतीजारिया ॥ रविक्रोट
छबिकूँहारिया ॥ ४ ॥ करफूलसोहैभारी ॥ जुलफयांजुनाग
नकारी ॥ रविरातकीछबिहारी ॥ इतचंद्रकीउजियारी ॥५॥
कंचनकंचुकीपाटी ॥ छबिदामनीकीहाटी ॥ बरनैकवीकहो
कैसें ॥ रुकमणसिंगारीयेसें ॥ ६ ॥ गलहीरहारजुभारी ॥
जावेपदमभगतबलिहारी ॥ ७ ॥ रागजंगलौ ॥ जावोजावो
सहेल्यांमोरी देवीजीनेंपूजआवोरी ॥ टेक ॥ देवीजीके
दरसणजावो ॥ सबसखियांनैकोंकबुलावो ॥ गावोभामनीस

नगीता ॥ सखिआजम्हेजगजीता ॥ १ ॥ मोतीयनसैंथाल
साज्यौ ॥ रविचंदसेछबिछाज्यौ ॥ छबिअंतसबहीसोहै ॥
जाकूँवर्णनकरकविकोहै ॥ २ ॥ जुरेगजरथताजीथाटा ॥
छबिछायोराजबाटा ॥ मानुंफूलीफूलनक्यारी ॥ भईदेवीपु
जवाकीत्यारी ॥ ३ ॥ ॥ रागचरच्चरी ॥ कँवरिअंबिकाजा
सी ॥ बाईजीकँवरिअंबिकाजासी ॥ ॥ टेक ॥ सोलासहस
सखिनकेझुमकेगजगतचालचलासी ॥ १ ॥ सोलाकला
चंद्रमाऊगामानूँइंद्रघटासी ॥ २ ॥ झलकैंचीरविविधसखिय
नकेफूलरहीबनरासी ॥ ३ ॥ नवलखतारांबीचरुक्मणीपूरण
चंद्रछटासी ॥ ४ ॥ छौहणपांचचढौपारवरियाजरासिंधयूँभा
सी ॥५॥ कालयोगवालझपटलेजासीकुलकूँकाटलगासी ॥६॥
जबासिसपालौसुभटबुलायाबेगचढौबनरासी ॥७॥ ग्वाल्यो

कुबद्धकरेइणअवसरफिरपीछेपछतासी ॥ ८ ॥ रुकमणिअर
जकरेअंबेसूँहूँगिरधरकीदासी ॥ ९ ॥ पद्ममश्यामसुखदायक
नायक बरपाऊँअविनासी ॥ १० ॥ रागदंडक ॥ अंबिका
पूजनकँवरीचाली ॥ टेक ॥ उमाकोभेटपकवानश्रीफललियाँ
वस्त्रमरमोतियाँसाझथाली ॥ १ ॥ भवनकीपौरपरआयठाढी
भईजारलखसँगलियाँसघरआली ॥ २ ॥चहूँदिसझाँकती
अगरनैंचालतीचतुरबरनारिपियापंथहाली ॥ ३ ॥ भामन्याँ
मैमिलीदामनीसीदिपैकोटिकंदर्पदुतिदेखिलाजे ॥ ४ ॥ मंग
लाचारउच्चारकरसहचरीभेरिअरुतूरनीसाँणबाजे ॥ ५ ॥
मिलीद्विजनारिगुणगारिपुरनारिजुथहरखउच्छाहमनमाहिं
भारी ॥ ६ ॥आपनेधामतेनिखसआवतभईकँवरिकेसंगकौक
रतयारी ॥ ७ ॥ सुवाकेचंचुसीनासिकापेखियेइंद्रअहरापती

चालचोरी ॥ ८ ॥ लेटणीनागणीभणजियेओपमाँकेहरीलंक
कटिलायगोरी ॥ ९ ॥ सिरीफलसारिखाउरजाहिवडेलसीसो
बनीकंचुकीचीरझीणें ॥ १० ॥ केसमोतीझलकमाँगकूँकूँभरी
भालपरसोहतीदीपवीणें ॥ ११ ॥ पाँवकीआगलीबीछियाबा
जडाँ मुरचियानैंवरचाँनाद्भारी ॥ १२ ॥ पहरपट्टोलणीहीर
कीचौलणीनारकेलौथणाँमूघहारी ॥ १३ ॥ रतनमणिराखडी
वेणीबासकलडी बाँहराँभुजवाँलंकलेले ॥ १४ ॥ हूकाचंद्र
माँमुखपरपेखियेचलैविरअंगनाँसगतमेले ॥ १५ ॥ आयज
बरुकमणीद्वारपरठाढीभईअसुरसिसपालपाठियेअफूटा ।१६॥
कृष्णपगधारके जुगलजोडीबडीपदमकेस्वामिकूंनाथतूटा ॥
॥ १७ ॥ रागबरवाँतालठुमरी ॥ देवीजीनैंपूजवाचलीराजाभी
षमजीरीलली ॥टेक॥ औरसखीगुलाबकीहोरुकमणिचंपाकी

कली ॥१॥ चोवाचंदनअगरअरगजाहोछिडकतअलीगली ॥
पद्मइयोंस्वामीभणेहौअसरनरौकिगली॥२॥ रागधनाश्री ॥
अरेरथहाँकदेरेभाई॥ टेक ॥ कियासिंगाररथ्थजायबैठीसूरज
किरणसवाई ॥ जितातिताच्चितवैरुकमणीभूपगिरदहोय्यजाई ॥
॥ १ ॥ नैनबांनतीखालगैंघावकोउकेनाहीं ॥ पद्मकहैरुक
मणिवडभागणदुरगापूजनजाँहीं ॥ २ ॥ लावनी ॥ बाईरुक
मणिराजकँवरिअंबापूजणचलिसंगसखिनके ॥ टेक ॥ बर
बालकउम्मरबालनरमतनचंच्चलपरमहठीली ॥ बरकंच्चनकी
सीबलसूरतमनमोहनघनगरबीली ॥ नमदुलिहनभेषसंवार
भालबिंदीकुललाजलजीली ॥ करकंच्चनथालविशालजटित
मणिआणिमादिकच्चरच्चीली ॥ झेला ॥ सोगुनरतिरूपरंगी
लीचखचितमनअतिचटकीली ॥ अंजनअनूपमृगमीनमधु

पगंजनइवमदमनहीके ॥ बाइरुक० ॥ १ ॥ रुकमइयेंदुरम
तिजतनकरनचहुँदिसबहुतसुभटपठाये ॥ बलप्रबलवीररणधी
रअनणसुणअनुशासनउठिधाये ॥ सिसपालकुटिलकीसैन्य
सत्रकरशरकोदंडचढाये ॥ बरबरचरमाकरसूलशक्तिधररज
नभमंडलछाये ॥ झेला ॥ सबनेगुरुदेवमनाये ॥ गजरथहयबे
गमँगाये ॥ पैदलअनतजनमंतालियेकरखडगचलेसबइनके
॥ बाइरु० ॥ २ ॥ गुरुजनयुतिनकेमध्यगमनकरिभीषम
नृपतिकिशोरी ॥ जलधूपदीपनैवेद्य अछितनसारपुष्पदलरो
री ॥ मंगलधुनिगावतबारमुखीबाजतनिसानचहुँओरी ॥ तन
कुंदनदुरशलालसालगीमनचितवतचंदचकोरी ॥ झेला ॥ ॥
शोभाविशालमतिभोरी ॥ कविवरनैंसोइछविथोरी ॥ शिवस
दन सिधारीकरिप्रनाम मनअनँदबढ्योदुलहनके ॥ बाईरुक

मणिराजकँवार० ॥ ३ ॥ करकमलपद्मजलपदप्रछालिअच
वनकरकँवरिनवेली ॥ गनपतिपूजेपुनिगवरपतीसंगपुजवाति
कुँवरिसहेली ॥ आरतिकरनकरपूरलिये करदलजनुकमलच
मेली ॥ वरमाँगतकृष्णमहेशशेषगिरिजातथास्तुधुनपेली ॥
॥ झेला ॥ मतिगतिशिवपायनवेली ॥ निरखतभइअचकअके
ली ॥ झनझनकझनकझनकारपगननूपुरबाजिकनकमनिनके ॥
॥ बाईरुकमण० ॥ ४ ॥ नभचंद्रकिरणमनहरणचरणजा
वकथेडिनअरुणाई ॥ चलेचालचपलबालकमरालछबिपिंडली
गोलगुलाई ॥ किंकनअनूपधुनललितलंकलचकनिलखिरति
सरमाई ॥ सुभचित्रविचित्रितचीरचारुमलकंचुकिकुचछबि
छाई ॥ झेला ॥ करकंकनअतिद्युतपाई ॥ बरणतकवियुक्ति
लखाई ॥ हँसलीहमेलगलहारमालहीराबिसालमोतियनके ॥

बाईरुकमणि० ॥ ५ ॥ अरबिंदमधुरमुखअधरामृतदाडमक
णदंतबतीसी ॥ नासासुढारबेसरबुलाखलटकनतारूपरती
सी ॥ दृगसीलसमअंजनसुरेखमहिमाजलमीनगतीसी ॥
भ्रुकुटीपिनाककरुणावतंसपन्नगीचपलचलतीसी । झेला । हरि
जनमुनिग्यानमतीसी ॥ सुरगणनलखीअदितीसी ॥ लखिको
रकटाक्षणदुष्टमृतकसेपरिगयेदिसाबिदिसनके ॥ बाईरुकम
णिराजकँवरिअंबापू० ॥ ६ ॥ रागचरचरी ॥ भोरभयोजबच
लीअंबिकापूजणराजदुलारी ॥ टेक ॥ सामग्रीकेथालभराये
गंगाजलकीझारी ॥ धूपदीपपुष्पनकीमाला डोडालूँगसुपारी
॥ १ ॥ रथ्थनकीसाजतसंगवाईलियागजाँदललारी ॥ घुड
लाँघूघरमालघलाये हसत्याँअंबाबारी ॥ २ ॥ छौहणपाँच
सातसँगदीन्हीफौजजरासिंधलारी ॥ काल्यौगवालफिरैआभि

मानीरखियोबहुतहुँस्यारी ॥ ३ ॥ जरासिंधसिसपालचढावै संगसुभटअतिभारी ॥ चहूँओरजोधाजोरावरचतुरंगीअस वारी ॥ ४ ॥ रथमैंबैठरुकमणीचालीमनमेंसकुनबिचारी ॥ पदमकहैबाँवोअंगफरुकैंमिलसीकृष्णमुरारी ॥ ५ ॥ दोहा॥ सकुनमनावेरुकमणी, मनमेंहरखबधाय ॥ कृष्णमिलेसंकट टले, येसौवरदेमाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ रुकमणिभणेसुणौ रीदेवीकाटौजमकीफाँसी ॥ दीनानाथमिलावौमोकूं जनम जनमथारीदासी ॥ १ ॥ एकदिनाँरेजनकघरहातीजनकसु तारेकहानी ॥ संकटमेंभवसंकटकाटचोधारचारूपभवानी ॥ ॥ २ ॥ काहेकूँमेरेपाँवपरतहौइमतुमकाहदुरानी ॥ दीनाना थदयालकृपानिधिचढसीऔरतिहानी ॥ ३ ॥ सोलहसहस सहेलीसोहैमानोंइंद्रघटासी ॥ गूँघटकापटखोलदियाजबको

टभानुपरकासी ॥ ४ ॥ आतुरहोयरुकमणीबोलीकाटौजम
कीफाँसी ॥ पदमस्यामसुखदायकनायकवरपाऊंअविनासी
॥ ५ ॥ दोहा ॥ रुकमणिपुजेअंबिका, भरमोतियनकोथाल ॥
मथुरापाऊँसासरौ, बरपाऊँगोपाल ॥ १ ॥ रागसोरठकीठु
मरी॥भवानीम्हौंनंदनंदनपरणाय ॥ टेक ॥ करजोडर्यां
बिनतीकरूँसुणोंअंबिकामाय ॥ तूँकहियेत्रिभुवनकीमाता
बरदीजौयदुराय ॥ १ ॥ माताभ्रातडाहलबरहेरयोसुणजग
दंबामाय॥राजाभींवकृष्णबरथरप्योआयेकुंदनपुरमाँय ॥२॥
मोमनबसेसोहितुमजानतबरदेजादवराय ॥ सुनजगदंबेदेर
करोजिन जलदीस्याममिलाय ॥ ३ ॥ अतिआतुरभईरुकम
णीपरीगोदमेंजाय ॥ पदमकेस्वामीकृष्णमिलावोदेवीमंदर
माँय ॥ ४ ॥ रागहोरीतालदीपचंदी ॥ राखौलाजगुसायाँमे

रीराखौ ॥ टेक ॥ जोरदलासिसपालआयोअसुरअंबिकाघेरी
॥ १ ॥ त्रेताजुगमैंतपकीहियअबसंगसखाबोहोतेरी ॥ २ ॥
तुमतौकहियोबडबिसवारीसाखजहाँतहाँतेरी ॥ ३ ॥ अंबाऊ
परमारगजोवाँजोवाँबाततिहेरी ॥ ४ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूँजनमजनमकीचेरी ॥ ५ ॥ रागरेखता ॥ डरीमैंदेखकेदा
नाँकहातुमदेरहैकान्हाँ ॥ टेक ॥ नारदकेबच्चनसबजोई ॥
मिलैबरअंबिकासोई ॥ कहायेदेवहैंझूंठे ॥ केलाखिअबगुन
फिरेपूठे ॥ १ ॥ केडाहलसंकमनआईं ॥ कहींपरबसपरे
जाई ॥ भरोसोयेकहैभारी ॥ आवैंगेबेगबनवारी ॥ २ ॥ अंबि
कापूजनेआई ॥ दिखेनाहिंनैनजदुराई ॥ अवसरयहफेरना
पावौ ॥ पदमकेनाथअबआवौ ॥ ३ ॥ रागरेखता ॥ दरस
बिनबहुतअकुलाती ॥ बिरहकाबाणजूखाती ॥ टेक ॥ जर

दीरंगतनहूवा ॥ जपूँतुजनावँज्यूँसूवा ॥ हमारीलाजअबतो
कूँ ॥ बहौदुखहोरह्योमोकूँ ॥ १ ॥ सिलागजगीधतेतारे ॥
केसीऔरकंसकूंमारे ॥ क्यूँ आईलाजअबप्यारे ॥ देखदलदै
त्यकेभारे ॥ २ ॥ अबेहारिबेगतुमआवौ॥मोकूँअबदरसद्दिख
लावौ ॥ कहाअबजायगोमेरो ॥ लजैगौबिरदहैतेरो ॥ ३ ॥
भींमतुमकोबतायेहैं ॥ तुमीसेध्यानल्यायेहैं ॥ सुनौअबबीन
तीमेरी ॥ रहूँमैंचरणकीचेरी ॥ ४ ॥ पदमजनदासहैतेरो ॥
रखोशिवकणमोयचेरो ॥ बिथाक्यूँदेतहौमनकूँ ॥ मिलाअ
बबेगरुकमणिकूँ ॥५॥ रागदेश ॥ माधोजीआयाँराजसरे ॥
टेक ॥ बोहोसाखियनबिचराजकँवारी बिलखेबदनफिरे ॥१॥
सठरुकमइयोकह्योनमानेंकूडीसाखभरे ॥ २ ॥ जलमेंराख
अगनमेंराखीनरसिंहरूपधरे ॥ ३ ॥ बलराजाकेभवनपधारे

बावनरूपकरे ॥ ४ ॥ भारतमैंभँवरीकाइंडाघंटाटूटपरे ॥५ ॥ जहाँतहाँभीरपरीभगतनमैंरक्षाआयकरे ॥ ६ ॥ बानाँकीपत राखसाँवरा रुकमणिअरजकरे ॥ ७ ॥ पदमकेस्वामीआँनबुझावौ हिरदेअगनजरे ॥ ८ ॥ रागबिहार ॥ साँवराक्यूँनलई सुधमेरी ॥ म्हैंतोचरणकमलकीचेरी ॥ टेक ॥ गज अरुग्राह लरे जलभीतर काटीजमकीबेरी ॥१॥ भारतमैंभँवरीकाइंडा गजकीघंटागेरी ॥ २॥ ऐसीचूककहाप्रभुमोमें असुरअंबिका घेरी ॥ ३ ॥ दासपदमपराकिरपाकीज्योजन्मजन्मकीचेरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ केदेवलचढगिरपडूँ, देऊँदेहजलाय ॥ शीश धरूंशिवसाम्हने, केमरूंकटारीखाय ॥ १ ॥ हुंअबलाथेस बलहौ, कितगयेमेरीबार ॥ बडाबिडदआगेकिया, प्रगटवेद विस्तार ॥२॥ ग्रास्योगजतबग्राहनै, डूबतसारीदेह ॥ सूँडर

हीबाहरतनक, कियो जु थाँसे नेह ॥३॥ तोकूँपूजूँअंबिका, कृष्णामिलनकेकाज ॥ बाँवेंअंगफरूकतौ, आजामिलैब्रजराज ॥ ४ ॥ अवसुधलेउसुतनंदके, विनतिकरूंकरजोर ॥ दैत्यमथनरुक्मणिमिलन, आवोनंदकिशोर ॥ ५ ॥ छंद ॥ रुक्मणीपटदूरकीन्हों सैन्यासबमूर्छितभई ॥ आवो दीनानाथजादूयहअवसरपाऊँसही ॥१॥ रागलावनी तालचौताला ॥कर करूणाबहुतबिलापतापदेखनलगिओरागगनके ॥ टेक॥ पुनि टेरतकरूणावच्चनकानकरूणानिधानसुनमेरी ॥ गजराजगरज आतुरपयानज्यूंमृगीअहेरिनघेरी ॥ विरहाकुलकरतविलाप हायम्हेजन्मजन्मकीचेरी ॥ दरसणद्योदीनदयालकाटितनस कटविकटपहेली ॥ झेला ॥ हानाथलगीकहाँदेरी ॥ क्यंसुरत बिसारीमेरी ॥ स्यंदनसमेतखगकेतनिकटप्रगटेहरिपतिगोपि

नके ॥ करकरुणा० ॥१॥ जबदेखेसुंदरश्यामसरोरुहनैनमु
कुटशिरसोहै ॥ भ्रुकुटीविशालकुंडलकपोलमुखचंद्रमुनिनमन
मोहै ॥ बनमालपीतपटकटिलपेटिउपमाकहअसकाविकोहै ॥
कुंदनपुरबासीदेखचकितभयेसबकोमनललच्योहै ॥ झेला ॥
रुकमणिचरणचितजोहै ॥ हरिकेगुणमेंमनमोहै ॥ गुणगिरा
ज्ञानगोतीतप्रेमसुखकहिनजायतिहिंछनके ॥ करकरुणा०
॥ २ ॥ ब्रजमोहनबालपतंगउदयलखिखिलगइकमलक
लीसी ॥ भयेसकलमनोरथसिद्धअंगजनुचंपकबेलिफलीसी ॥
दंपतिसमीपअतिदिव्यादिपतिद्युतिदमकतघनबिजुलीसी ॥
हीरयथासूततादृश्यरुकमनीराजतकनकदलीसी ॥ झेला ॥
सुखशोभाशीलभलीसी ॥ चंदाचकोरअवलीसी ॥ करपक
रिअंकभरिरथचढायहांकेहरिबेगपवनके ॥ करकरुणा० ॥

॥ ३ ॥ चहुँओरभयोअतिशोररुकमणीहरिश्रीकृष्णपयाने ॥
॥ रुकमइयानिजदलसहित तेजबलसाहससकलळजाने ॥
भटवृथाकलपनादंतवक्रसिसपालउलूकलुकाने ॥ मगरोंकि
करोरणकहतभयेसबनिजनिजबलअनुमाने ॥ झेला ॥ सब
भुजउठायपणठानें ॥ करधनुषबाणसंधानें ॥ हरनरानकृतह
रिचरित्रसुन घटिगयेगर्वअरिनके ॥ करकरुणाबहुतबिला०
॥ ४ ॥ दोहा ॥ दृष्टिबाँधकरहरिदुरे, लखेनहींनरनार॥पैजब
धावणभगतकी, लियोमनुजअवतार ॥१॥ रागबरवौ ॥ मुक
टकीझाईपरीअंबिकाकेमंदिरकेमाँह ॥ टेक ॥ धायेहरिजीबेग
पधारेइच्छाफलदातार ॥ १ ॥ पूजअंबिकाबाहरनिकसी
सीतलनिजरनिहार ॥ २ ॥ अचरेकापटदूरकियाजबदुष्टगये
सबहार ॥ ३ ॥ रथचढियाजादूपतआया हूवाजैजैकार॥४॥

रथतेजादवजबहींउतरेलंबीभुजापसार ॥ ५ ॥ भुजापकरके
लईरुकमणीलीविमानबैठार ॥ ६ ॥ रुक्मणिहरिकादर्शनकी
न्हामुक्तीफलदातार ॥७॥ दासपदमाबिनतीकरविनवैं दानाँ
करोसंघार ॥ ८ ॥ दोहा ॥ रथबैठाश्रीकृष्णजी, अर्जुनसेरथ
वान ॥ भक्तसायकेकारणै, आयेश्रीभगवान ॥ १ ॥ रागमारू ॥
इतनीसुनरथआयेप्रभुजीको देखतसेनासारी ॥ अंबिकाकी
पौरखरीसबसखियाँनिरखतहँसेमुरारी ॥ १ ॥ करगहरुकम
णिरथबैठाई सेनासबमुरझाई ॥ हाहाकरतसकलभिडभागे
नेकनिजरनाहिंआई ॥ २ ॥ फोडेमूँडखरीसबसैन्याँ आपसले
तलवाराँ ॥ रुकमणदलकेबीचडठाई अंबिकाके दरबाराँ ॥
॥ ३ ॥ चकितभयेरहेभटरोवतकहोअंबकहाकीजै ॥ मुखअ
बकहादिखावेंउनकूंआपघातसबकीजे ॥ ४ ॥ पणराखण

भीषमकेकारण आयेकृष्णमुरारी ॥ पदमभणैंसखियनकोरु
कमणयहसमाचारउचारी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रथचढतीरुक्कम
णिकहै, सुणसखिम्हारीबात ॥ जायकहोबंधुमातने, रुक्कम
णिकृष्णलेजात ॥ १ ॥ रागकालिंगडाकोकहरवो ॥ कहियो
माताजायकहियोमाताजायश्यामदरशरुक्कमणभयो ॥ टेक॥
जायकहोबंधुमातसैंजी ल्यावोदैत्यचढाय ॥ रथबैठाईरुकम
णीसेनापरिमुरझाय ॥ १ ॥ दौडसख्याँरुकमणतणीजी सघ
लेखबरकराय॥रुकमणिकूँहरलेगयादासपदमबलिजाय ॥२॥
दोहा ॥ नरनारीसबहीकहै, दरशदियोनँदलाल ॥ दैत्यमथ
नरुक्मणिमिलन, लेगयेश्रीगोपाल ॥१॥ पाँचक्षौहणदलभा
गके, गयेडेराकेमाँय॥हरीरुकमणीग्वालनैं, अबकोइकरोउपा
य ॥ २ ॥ रागधनाश्री ॥ दौडो दौडोरेगवालयोलियाँजाय॥

॥ टेक ॥ रावजरासिंधऔर दंताधर सनमुखझेलौआय ॥१॥
रुकमकँवरयेसैंउठबोल्यो कुलको धरमघटाय ॥ २ ॥ रुकम
णिनैंप्रभुरथबैठारीभीषममनहरषाय ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैं
पायेलागूँलेगयेजादवराय ॥ ४ ॥ दोहा ॥ सुणोकँवरमंत्रीकहै,
रुकमणलेगयोग्वाल ॥ बँधेकँगणडाहलरह्यो,होसीकौनहवाल
॥१॥ रागजंगलो ॥ लेगयोरुकमणीहरके ॥ साँवरियोजादूक
रके ॥ टेक ॥ सुणसिसपालोअतिव्याकुलभयोउठगइचितमैं
सरके ॥ १ ॥ जरासिंधसेजोधाचढियाधनुषबाणकरधरके ॥
॥ २ ॥ काल्योग्वालभागनहिंजावै वेगौल्यावोपकरके ॥३ ॥
बडेबडेराजनासिरपगधरलेगयोरपटझपटके ॥ ४ ॥ पदमभणैं
प्रणमैंपायेलागूँबारबारजदुवरके ॥ ५ ॥ दोहा ॥ लक्ष्मीपति
लक्ष्मीमिलइ, द्वीलणोंद्विवाण ॥ खबरभईसिसपालनैं, हुई

पिलाँणपिलाँण ॥ १ ॥ ढोलदमामाबाजिया, कसणेलागाबा
ण ॥ सूराँरलीबधावणा,कायरतजेपिराण ॥ २ ॥ झालरबा
ज्याँहरिभगत, रिणबाज्याँरजपूत ॥ इतनीसुणनहिंउठचले,
आठूँगांठकपूत ॥३॥ गलियारीबाँकेफिरें, गैदढालढलकाय ॥
जबरणबाजैलोहराँ, शूरबीरहर्षाय ॥ ४ ॥ सूराँराघरशिखर
है, बाजेअनहदतूर ॥ सारबहंतापरखिये, वहकायरवहशूर ॥
॥ ५ ॥ औररागसबरागणी, सिंधूडोसुलतान ॥ सिंधूजबैअ
लापिये, घूडलाँपडेपलाण ॥ ६ ॥ अथ फौजकी चढाई ॥
दोहा ॥ धीरोरहरेग्वालिया, थारिआवपहूँचीआय ॥ महीन
हींगोकुलतणो, चोरचोरकरखाय॥१॥ रागसोरठ॥ बालपणा
कीबाणनभूलोचौरचौरदधिखातो ॥ यातोकिसीकुंजनकीगो
पी बाँहपकडलैजातो ॥१॥ धूजीधराशेशदलकंप्योचहुंदिसा

माच्यौचालौ ॥ माथेहींसपडांनीसाणाँचढयोरावसिसपालौ
॥ २ ॥ सेनाचढादेखदूल्हाने रावपरेबाबोले ॥ सेवगच्छता
श्यामकयूंझालैयूँदंताघरबोले ॥ ३ ॥ दलभंजनराजायूंबोले
इसीबातकाँइँभारी ॥ माखणचोरताहुकेऊपरथेकांइंकरोस
वारी ॥ ४ ॥ देखोहातखडामरदाँकाम्हेंभारतमेंजावाँ ॥ रुक्
मणिसहितपकडभिडवाल्योआनानिजरगुदरावाँ ॥ ५ ॥ लो
चनरगतधूकमरचढियाहुवाबाणटंकारा ॥ नेजाफरकेभूमय
कंपेदरस्याकालदवारा ॥ ६ ॥ औझडझडीसिंधुथरहारिया
भयनवखंडेजानी ॥ उकलीकलाअगनजबऊठी रवितांईरामा
णीं ॥ ७ ॥ फौजाँसिरफौजकोलाडौपाखरसेलसम्हावैं ॥
बीलाघोदलनायकराजा जादूजाणनपावैं ॥ ८ ॥ दानालिख
भेजेहलधरकूं बिदामतीहोयजाज्यो ॥ योअवसरभागणको

नाहीं सनमुखजुधमेंआज्यो ॥ ९ ॥ लखसमधानीअर्जुनबोले
होतोसिलेसैवारी ॥ थेदलनायकआयाओबोम्हारेसबीतयारी
॥ १० ॥ सेनापतिकेसोपे आखे बीडायोवनमाली ॥ सनमु
खहोयकरमस्तकमेंल्योडाहलदलम्हेंजाणी ॥ ११ ॥ केशव
रावकहैदेवनतैंअबकेबेरतुमारी ॥ सारसँभाबोजुधमेंजावोहो
सीफतेतिहारी ॥ १२ ॥ बाजतबीरसमानोघनगाजे सावकर
णायूँछूटा ॥ सहसअठयासीक्रष्णाँतणादळनेमनाथरेपूठा ॥
॥ १३ ॥ बावैंनेमनाथदलसोहैदाहनेंलखसंधाणी ॥ छपन
कोटिजादूलेलारेहलधरजीअगवानी ॥ १४ ॥ बिधबिधतणा
अराबाछूटहुईभाडकीधाणी ॥ रोसभर्याद्वानाऔलरियामु
चीरावघमस्याणी ॥ १५ ॥ आभचंदसूरजनहिंसूझे निस
वासरगमनाहीं ॥ देवदलाँदानाऔलरियामहाप्रलेकीनाई ॥

॥ १६ ॥ ओलाज्यूँगोलाऔलरियामारपडीदलहल्लाँ ॥ नाय
कमँडयारावडाहलका हौदाकरहियाचल्लाँ ॥ १७ ॥ फरचट
घणीतीरऔलरियासैलगद्दागुपतानी ॥ चक्रबाँधकेरणभूमीमें
परतकलडेमवानी ॥ १८ ॥ औझडरूपझडापडमाचीअगनी
बाणसंपाडे ॥ धूजीधराधमाधममाचीमँडियामल्लअखाडे ॥
॥ १९ ॥सरसलडेसंग्रामसूरवाँडाहलकाअभिमानी ॥ छल
काथुद्धकरेमहमंता चक्रयहेअसमानी ॥ २० ॥ बेटोद्दमग्घो
षराजाको कुम्मकरणज्यूँऊठ्यो ॥ मणीपद्दमदेवाँकेबाणा,
जैसेबरषाबूठ्यो ॥ २१ ॥ दोहा ॥ चौकांदिशादलबाँधिया,
बाजैशंखसमाज ॥ देवाँदलसिंधहुवा, मानोइंद्रअवाज ॥१॥
रागमाहू ॥ इंद्रअवाजगगनरजलगीछिपगयेचंदरभाणा ॥
लंकाकोटरामदललागे वहदलपहसहनाणा ॥ १ ॥ रामचंद्र

अवतारकृष्णहैलछमणहैबलराजा ॥ किसकंद्वाकेसौपंडवाँके
बाजैंनौपतबाजा ॥ २ ॥ धीरजनायधरेमहमंताजादूमल्लअ
खाड ॥ सतरेवारकाबदलामागाँ अबकेंधराप्रवाडें ॥ ३ ॥
चढसँगरामसताबीआयाश्यामतणादलकेवा ॥ दंतरायदानां
नलदानालियासाँकडेदेवा ॥ ४ ॥ जबकिलकारउठ्योबनवा
री श्यामसुधारणकाजा ॥ अर्जुनआनचौहटेघेरयोदंतधरा
केराजा ॥५॥ गदाचक्रतिरशूलभलक्के खडगाँतीरकबाणी ॥
रौधरहुवाराकसाँबीधा सिंहरूपयूँजाणी ॥ ६ ॥ कालकंठहो
यकालचिमक्या सरसायलभयमानीं ॥ देवचढयाधौलागि
रकंप्या संक्याडाहलआँनीं ॥ ७ ॥ सुरदलचढयाअसुरदल
कंप्या साँवतसूरसभेला ॥ अर्जुनकहैंदिल्लीपतराजा करोडा
हलाँमेला ॥ ८ ॥ नौहैनाथचौरासीसिद्धाँकालेबाणसम्हाले ॥

हलधरजीहतियारसम्हावे हलमूसलकरझाले ॥ ९ ॥ छौहण
येकयेकहलमाँहीं हलधरजीसंघारे ॥ द्दानाँआयपडयाधर
णीपर राणीवचनचितारे ॥ १० ॥ धौंकलधस्याभींत्रभारतमें
मंडगयाहात्यामाँहीं ॥ मौडेसूँडबघावेहातीयुद्धमँडयोरवि
ताँई ॥ ११ ॥ लखसमद्दाणीअर्जुनजोडै बाँणाँतणाचपेटा ॥
बिझगयाडाहलमहमंता सूराकिरणकीकेटा ॥ १२ ॥ सहस
अठयासीरिष्यातणाँद्दलमच्या बाँणघमस्याणाँ ॥ हौद्दाआ
यपऱ्याडाहलकानैंमनाथेरबाँणाँ ॥ १३ ॥ फौजासिरफौजको
लाडौ पाखरसिलेसँवारी ॥ राजाजूझपऱ्यौधरणीमें दंतधरार
णभारी ॥१४॥ राजापडियारणथंभबाज्या फतेजाद्दवाँपाई ॥
हाथेखपरत्रिसूललियाँकर खेतजोगण्याआई ॥ १५ ॥ योधा
मिल्यारावडाहलका आयुधफेरुझालौ ॥ यौअवसरजीतण

कौ नाहीं चंदेरीनैंचालौ ॥ १६ ॥ हाऱ्याफिरेंरावडाहालिया
जीत्याहैंब्रजवासी ॥ कहपदमइयौहारडाहलकोहुईजगतमें
हाँसी ॥ १७ ॥ दोहा ॥ खबरहुईसिसपालने, दंताधरपडसा
थ ॥ खोहणपाँचूंखपगई,खेतजादवाँहाथ ॥ १ ॥ बंधूमरतों
बिगडगइ, सबीजानकीबहार ॥ मेल्हाचलोकंदलापुरी, बाभी
कोसिणगार ॥ २ ॥ दोहा ॥ रासभऱ्योसिसपालजी, लोचन
लालगुलाल ॥ वेरबहोडूंदंतरो, तौराजासिसपाल ॥ १ ॥
दारूदेवाकररह्यो, भुजाफटकेदूत ॥ चुगचुगमारूंजादवाँ,
तोदमघोसरोपूत ॥२॥ केमरखोंकेमारबौ, मरबौयेकणवार॥
मेल्हचल्याकुंदनपुरी, बाभीलणौंसिंगार ॥ ३ ॥ बंधूगडराजा
नकी, छूंतरगईसबबाहार ॥ बाभीहंदाबोलणाँ, निकलकले
जेपार ॥ ४ ॥ हाँसीहुईंतिहुंलोकमें, श्रवणासुनीडाहाल ॥

सैननतेबिनतीकरे, धृगधृगधृगसिसपाल ॥ ५ ॥ रागमारू ॥
धृगधृगधृगसिसपालडाहलाझूठौबाणसंभावे ॥ भुजापटककु
ठ्योभिडदानौंफूल्योअंगनमावे ॥ १ ॥ हाथेनैबाँथेबलवंतौ
सिंहजाँणदधकारी ॥ मारमारकरतौअभिमानीसारसारकर
डारी ॥ २ ॥ देखोआजकेहडीकरहूंवैरदंतरोसारूं ॥ कणक
णदलकरधूंभिडवाल्यो सायरलगसंघारूं ॥ ३ ॥ पेटीसाँध
तूनकरधरासियाआयलग्याजम्मदाना ॥ औझडपडयाथा
टघाडामें जीणहुवाकेकाणा ॥ ४ ॥ जबधसपडेजंगके
माँहीं दारूंधीकाचिकाना ॥ तूडतडकतातौहुयटूटौ छूटाकेह
रिजाना ॥५॥ कलकलहुईकालदलचढिया धूमकोटचौफेरा॥
तातातुरीकुदावतचाल्या आनादियायमघेरा ॥ ६ ॥ ढलकेढा
लफरूकेनेजापूरबकीपतस्याई ॥ छौहणतीसजलंधरबगतर

नखचखसँजडिआई ॥ ७ ॥ छूटेबाणउछंटेदारूं धूमकोटद्द
रवाजा ॥ पेलदियारिखकेदलऊपर कालकंधराराजा ॥ ८ ॥
क्षत्र्याँतणीखौहणच्चढजानेहुवाजबघरघमस्याना ॥ सेनाच
ढीलाखजंझीराँमदपेल्यामस्ताना ॥९॥चकदललपटच्चपटच्चहुँ
ओरारुक्यापंथचहुँकेरा ॥ देवीमाँसूँलेकरभागौ अबपडजा
सीबेरा ॥१०॥ भारतभावभेदसूँकीज्यो दानैंबुद्धिसिखाई ॥
छलकरजायभाजभिडवाल्या याँकेलाजनकाई ॥ ११ ॥ सत
रेवारभागगयोआगे याकीकौनबडाई ॥ अबकेकरूंकालसूंमे
ला निकलजायगुमराई ॥१२ ॥ हलहलकरासिसपालौहाल्यो
ठलदियाभिडदानौं ॥ कूदपड्योदेवाँकेऊपरबागछोडमरदा
नौं ॥ १३ ॥ हाथीठलदियाभारतमैंमेल्हीअंबावाडी ॥ ताके
मींहिंछत्रपतिराजासूरजाकिरणसँभाली॥१४॥ जबराजाजोरा

वरझपटी कपटीकालदँताला ॥ अरजुनभींवतणोदलदेख्यो

घोबीडासिसपाला ॥ १५ ॥ जरापूलजमराजाबोलै हमपै

जमकीफांसी ॥ छपनकोटनैंअचवनकरल्याँ तोमेरानावानि

कासी ॥ १६ ॥ नरअंतरदेवाँमेंअंतर रगतपीवतोहारी ॥ मुर

डच्चल्योहलधरकेऊपर रावणकोअवतारी ॥ १७ ॥ कुणहैकृ

ष्णकौणहैहलधर कोहैपांडवराजा ॥ मोहोरेआनमिल्याडाह

लके हतनापुरकाराजा ॥ १८ ॥ हमहींकृष्णहमाहिंहलधरहैं

हमहींकेशवराजा ॥ तुमतौ मौड बँधेफिरजावो हमहतनापुर

राजा ॥ १९ ॥ चीकरभागिडालिगयोतामर टूटीबीचाठिका

णी ॥ फरसीजायखतीधरणीमें वेपांडवपरबाणी ॥२०॥ धूक

सिधस्याधरणबीधूजी शिवशंकरभयमाना ॥ झलिगयो बाणा

अतीपतीसौधनुषमांझिभरमाना ॥ २१ ॥ अरजुनवरुणाग

दामीमकी दायनआयोरानौ ॥ फरसीजायखतीकुअरके
भागगयोमुडदानौ ॥ २२ ॥ फिरतोफिरेदिवाणेआयो बलहं
तौसिसपालौ ॥ दसूंदेशराजाच्चांढिआवो नहींयुद्धको टालौ
॥ २३ ॥ बाजेनादभुजाफरकंती जालमधनुषचढायो ॥
कानकानकरतौसिसपालौ देवतणोदलआयो ॥ २४ ॥ लछम
णसेसवेसअवतारी आवकहंतौआयो ॥ हलमूसललेकरधम
कान्यो सूतोसिंघजगायो ॥ २५ ॥ सिंघरूपहालेनाचाले
भारभादूज्यूंबाणा ॥ मूरडचलयोदूसासनसूधो नेमनाथनि
रसाणा ॥ २६ ॥ झलमलमचीअगनाझलपाटे नेमनाथदल
माहीं ॥ तबहींइंद्ररावलेपहुँचे लेतौकालउठाहीं ॥२७॥ धूजी
धराअँबरअरदोनूं वारवरबाणकुभेरा ॥ बगतरपहरमँडचोसि
सपालौ लागीलायसुमेरा ॥ २८ ॥ जूझरद्यादौवाँदलमाहीं

घावघणेराघालैं ॥ सबलतेगसिसपालबलीकी नाथबिनाकुण झालैं ॥ २९ ॥ संकथाहुईदिवाणामाहीं पारब्रह्मपरचायो ॥ सुरगुरुभीरपरीजबासिखमें परमधामसेंआयो ॥ ३० ॥ सुरगुरुकहदेवनकूँधावोऔरउपायनकोई ॥ लंकाबंधकरीतेतीसँ बोदानाँहैयोई ॥३१॥ सर्वदेवअस्तुतकरतहैं श्यामइश्यामपुकारौ ॥ धनुषधारिकरुणाँनिधिऊठेपदमतणेंआधारौ ॥३२॥
दोहा ॥ बुद्धभणें बृहस्पतिगुरू, मोशिरमोटाडाव ॥ तीनूँम्र गडाझालसी, ऋषपांडवबलराव ॥ १ ॥ भींवभणेंकुंतीसुता, योदलदेसांमोड ॥ पीठदिखावाश्यामने, लागेमोटीखोड॥२॥ सार संभावोसूरवाँ, घणसाथांबोहोठह ॥ दावानलसिसपालपैं, वहपांडूगहगट्ट ॥ ३ ॥ पांडूदलसिंधूहुवा, साकाबिदरभदेश ॥ छराछगतहैपंडनें, दिल्लीदीपनरेस ॥४॥ दुखभंजन

भयभंजना, बृहस्पतिकैहेबनाय ॥ दानादेवाभिडायकै, सू
तौलकलगाय ॥ ५ ॥ रागमारू ॥ सारँगधनुषसाजिबनमा
ली सुरनरसबैचुलाया ॥ पाटपतीपरतंग्यापूरण हँसिहँसिकंठ
लगाया ॥ १ ॥ चिंतातजौदेवदलनायक धँवलछत्रासिरधारू ॥
केवलकंथककरूअसुराँको भूकोभारउतारू ॥ २ ॥ तडमडहु
तंतकाबाज्या नेमनाथदलमाहीं ॥ हलधरजायभिडौअसुराँ
सेथेपछैकरोलाकाँई ॥ ३ ॥ बाजेशंखधुरेरणसिंगासिरथातँ
णाँदलकंठ्या ॥ नौपतबाजरहीनानाथाँस्यामदलबरसंठ्या
॥ ४ ॥ रिपपररीझरहेजनवारी आदरकरकेलीनाँ ॥ अपणे
करकाबाँणकृष्णजीनेमनाथनंदीन्हाँ ॥ ५ ॥ माँझीगाजरह्या
भारतमैं अर्जुनभाँवमलाई ॥ बहुपाँडवहतनापुरवाला पहुँ
चयाहात्यामाहीं ॥ ६ ॥ हौदाहाँकेलियाँहात्याँका सैन्य

चढीमतवारी ॥ जिणबेल्याँपंडूराजानैं बीडादेबनवारी ॥७॥
मिसलतइसीकरौसिरदाराँसबहीसारसँभाया ॥ दलसूँघातें
ऊँधाकरद्याँ तौकुंतीकाजाया ॥ ८ ॥ पांडवदलचढियामहमं
ता अर्जुनभींवउपाला ॥ कूदपरयालंकामेंजैसे कपिकिसकं
दावाला ॥ ९ ॥ कारजआजस्यामसुखआगे करहँभींवमहमं
ता ॥ बीडाझालदिलीपतचाल्याज्यूँलंकाहनुमंता ॥ १० ॥
बिकरालीकौपीबलवंतीच्यारभुजामुकलाती ॥ बावनभैरूँ
चौसठजोगण फिरैंअसुरदलखाती ॥ ११ ॥ दोहा ॥ गिरी
सिखाजलऊझल्या, छिपगया चंदरूसूर ॥ मानौंगोबरधनऊ
परैं, इंद्रचढयाअक्रूर ॥ १ ॥ रागमारू ॥ इंद्रचढयाअक
रूरस्यामदलनवग्रहनौपतखानाँ ॥ कहबलदेवउधारकिसी
ज्यूँकिलकारेहनुमाना ॥ १ ॥ कौसअसीमाँहींजाढूदलगज

गरमोगरठाटौ ॥ सुरडचल्याभेलाहोयजानीऊजडगिणेनबा
टौ ॥ २ ॥ अपरमपारसाथहै सुथरा बिलदाहाके बानाँ ॥
हींडतहाथीदलकेसाथे भारथदेवरुदानाँ ॥३॥ सुरदलचढया
असुरदलकंप्याझुकिगयादेवदिवानाँ ॥ बारहक्षौहणलेवलभद्र
पूगोजादवहुवारवानाँ ॥ ४ ॥ वरखैलोहसारधनतूटैमुगदरमू
सलपेलैं ॥ आपैइखायपडेमूर्छागतहलकीत्रासनझेलैं ॥ ५ ॥
पटकेखौनआँगलीखूनीसैनदईपलकारी ॥ हौदेजायखतीडाह
लककेशौतणीकटारी ॥ ६ ॥ छपटीकरेगणेसाधूँमेंमंगलमार
मुकेरे ॥ दानाँकाछत्रसीसतेंतोडैगाहिकरफेरसीफेरे ॥ ७ ॥
अर्जुनहाथसाथरासुथरा डाहरसूपसमानाँ ॥ येकबाँणलाखाँ
दलसाथेपडतादीखेदानाँ ॥ ८ ॥ दानाँमाहींचढगयाजादूगर
ताँकीचडमातौ॥बरखेबाँणमेघकीनाईदिनसेहोगइरातो ॥९॥

लपटझपटहूवासवजूझैंभैहुवाबासकताँई ॥ तिरताफिरैछंत्र लौहूमैंज्यूंनवकाजलमाँहीं ॥ १० ॥ गजसिरवरषैसेलकटा रयाँ नवनेजाँताहाँपाणी॥ फटीपालभेलमरजादाँमानसरौवर जाणीं॥११॥भेलदियोअसुराँदलमातौ नटवरभेषगवाल्या ॥ लहसकरलूटलियोडाहलकौं गोकुलकेभिडवाल्या ॥ १२ ॥ कुंजरपड्यालाखनवहूणा गमनाहींकेकाणां ॥ देशदेशराजा केदेखनपाडियारह्यानिसाणाँ ॥ १३ ॥ कहताँघणीसरीनहिंथे कौसिरधूणेसिसपालौ ॥ लाडीगईलाजवीलेगई मूढौकरगइ कालौ ॥१४॥ वहमसलाबामीकाआवै खोयदइलाजबडाई॥ भेलाचल्या कुंदनपुरआगे दंतरायसाभाई ॥१५॥ हीणहोय सिसपालौभाग्यो किसीकपरण्यांप्यारी ॥भेलहचल्योसिसपा लपाघडी दम्मघोषराजारी ॥ १६ ॥ हलधरकहैसर्वदेवनसे

बेगकरौअसवारी ॥ उलटावोहोडअखाडैल्यावौफेरकरौंगा
धारी ॥ १७ ॥ अरजुननेमनाथहल्धरसूंकहैसिरीपतराजा॥
भागाँलारघावनहिंघालौं छैआपानेलाजाँ ॥ १८ ॥ नेजाछो
डगयाफरकंतानौपतसहताबाजा ॥ पदमभणेभारतमेंभागौ
चंदेरीकोराजा ॥ १९ ॥ दोहा ॥ सुँणभाग्योसिसपालने,
तनमनलागीलाय ॥ जरासिंधअजरायलौ, मारलद्यो बिल
खाय ॥ १ ॥ धरअंबरधुज्यानहीं, तडभडहुवानदेव ॥ जरा
सिंधऊभाथकाँ, कहाजीत्योबलदेव ॥ २ ॥ रागमारू ॥
कहाजीत्योबलदेवखडारहसिंधपहूंच्योआई ॥ दंतरायसो
मोकूँजाणीकहैजरासिंधराई ॥ १ ॥ फिरगइफेरसमुद्रांताई
बाज्याअनहदबाजा ॥ तोमैंबैरकंसको माँगूंएकपंथदोय
काजा ॥ २ ॥ होयतडाभडसेनाउमडीकालजनमदर्शाया॥

दानातेगझटापटबूठेधरअंबरथरराया ॥ ३ ॥ जमके ह्वय
जरासिंधआयोनेजाधजाचढाई ॥ खड्गत्रिशूलमलकेमाला
ज्यूंदामनघनमाहीं ॥ ४ ॥ नारदनाचिरह्योमण्डलमें ख्याल
रच्योघरजाणी ॥ दलभंजनराजाजबआयो साको भयो
हिवाणी ॥ ५ ॥ कायावज्रवज्रकेहाथी वज्रबाणदलजोई ॥
जरासिंधराजाकेसन्मुख बलीनमंडेकोई ॥ ६ ॥ कलहदा
नकुंदनपुरहूवा बाजरह्योरणतूरा ॥ थँबगयारथसूरजराजाका
देखतमासासूरा ॥ ७ ॥ चहुंदिशिचक्रबहेदानाका बाजे
अनहदबाजा ॥ मानोजलंधरसंकरजैसो मंडियोमहासमाजा
॥ ८ ॥ धूजीधरागगनबीधूजे शेषनागथरराया ॥ मानोकुम्भ
करणलंकासोंइणअवसरचढिआया ॥ ९ ॥ जबदेवांकाहिर
दाकंप्याधनुषबाणलेनाहीं ॥ देवाँदलाँदानवाँझूझेजरारलीता

माहीं ॥१०॥ लाँबीभुजासहसरघुवरकी वाकीसरणविचारो॥
पद्मभणें प्रणमैं पायेलागूं ध्यान चतुरभुजधारो ॥ ११ ॥
दोहा ॥ जुधमैंबाजाबाजिया, जरापहूंतीआय ॥ किताकजो
धागिटगई, किताकमुखकेमाँय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बीसजो
जनमैंपाँवजराकादशजोजनमेंहातो ॥ पाँचजोजनमेंशीश
भणीजै दोयजोजनमेंदाँतो ॥ १ ॥ नेमनाथराहलकाभलका
जाकेसन्मुखधाई ॥ भाजपड्यासबमूंढाआगेराँडडाकणीआई
॥ २ ॥ गौरीसहितसदाशिवभाग्याभाग्याजादूराई ॥ सुरते
तीसाँरणतेभाग्याजरापहूँतीआई ॥ ३ ॥ रणसंग्रामकदेनाहिं
हारयाकदेनहारयाखाँडे ॥ दानासैंहमजुधकरजीत्या माद्या
मोडीराँडे ॥ ४ ॥ हरिहलधरनैहुकमाकियोहैजराव्याधिननैं
मारो॥यातैंथारौंडावनआवैटणीदेहबधारो ॥५॥ हलधरलेहल

मूसलच्चाल्योजरासाम्हनेआई ॥ हलसैंव्याधअफूटीफेरी मूस
लशिरठहकाई॥६॥जरामारमृत्युमंडलगेरीसुरांपुष्पबरषाई॥
कृष्णकँवरदुलहाकेऊपरदासपदमबालिजाई ॥ ७ ॥ दोहा ॥
देवाँरादलजमसुता, हरिजनमानींरीस ॥ भरिच्चढ्योबलदेव
की, गरुडच्चढ्योजगदीस ॥१॥ रागमारू॥गरुडचढ्योजग
दीशधनुषधर चंद्रबाणकरधारी ॥ दसमस्तकबीसूँभुजभंज
नरामरूपबलिहारी ॥१॥ छपनकोटजादूचलाआयाबडाछत्र
कीछाया ॥ सरणसरणतेतीसूँलाखाँचरणाँशीशनिवाया॥२॥
ब्रह्माँसुतनारदयूँबोले अरजहमारीलीजे ॥ जिणवरतेंदाना
शेजीत्यासोवरम्हानैंदीजे ॥ ३ ॥ सन्मुखहुवाजगतपतनाथक
वरदेवानैंदीन्हा ॥ संकटमैंजुसायहारिकीन्हीं जराजोरहरली
न्हा ॥ ४ ॥ सुरतेतीसहुवादलनायक सेन्यासबचढिआई ॥

इततैंदलदेवनकाचढियाउतैंजरासिंधराई ॥ ५॥ उल्कापात
अग्निजबऊठीभारअठारेदूजे ॥ अष्टकुलीकानायकचाल्या
चंद्रसूरनाहिंसूझे ॥६॥ अष्टसिद्धअरुनवनिधराणी कुलीनाग
बलन्यारा ॥ च्यारूँगैंददिगपालासूँ आनपड्याशिरभारा ॥
॥ ७ ॥ पाटपतीदोनूँदलभिडियाँरोकिल्यिारेनिसाणा ॥
लंकाकोटरामदललागा वहदलवेहीवाणा ॥ ८ ॥ हतनापुरका
राजा बोले सुणवसुदेवकुमारा ॥ भाग्यांदूरद्वारिकानगरी
कीजैकोणविचारा ॥ ९ ॥ मिसलतहुईदेवदलमाहासुरनर
मुनि सबआया ॥ सिंघरूपदानांकेसन्मुख अर्जुनभाँवाबि
नाया ॥ १० ॥ बाँकीअणीबंकफौजाँकीनेमनाथथेझेलो ॥
हलधरकहैहुक्मकेसौकाऋख्यातणांदलपेलो ॥ ११ ॥ धर्म
पुत्रराजायूँबोल्यो धर्मीमँडगयासाका ॥ पहलचोटअर्जुनसे

भिडियाकियायादवाँहाका ॥ १२ ॥ अर्जुन बाणह गदा भींवकीचूरकियादलसोधा ॥ गेरदियाहसत्याँऊपरसैं जरा सिंधकाजोधा ॥ १३ ॥ आयुधयणाहात नहिंचालैनेमनाथदल जोडा ॥ घोडाऊँटरथथहात्याँकाटूककियायकठोडा ॥ ॥ १४ ॥ हाथीपेलदियामारथमैं फौजाँचढहंकारी ॥ हलमूस लदानापरटूटेमहाप्रलयकरडारी ॥ १५ ॥ सुरपतिराववज्रवं बाडे मानौबीजचमक्के ॥ शिरवराहपातालशेषकेमाथेजाय ठमक्के ॥ १६ ॥ ओलाज्यूंगोलाऔलरिया मारपडीदलहाली॥ नायकपक्यारावडाहलकाहौदाकरदियाखाली ॥ १७ ॥ गौरीसुतबिन्यायकराजाशिवकावज्रसँभावे ॥ रापटरोलकरै सूंडालौपकडसूंडघूमावे ॥ १८ ॥ गुपतीचक्रचलैनाथाँका कोईगुपतकोईछानैं ॥ कैलासीशंकरकोगणपत कह्योनाकिह

कोमानैं ॥ १९ ॥ नारदमुनीगरुडब्रह्माकाकालबाणइमधारे ॥ मानोहनूमानलंकाकोचहूंओरसूंजारे ॥ २० ॥ चहुँदिशिचक्र वहैचंडीका लूगडियाअगवाणी ॥ बाँध्याचक्रथूंसेनाऊपर नगरकोटकीराणी ॥ २१ ॥ किलकैकोपकरैबलवंतीबावनचौसठन्यारा॥ विकरालीदानादलवेगीआनपरीजमद्वारा ॥२२॥ टूटेछत्रबगतराँफूटे धजासबैढलआई ॥ ससतरसबैबहैंचोधारापडीनौपताघाई ॥ २३ ॥ झटकाहोयबटकतनटूटैटूटैपाखरघोडा ॥ लटपटसीसपडैंदानांकागराहुवायेकठोडा ॥ २४ ॥ खेतांरगतवहैदानांकौ नदीभादवामांहीं ॥ जोजनपाँचसातझडपाडिया गलगोटागलबाँहीं ॥ २५ ॥ हातीहसतारह्याधँवलहरऔरसौवनीसाजा ॥ चौटीआनदईकुंदनपुर दसूँदिसाकेराजा ॥ २६ ॥ अग्निबांणभ्रमचक्रांचालैंछूटेजंत्रहवाई ॥

हातौंखपरत्रिशूललियाँशिवरणमेंजोगणआई ॥२७॥ खेचरि
भूचरि औरसंखणींगिरजलसबैचढधाई ॥ चूँणचुँणसीससदा
शिवशंकररूंडमालढलकाई ॥२८॥ लोटैंपडैंतडातडऊठैंरोक
लियारडथाणाँ ॥ सतरैलाखसखतपाखरिया खालीहुवापि
लाणाँ ॥ २९ ॥ बावनभूपधजाबंधराजा सैन्याकीगमनाहीं ॥
लाखाँपतीकिरोडाँहाथीजायपड्याजंगमाहीं ॥३०॥ घरेहाण
हाँसीजगमाहीं बातच्यारजुगचाली ॥ ग्यारहलखपलखी
डाहलकी हुईखेतमैंखाली ॥ ३१ ॥ भागचलाचलहुईचंदेरी
धणींरथांकाबीता ॥ सातलाखतौरथघोडांकाहुवाखेतमैंरीता
॥ ३२ ॥ तौबात्राहमचीडाहलकै पडियाघायलकंपै ॥ मांगैं
नीरबोलनाहिंमंडैमुखसूंबैंणनजंपैं ॥ ३३ ॥ घूमैंपड्या राव
डाहलका कायरज्यूंबतलाया ॥ छटीरातकालेखटलैना हाणा

पाणिल्याया ॥ ३४ ॥ कोटउपायकरीबलवंतोपेचयेकन्नौ
लाग्यौ ॥ चंद्रबाणकेसौंकरछेद्यौजरासिंधबौभाग्यौ ॥ ३५ ॥
भलीभाँतकीजानखपाईभूपभूरायासारा ॥ जरासिंधजबहीं
भगत्यात्याऊंधापडयानगारा ॥ ३६ ॥ जहाँतहाँजादवराजा
कावाजैनौपतबाजा ॥ पदमभणैतिहुँलोकामाहीं संखपचायण
बाजा ॥ ३७ ॥ दोहा ॥ संखपचायणबाजतौं, राजायणौं
उछाह ॥ पतरालीमहराजनैं, असुराँकियोसँघार ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ असुराँकियौसँघारस्यामदलजीत्यात्रिभुवनराई ॥
भागगयासिसपालजरासिंध खबरकँवरपैआई ॥१॥ कोप्यौ
कँवरभीँवराजाकोसबहीभूपबुलाया ॥ चौपरकरौवेगचढवाको
जुधसामानभराया ॥ २ ॥ मिसलतहुईकँवरदरबारामंत्री
करोविचारा ॥ पारब्रह्मसौंजीतानाहीं धीरजमलीकँवारा ॥

॥ ३ ॥ कबकोभूपभयोभिडवाल्यौनंदमहरकोपाल्यौ ॥ बाण
विद्याकबहूतैंसीख्यो गायांतणौंगवाल्यौ ॥ ४ ॥ भागौकाल
जनमकेआगेजलमैंजायबसायौ ॥ लाजनमरेसरमनांयाके
फेरविवाहनआयौ ॥ ५ ॥ सेरभयोसिसपालभागतां हमते
मांडयोपालौ ॥ रुकमकँवरकौनामसुणंतांमिटेजायकालअ
कालौ ॥ ६ ॥ राजमेदतैंरुकमणिलेगयो सूतौसिंघजगा
यौ ॥ जमींदोंचकरयूंभिडवाल्या तौभीपणकौजायौ ॥ ७ ॥
फौजाँघणीहलीलाहाथी रविरथकायोबाणा ॥ जोजनसा
तमांहिंसांचारियोकँवरतणांदलपाणा ॥ ८ ॥ तीसलाख
पवनांधरपाखर इसीसाखतीजांणी ॥ कँवरचढयासायरका
टूटयाजोजनजोजनपाँणी ॥ ९ ॥ चाँपरकरौवेगचढवाको
सांतरसबैसँवारी ॥ भागजायजादूभिडवाल्यौ बेगकरोअस

वारी ॥ १० ॥ दलमैंजापहुँच्योदूसासन जाँणइंद्रघररायौ ॥
खबरकरौभिडवाल्यासेतीरुक्मकँवरचढिआयौ ॥ ११ ॥ चहुँ
दिशिचक्रबहैकँवरांकानभकौटूटोतारौ ॥ सनमुखकँवरलडै
भीषमकोसारबहैचौधारौ ॥ १२ ॥ चालैबांणजँझीरागोला
उलटपुलटअँधियारौ ॥ माच्यौरीठकृष्णदलमाहीं निकस
गयोदलपारौ ॥ १३ ॥ इंद्रजीतराजाभीषमकोकालपहूँच्यो
आई॥सनमुखगदाउठायकँवरजी जायरथपरबाई ॥ १४ ॥
दूजीगदासाँधकेबाही ध्वजासाथढलिआई॥तीनलोककेकरता
हरता उनबीसंक्यावाई ॥ १५ ॥ कृणझेलैरुकमालकँवरकी
पारब्रह्मविनधारा ॥ भींवघराँअहडाईसाजैं समैतणाँअवतारा
॥ १६ ॥ साँधरह्यासबहीकरबंध्याछपनकोटदलबाणाँ ॥
अग्याबिनभारथनाँझेलै सूरजसाखविमाणाँ ॥ १७ ॥ जब

हलधरजीयेसैंबोल्या बीडाघोजदुराई ॥ हलसैंपकडधरूंमूस
लकी खोयद्यूँमाँनबडाई ॥ १८ ॥ केसौकहैहुक्कमनाँथाँनैंरचै
भीवघरचाली ॥ रुकमइथानैंम्हेनाहिंमाराँ म्हारोलागैसालौ
॥ १९ ॥ करजोड्याँकँवलाकेसवसे अरजकरतहैंराणीं ॥
रुकमकँवरकेहातनलावौ परतंग्याम्हेजाणीं ॥ २० ॥ कविरु
वाच ॥ रंगनमांहींकियोविछुंगनअवलामाँनघधायौ ॥ मूंड
मूंछअरुमस्तकमूंड्यौरथकीपीठबँधायौ ॥ २१ ॥ मारचौमां
नकँवरनांमारचौ दोनूंबातउबारी ॥ कहैपदमराजाभीषमको
पकरलियौबलकारी ॥ २२ ॥ दोहा ॥ खेतसम्हालौलखपती,
नैंनभरेसिसपाल ॥ छोहणपिच्याणवेंदलहत्यौ, पछौघरण
वेहाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पछ्योघरणवेहालसबोदलधीरज
कौनबँधावे ॥ म्हारोचलणौनहींचंदेरीजरासिंघचढिजावे॥ १ ॥

जुणमांहींबहुरावतणांकुल सौंदकरेसिसपालौ ॥ कुंणकुंणलांडे
थाकुंणकुंणभागामांन्यारवेतसम्हालौ ॥ २ ॥ सावधानमंत्री
सांच्यारिया आयरावगुदराई ॥ छौहणपांचअंबकाऊपर पड्यौ
दंतधरभाई ॥ ३ ॥ छौहणिसालजडीबगतरकीदेसबंगालेवां
कौ ॥ झडपाडियाचूडीज्यूंदांनारह्यौथेकनांफांकौ ॥ ४ ॥
नेजाझलकंताईरहगया रहगयानौपतबाजा ॥ अरजुनकेरेहात
जलन्यौ भांणकच्छकौराजा ॥ ५ ॥ असीलाखकुंजरझडप
डियानिवेलाखकेकाणां ॥ भींवसेनकेरह्यामौरचे संगळदीप
काराणां ॥ ६ ॥ मूंहमड्यौरावमेवाडौपाघदेसनैंचाली ॥
सूंनीपडीकच्चेरीजिनकीजाजमहोगइखाली ॥ ७ ॥ देखौकौण
हुईदळमांहींहोगइखेळबिनांणीं ॥ बिनभरतारांसतीहोगई
मंडौवरकीराणीं ॥ ८ ॥ जांनगयासिसपालरावकीमचीराव

णाथांणी ॥ तारातखततँबौलपतीकीघरांबिलखवैराणीं ॥९॥
सिंधरावसिसपालसरीखौखबरकनौजखिनावौ ॥ नवीथरप
नांकरौतखतकी बालकियावैठावौ ॥ १० ॥ गाहिटहुईगरकस
बफौजां याछत्र्यांनैंछाजै ॥ बखतभांणमुलतानपतीके नवा
घडायाबाजै ॥ ११ ॥ दानांफिरभागताआगेबुरीबलायनैंछे
ड्यौ ॥ लांबीसूंडसहाशिववाले सारौकटकनबेरचौ ॥ १२ ॥
चांपवांधिहलधरजगमांहीं महाभारथपरभारी ॥ रूपसूंमरो
तासमदानौं पूरीकरदइसारी ॥ १३ ॥ हलकीत्रासदेखनैंभा
गौरावओडिसेवालो ॥ नौपतकौसलईभिडवा घरजायाकियौ
उजालौ ॥ १४ ॥ मरखप्परकालीकिलकाणींनिरपमतीचक
राणीं ॥ बाराछौहणफौजमतवाली अचवनकरगइपाणीं ॥
॥ १५ ॥ बलखबुखारेकाबलवंताउजबखलाखअठारा॥त्रिया

दीपकाराजापाडियो नोछोहणसूंक्यारा ॥ १६ ॥ राणीआयक
होराजासूंखबरओरखीआई ॥ पकडालियोछकमालकंवरनें
हुईयणीहलकाई ॥ १७ ॥ मूंछोसीसमूंछवोमुंडो खोयदइ
मानबडाई ॥ कुणाछोडिसिसपालकियोवर थांमोकरआपाई
॥ १८ ॥ भलीहुईतोनूंकुंवारिया बोहोतमईकुसलाई ॥ हाल
सबोंचंदेरीचालो थो थोंकी वैठाई ॥ १९ ॥ दुसूंदेसकाराजा
पाडियाकरताबोहोतडवारो ॥ पदमभणोसिसपालकहेमेराजा
वलमेंडगयोसारो ॥ २० ॥ रागकालिंगडो ॥ येदुलडोननारे
लाल जोथासवेंगड्यासुखमोड ॥ टेक ॥ सालणरबालीछेना
कांमें रहेतोमटकीफोड ॥ नंदमहरकोकानडोरे आवतोदेवाल
गोदोड ॥ १ ॥ आयाथाकछुओरनेरेहोयगईकछुओर ॥ कन
हेयाकेगांठकोरे अबदेखचल्योघाठोर ॥ २ ॥ जिनाणवेराजा

मरेरे हस्तीलाखकरोर ॥ रावसांडियोभेजियोरेयरथेकुसल कहौम्हारीओर ॥ ३ ॥ तूँराजामूलौ कक्कोरे डाहलमतकोइ करोउपाय ॥ रुकमणिसौंथारैयणीरे उपनूपडयोगवालले जाय॥४॥ बुरीहुईसिसपालमेंरे देख्योकुंदनपुरकीकूँट ॥ ब्रह्मणआवैवाणनैं रे वाकेलागझाडरबूँट ॥५॥ हरीनेंध्याफल पावियोरेमूरखकरतौवचनकठोर ॥ पद्मकहैसिसपालडा हलारेतेरौकुजसछायौचहुँओर ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ हो जीहरिवीरम्हारोअतिदुखपावै ॥ टेक ॥ भीषमनृपकौराव रुकमइयौ अबयाकूंकौनछुडावै ॥ १ ॥ बंधूम्हारौबाँध्यो है हरिनैं कौनखबरपौंचावै ॥ २ ॥ जबवहांखबरसुनै पितुमेरौसटकैंआँणछुडावै ॥ ३ ॥ करुणाभरीरुकमणीठाडी नैनांनीरबहावै ॥ ४ ॥ हाथजोडरथनीचेआई हरजीकीओर

लखावै ॥ ५ ॥ होव्रजराजलाजमेरिराखौ थेजगमोयबुरावै ॥
॥ ६ ॥ पदमस्यामप्रभु मनमैंहरखे वचनसुनतासखुचावै ॥
॥ ७ ॥ दोहा ॥ रोसभरीराणिरुकमणी, रथसेउतरीआय ॥
वंधुहमारोबाँधियौ, कौइनसखेछुडाय॥१॥रागभैरवीकाफी ॥
म्हाँनैलागोबीरकोतीरथेमतमारोहलधरकावीर ॥ टेक॥ बाँह
डलीफाटेरुकमइयाकी आखरम्हारौबीर॥१॥सावनहीं थारै
आँखलाजनहिंनहिंजाणौंपरपीर ॥२॥ बरजरहीबरज्यौनहिं
मानौ आखरजातअहीर ॥३॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागैनैणा
खलक्यौनीर॥४॥ दोहा॥ हलधरदेखीरुकमणी, बिलखीराज
कँवार॥ अरजुनऊधौभगतसहि, थेसैंकहैंविचार ॥१॥अरजुन
ऊधौभगतसैं, बिसटालादियापठाय ॥ बिसटालौरीबीनती,
प्रभुसुनियौजदुराय ॥ २ ॥ इणराहातकिसीबिधछूटे हासाना

थोसार ॥ कह्योंनमाँन्यौंराजाभींवकौ रुकमबडौजूझार ॥३॥ इणराहातकिसीबिधछूटैं घणाँबजायाकपोल ॥ कह्योनमाँनूं भगताँथौराँ म्हानेंघणाँजबोल्याबोल॥४॥ रागमारू॥ सठकौ नांसठताइदेखौ रुकमणिओरनिहारौ॥ भगतकैरैछैबीनतीजी रावरोबिरदविचारो ॥ १ ॥ भगताँरीहरिमाँनींविनतीरुकम इयौमुकलायौ ॥ भुजापकरिकेआगेलीन्हौंचरणाँआपलगायौ ॥ २ ॥ म्हैंअपराधीकियोनमान्यौथेसहीजगोकुलकानौं ॥ भींवसेन तो बरज रह्यौ छौ म्हैं हरि मरम न जानौं ॥ ३ ॥ म्हैंजान्यौं जगदीस सनातन पारब्रह्म नाहिं छाँनौं ॥ पदम भणैं प्रणमैं पाये लागूं अब तौ ठाकुर माँनौं ॥ ४॥ अथ चंदेरीकी कथा प्रारंभ ॥ दोहा ॥ सखीसंग भाभी भणें, मौ मन घणौं उदास ॥ बिलखा छै रंगमा लिहया जाणुं, बिलखा छैं

रणवास ॥ १ ॥ चंदेरी सूँनी पडी, फरकन लागी गात ॥
काँसैं भोजन चाँपियो, घरे नहीं कुसलात ॥२॥ महल चढी
सिसपालके,चहुंजोवैअकुलात॥ तखतचंदेरीराजवी माँनू, घ
रेपधारचारात ॥३॥ अथकुंदनपुरकीकथा ॥ दोहा ॥ सिस
पालौबिलखोभयौ, सगलीजाँनखपाय ॥ जरासिंधसूँयूँकहै,
मरूँकटारीखाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ छुरीकटारीबेगमँगावो
खायछुरीमरजाऊँ ॥ घरमेंभाभीसुगणीभावज मूँढोकठै
दिखाऊँ॥१॥कहैनेवगीसुणोसिरदारौ मिसलतइसीलगावौ ॥
थारेकमीनहींकाहेकी साँगतओरमँगावौ ॥ २ ॥ लेयबधाई
चलेनेवगी ज्योंज्योंभीतरआयौ ॥ सैनभगतनेंदेखआँवतौ
पटराणीबतलायौ ॥ ३ ॥ काँईकाँइतौथानेंदियौकौरवरौकाँ
ईसाम्हेलेपायौ ॥ कोंईतौहतलेवैदीन्हौंकाँइसमठूँणीआयौ ॥

॥ ४ ॥ कौरवराणिमूसलदीन्हीं साम्हेलोबील्यायौ ॥ समठूँ
णीपरपडीबीजली हतलेवैहरिआयौ ॥ ५ ॥ हलसूं तोम्हारी
हुईआरतीमूसलरौलमचाई ॥ कहैनेवगीसुँणपटराणींसगली
जानखपाई ॥ ६ ॥ पहलेगोलैउडोसीघडी दूजेचिराकछुडा
ई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँहुईघणींहलकाई ॥ ७ ॥ दोहा॥
अतिआतुरसिसपालकौं, जरासिंधदेधीर ॥ जीतहारयेकठौर
नाहिं, फिरतीरहैंभटबीर ॥१॥ कहैजरासिंधरावयूँ, घरचालौ
सिसपाल ॥ इणअवसरजीतौंनहीं, सानुकूलहैकाल ॥ राग
सोरठका रेखता ॥ कॉईकहूँरीमइयामौरीकैसेंजाऊँचंदेरी॥
टेक॥म्हैंनौजकुंदनपुरआयौ॥ म्हारोसगलौसाथखपायौ॥१॥
म्हॉनुभाभीबहुतसमझायौ ॥ म्हारेदायथेकनाहिंआयौ ॥२॥
आगेभाभीसुलखणींनारी ॥ मनैंदेखतदेसीगारी ॥३॥ यातो

रातपड्याँघरआयौ ॥ खिड़कीमैंमूँहछिपायौ ॥ ४ ॥ भाभी
यूँकहकेबतळायौ ॥ ज्याँरोपदमभगतजसगायौ ॥५॥ दोहा ॥
रातपड्यांघरआवियौ, पड्दादियाखँचाय ॥ मुखाँकँवरबोले
नहीं,अनपाणीनाहिंखाय॥ १ ॥ जेसपनौसाचौभयौ, भाभी
करेउपाय ॥ संगलेसखीसहेलियां, महलबनाँकेजाय ॥ २ ॥
मुखदिखलाओकँवरिको, देखतसुखहोयमोय ॥ कराँबधावारं
गरली,यूँजाणैसबकोय ॥ ३ ॥ कितौकदीन्हौंदायजौ,काइँ
मिझमाँनीकीन ॥ गजघोडाभूषणबसन, बरतनाकिताकदीन
॥ ४ ॥ रागमारू ॥ कितरादिनामिझमानीजीम्याकिस्यो
दायजौल्याया ॥ दासीदासचरणसेवनकूँकिताकसाथखिना
या ॥१॥ राजाभींवमिल्योकिणविधसेंकिणविधफेरालीन्हां ॥
कितरौथारौखरचकरायौपेरावणीकाँइदीन्हाँ ॥ २ ॥ सुण्याव

चनभाभीरामुखसूँमनमैंआतिपिस्तावै ॥ नीचौसीसदियौगो
डामैंफिरकरज्वाबनआवै ॥ ३ ॥ थाँरौमनभावैकुंदनपुरफेर
खिनावाँजाज्यौ ॥ अबकेफेरकरीउतावलअबकैढीललगा
ज्यौ ॥ ४ ॥ म्हैंतोदेवरसबसुँणपाईआछौजसकरआयौ ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँतीनलोकजसछायौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥
घायलडोल्याँदायजा, उतरेपुरमैंआय॥रुदनकरैंबहुनारियाँ,
जाँणकमंगलगाय ॥ १ ॥ रँगरँलियाँरोवेंत्रियें, घरघरलंबी
पहर ॥ घायलडोल्याँदायजौ, यासुखबिलसेसहर ॥ २ ॥
रंगछिडक्योचवतौरुधिर, जाँणकसूमलजोड ॥ घरघरगावै
घेरिया, देतीचुडलाफोड ॥ ३ ॥ रागमारू ॥ बनडीदेखण
आईकँवरजी पडदौपरौकरावौ ॥ रंगरँगीलीकाव्याहकँवर
जीमुखसूँकेयसुनावौ ॥ १ ॥ कहाकहादानदियौरुकमइये

किस्यो क्यो हाथजौल्याया ॥ मौडबाँधकेसज्याकुंदनपुराकिसी
भलीकरआया ॥ २ ॥ हातधस्याहतलेवौकीन्हौंकितगयो
सिरकोलाजो ॥ धिगधिगस्यारौजगतकरतहैथेहीकँवरथाँने
छाजे ॥ ३ ॥ होज्याठाटबाटघरआया येहीहाथजौजानौं
भलीभईघरआयाजीवताथोहिलाडोकरमानौं ॥ ४ ॥ येसारो
जुगतिसूँकोज्योघरेजीवताआया ॥ सौन्यापतिदूंतासाराजा
दुनकौंकितछोड्याया ॥५॥ भलीकरीजाहूराजानैंबुधहरलीनी
थारी ॥ लटपटपागसेहरौबाँधियौलैगयोगवालडतारी ॥ ६ ॥
मूलरकह्योबुरीम्लतमानो बेगमजातहमारी ॥ मांवसुतापरणी
जपथारच्या बोलैंमहलाँप्यारी ॥ ७ ॥ म्हाँसूंलोगओलमा
देवैं हसहैं लोगलुगाई ॥ पदमभणैंधिगजीवनडाहलौकिसी
कवलडाआई ॥ ८ ॥ दुंडक ॥ दुंताधराकितछोडासि

सपालभागिआथे हँसैंबहुनारियांकीयहाँसी ॥ आपकुस लघूछेभाभीआपसूं भीमसुतडौलकहोकदीआसी ॥ गया थाअठीसूंअसंकदलमेलनें बाजतासघणनींसाँणबाजा ॥ गयाजिणडाणआयानहींघूमतानवलबनडीकोरथकठैराजा ॥ कौडराषजानाकितरैंखीयासबैपरणडमाढअंगसुगंधपीठी ॥ यतावोम्हानैंवारुकमपंवारनीदेषवाचाहम्हेनाँहिंदीठी ॥ नम्र चंदेरीकीहँसैंमृघानैणियांलौंयण्याझूंडमिलगीतगाया ॥ डो लियांघायलांउतरैडायजौइस्यौबीवाहकरघरेआया ॥ १ ॥ छंदरेखता ॥ सुनौंसिसपालहोदूवर ॥ कहाँतैंनेंखोदिया जेवर ॥ सुनौंसिसपालकीआवी ॥ मुखायूंबोलतीभावी ॥ ॥ १ ॥ चंदेरीआयक्याकीयौ ॥ जहरविषखायाकिनलीयौ ॥ सुनौंतुमरावासिसपाला ॥ लगायावंसकूंकाला ॥ २ ॥
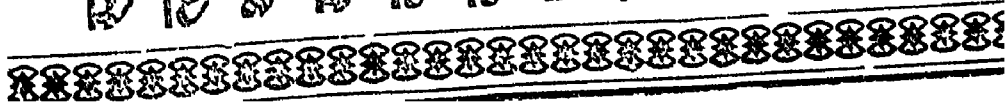
मैंनेंतोयबहुतसमझायौ ॥ समरतैंभागकरआयौ ॥ कबेतुम
कियौपेसारौ ॥ नगरमेंचावथौथारौ ॥ ३ ॥ कहाँतेरीगहनकी
बोली ॥ कहाँतेरेअंगकीचोली ॥ कहाँतेरेपाँवकीजोडी ॥ क
हाँतेरीचढणकीघोडी ॥ ४ ॥ कहाँसिरपावरंगभीनौ ॥ काहु
नेंदानकरदीनौ ॥ कहाँतेराऊंटअरुघोडा ॥ कहाँतेरपालखी
जोडा ॥ ५ ॥ कहाँतेराजानकासाथी कहाँद्रगपालसेहा
थी ॥ किस्यायेकदायजोदानीं ॥ किसीयकहूईपहरानीं ॥ ६ ॥
लक्ष्मीभींवघरजाई ॥ किसेहगाँमतेव्याही ॥ कहोकथाकि
याइतआई ॥ मरचानाहिंजहराविशखाई ॥ ७ ॥ सीखमाँनी
नहींमेरी ॥ लगायौदागचंदेरी ॥ कहाँगइफौजसबतेरी ॥
केहलधरमारसबगेरी ॥ ८ ॥ कहाँतेरासाजअरुबाजा ॥ क
हाँनिन्नाणवैराजा ॥ कहाँतेरारथअरुगाडी ॥ कहाँबारुकम

णींलाडी ॥ ९ ॥महलमेंबोहोतसमझायौ ॥ मुरखतेंजावनांहिं आयौ ॥ धरणिमेंचौगीसिसपालौ ॥ मूढातोहोयगयोकालौ ॥ ॥ १० ॥ तुच्छतेंखालियोजाण्यौ ॥ करतानहींआपपीछा ण्यौ ॥ हुईक्याहोयगीऔरै ॥ मतीनाभूलियौभोरै ॥ ११ ॥ राज्यसीजग्यजावोगे ॥ वहाँसेनाँहिंआवोगे ॥ चक्रयेकवनें गौथारी॥ नमाँनेंबाततुम्हारी ॥१२॥ मानीनहिंबाततूंमेरी ॥ तबैभइयहदसातेरी ॥ पद्मकरजौरिकेगावै ॥ कियौसौआप नौंपावै ॥ १३ ॥ दोहा ॥ लछकाणोबोलैनहीं, नीचाकरलि यानैण ॥ धरतीतिणखासूंखिणै, मुखाँनजंपेवैण ॥ १ ॥ राग ठूमरी आसावरी ॥ बनाँजीबनरीजोबनआई ॥ किसैमहल बैठाई ॥ टेक ॥आसामुखीउदासीसबहीयेतो छैयरकानाई ॥ थेतोपरणपधारचालाडीमाँगेरैंसबधाई ॥ १ ॥ जरासिंधके

पडीदडादड हलधरजंगमचाई ॥ रुकमइयाकीमूंछमुडाई
अक्कलकहाँगमाई ॥ २ ॥ कहाँतिहारेरंगकेढौलेकहाँरुकमणि
बैठाई ॥ सवाकोडकोरतनमूँदडौ देऊँमुखदिखलाई ॥ ३ ॥
बाभीदेतडलौहणोजीठट्टाकरतधमकाई ॥ पदमइयौस्वामी
भणैंतैंसगरीजाँनखपाई ॥ ४ ॥ ॥ रागसोरठ ॥ ॥ तंगीतं
गीवचनसुनावौबोलौबौलणाँ ॥ टेक ॥ वचनथांराघटमाँईनें
भूलाँनैंभाभीजीराझोलणां ॥ १ ॥ लाजगईकुंदनपुरआगे
बाततांणैंकुणतोलणाँ ॥ २ ॥ पिचाणवैंक्षौहणदलखपियौ
जायपडचाजोधाघणाँ ॥ ३ ॥ पदमभणैंभाभीसैंदेवर वचन
नहींछातीछौलणाँ ॥ ४ ॥ रागबरवो तालठूमरी ॥ मैंदीतूंल
गायाहीरयो ॥ होशिसपालादेवरियो ॥ टेर ॥ हाथाँकेमहदी
पायांकेमहदीजी ॥ कजलोसारचांईरयो ॥ १ ॥ टेर ॥ बांद

सेहरोगयौकुंदनापुरजी ॥ कोंकणवाघांईरयो ॥ २ ॥ टेर ॥
जेवरपहरचढ्योघोडीपरजी ॥ बागीपहरयांईरयो ॥ ३॥टेर॥
डुपटो ओड बण्योतुंवनरोजी ॥ कीलंगीटांग्यांईरयो ॥ ४ ॥
॥ टेर ॥ त्रिभुवनपतीकोकरीबराबरजी अंगसुंबान्यांईरयो ॥
॥ ५ ॥ टेर ॥ मेरोकहणोषारो लाग्योजी ॥ ईवरुकमणविना
वधूरयो ॥ ६ ॥ टेर ॥ पदमभणैप्रणमैंपायेलागाँजी ॥ लाज
गमायांईरयो ॥ ७ ॥ होशिसपाला० ॥ रागसोरठ ॥ जालि
यानैंकाँईजलावोहोभावजजालिया० ॥ टेक ॥ तैंवरज्योंम्हैं
माँनीनांहीं हौनींकौंनामिटावै ॥ १ ॥ क्षोहणपिचाणूंसबदल
खपियौमेरोईमनपिस्तावै ॥ २ ॥ पदमभणैभाभीकैचरणाँ
सिसपालौसीसनवावै ॥ ३ ॥ रागकाफीआसावरी ॥ तैंतो
मोरीमाँनीनहींसिसपाला ॥ जोयाकहाँगयेरखवाला ॥ टेक॥

त्रिभुवनपतिकीकरीबराबरचालयौचालकुचाला ॥ तैंतोमो
री० ॥ १ ॥ कहाँगयेतेरेसाँहणबाँहणकहाँगयेऊँठरसाला ॥
कहाँगयेसिरपेचकिलंगी कहाँगइमोतियनमाला ॥ तैंतोमो०
॥२॥ कहाँ गयेवसनपागसहिजामौ कहाँगयेसालदुसाला ॥
पद्मभणैंभाभीयूंबोलेतीनलोक प्रतिपाला ॥ तैंतोमो० ॥३॥
अथकुंदनपुरकीकथा ॥ रुकमणीमाता अंदेसौकरै ॥ छंद ॥
कोटभाँणप्रकासुंदर ग्वालकेसंगकाबणैं ॥ देवजिनकालेख
लिखिया येहवचनराणीभणैं ॥ १ ॥ अंबकाम्हेघरपुजाती
जाणदेतीम्हैंनहीं ॥ येहीअंदेसौरह्योमनमैंचलतरुकमणनाक
हीं ॥ २ ॥ प्रीतकीयेकबातसजनीं रुकमणीहमसैंकही ॥ द्वा
रिकासैंकृष्णआये वाकेसंगरुकमणीगई ॥ ३ ॥ माँडवौम्हारो
रह्योकँवारौअबकहोकैसोबनैं ॥ दासपद्मविचारकेमनरुदन

करराणींभनैं ॥४॥ रागमारू ॥ राणींभणैंसुनौंराजाजीअब कछुकरोविचारौ ॥ कृष्णदेवरुकमणिनैंलेगयो माढौरह्योकँवारो ॥ १ ॥ राजाभणैंसुणोराणीजी म्हारोकांईसारो ॥ कृष्णचंद्रथारेदाघनआयौडाहललागौप्यारो ॥ २ ॥ राणींभणैंसुणौमहाराजा हौंणहारकुंणमेटे ॥ म्हेतौहाँपडद्दारामाणसकरमकियाथाँरेबेटे ॥ ३ ॥ थाँरेकहेसुणौराणीजीम्हेतोहरिगुणगाय्यौ ॥ केसवकृष्णद्वारिकावासीभगतजाँणहरिआयौ ॥ ॥ ४ ॥ आगेभीडच्चढ्याभगताँकीपणप्रहलादकोराख्यौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंवेदपुराणाँभाख्यौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ अबहीकौकौकँवरने, मनकौकपटनिवार ॥ दीनानाथदयालहैं, बिगडीलेतसुधार ॥ १ ॥ कँवरसतावीकौकियौ, भींवरावऔराणी॥जायपहूंतौहरिहलधरकूं, निम्नतकरमृदुवाणी ॥२ ॥

म्हारीकिहज्योबंदनाँ, हरिहलधरसमजाय ॥ दासभींवकाबी
नती, दरसणदेताजाय ॥ ३ ॥ भगताँकारजवपुधरयौ, भलौ
सुधारयौकाज ॥ अबहरिपरणपधारज्यो, रखियोम्हारीलाज
॥ ४ ॥ लघूकँवरलघुताकरी, बेगपहूँतौजाय ॥ हातजोड
हरिसाम्हनै, ऊभाअरजसुनाय ॥ ५ ॥ छोटाकँवरकीबीनती,
सुणज्यौजादूराय ॥ व्यावरचावाँकँवारिकौ, परणघराँलेजाय
॥ ६ ॥रागमारू ॥ कामनिकहैकँवारीजायाँ होयम्हाँरीहल
काई ॥ भींवसेनकीपतराखीज्यौम्हेरुकमणिकाभाई ॥ १ ॥
बाईरुकमणिकोव्यावरचावाँ तोरणथाँबगडास्याँ ॥ साहण
बाहणहस्तीघोडा भलीभाँतमुकलास्याँ ॥ २ ॥ कँुवरकही
सोविनतीमानीत्यारीसबैकराई ॥ कौठारयाँनैआग्यादीन्हीं
मनसावस्तुभराई ॥ ३ ॥ छपनभाँतकासीधाआया औरघ

णींइधकाई ॥ भाँतभाँतकीलईमिठाईडेराँथीपहुँचाई ॥ ४ ॥
कुँद्नपुरश्रीकृष्णपधारयाभींवकैमनुहारी ॥ खानपानपक
वानमिठाईसबविधकरीतयारी ॥ ५ ॥ सीधाक्रोडजचयारम
णींजे गुंझाफीणीलाडू ॥ बहुप्रकारकीकरीतयारी करैंकलेवो
जाडू ॥ ६ ॥ अगवाणीसारीविधदीन्ही कंचनथालीझारी ॥
पदम्भणैंप्रणमैंपायेलागूंमंगलकरीतयारी ॥७॥ रागमारू ॥
विस्वकरमानैं तुरतबुलावौ बोल्यात्रिभुवनराई ॥ जैसाकुंद
नपुरभींवरायका यासैंअधिकरचाई ॥ १ ॥ सिरीकृष्णकी
आग्यालेकरकंचनपुरीबनाई ॥ सुंदरसुंदरमहलबनाया नी
काचित्रमँडाई ॥ २ ॥ रवितलदूजाऔरनकोई श्रीपति
कीसरबराई ॥ ऊंचीऊंचीबनीअटारीखंभारतनजडाई ॥
॥ ३ ॥ हीरापन्नालाललगायामोतियनचौकपुराया ॥ राजा

भींवकोसबहीपरकरमाधौपुरमैंआया ॥ ४ ॥ रुकमणिकी
मातासँगसखियाँ हिलमिलमंगलगाया ॥ चौरासीदरवाजा
दीरघ मणिमाणकजडवाया ॥ ५ ॥ सातजोजनअरुकुंदना
पुरकीयेसीसोभालाई ॥ कंचनपौलबनीअतिनीकीरतनाँ
कीचितराई ॥ ६ ॥ सरसवाटिकामइचंदनकी गंधरहीम
हकाई ॥ घरघरतोरणध्वजापताकाबांदरमालबंधाई ॥ ७ ॥
बैठकमध्यबनीअतिसुंदरआनंदउरनसमाई ॥ अठारेभारव
नासपतीले चहूंओरलगवाई ॥ ८ ॥ सुंदरकूपतलावबावडी
पंछीबेनसुहाई ॥ माधौपुरकीअदभुतसोभाजनपदमइयेगाई
॥९॥ दोहा ॥ कंकनबाँधौसुंदरी, भींषमराजकंवार ॥ मागीनि
हारेनितही, दरसणहोयमुरार ॥ १ ॥ भींवनृपतघरमाँढवो,
जादूपतकीजाँन॥दुलहनिराणीरुकमणी, दुलहौस्यामसुजाँन

॥ २ ॥ दुलहोउतरचौबागमैं, सबहीसाजबनाय॥कुंदनपुरकी
काँमणी, हरजीनैंदेखणजाय ॥३॥पगाँजुबाँजैपैंजुनी, निरखत
चालेछाँह ॥ रुँणझुँणबाजैंबीछिया बाजैंअणवटमाँह ॥ ४ ॥
मूँगफलीसीआँगली, बेलणबेलीबाँह ॥ दरसणपायेस्यामके,
पापप्रलैहोयजाँह ॥ ५ ॥ अतिउमग्योउरनिरखिकै, नैनमि
लेजदुराय ॥ पदमइयोस्वामीभणैं,मंदमंदमुसकाय ॥ ६ ॥
रागबरवाकीठुमरी ॥ चलोसखिदेखनजाइये स्यामसायजा
देबनां ॥ टेक ॥ मालिनलाईसेहरोदुलहाकेसीसपैरानां ॥१॥
बागोसोहैकेसरयाँ सायजादेबनां ॥ २ ॥ वाकेमाथेपँचरँगपा
गरी सेहरोअतिसोहनां ॥३॥ याजोरीकेऊपरेथारोदासपद्म
बलिजानां ॥४॥दोहा ॥ महलांमहलांरंगहुया,सजसोलासि
णगार ॥ डेरेचालोकृष्णके,बडेघराँकीनार ॥१॥ रागमारू ॥

कंचनथारलियोमिलिसखियांभोजनसरसवणावो ॥ बूराभात मिश्रीकोसीरो हरिनेजायजिमावो ॥ १ ॥ सोलासहस्रसह लीचालीविडदथालकीत्यारी ॥ लालरेशमीलहँगासोहैचाल चलैमतवारी ॥ २ ॥ चोवाचंदनऔरअरगजाभरिगंगाजल झारी ॥ कृष्णवनाकेडेरेचाली शैनभगरकीनारी ॥३॥ जाय जानकेडेरेठाडी भोजनदियोजिमाई ॥ पदमभणैप्रणमैंपाये लागूँहरिनिरखणनैआई ॥४॥ गीतसुवलियाँको ॥टेर॥ गोपा ललालम्हेतोथाराडेरानिरखणआईजीवसुदेवजीरालाल ॥म्हे तोथाराडेरानिरखणआईजीगोपाल ॥टेर॥ गोपाललालम्हेतो थारीजन्मजन्मरीदासीजी वसुदेवजीरालाल ॥ म्हेतोथारेज न्मजन्मरीदासीजीगोपाल ॥ १ ॥ गोपाललालव्रजपरइन्द्र कोपचढो अतिभारीजी वसुदेवजीरालाल ॥ राखलईव्रजक
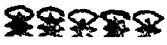
रधरगिरवरधारीजी ॥ २ ॥ गोपाललालघरपंडुवाके आमलडो सोलायोजी वसुदेवजीरालाल ॥ कूपामईजदमूंधो बीजउगा योजीगोपाल ॥ ३ ॥ गोपाललालपद्‌मभगतथारा हितकरके जसगावैजी वसुदेवजीरालाल ॥ म्हेतोथाराडेरानिरखण आईजी गोपाल ॥ ४ ॥ रागदेस ॥ कुंदनपुरकीनारमोही थेकुंदनपुरकीनार ॥ टेक ॥ टूनाँसाकछुकीयाम्हाँपर नैंनन सुरमाँसार ॥ १ ॥ हिलमिलकेबोहो साखियाँ आई दरसण कियानिहार ॥ २ ॥ रूपविलोकतभईबावरी कुंदनपुरकी नार ॥ ३ ॥ पद्‌मभणैंप्रणमैंपायेलागूं बसरह्योहियेमंझार ॥ ४ ॥ दोहा ॥ राजासुतभेलाहुआ,कीवयामंत्रीसार ॥ साम्हेलासाकतिकरौ, बिलमनल्यावोवार ॥ १ ॥ इंद्राय णवाजाभींवकै, राजलोकरुणकार ॥ सातजोजनअरुकुंदन

पुर, घरघरमंगलाचार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ धूपदीपआरती उतारे सखियनमंगलगावै ॥ रागछतीस अलापेगंध्रवजाझाँ पारनपावै ॥ १ ॥ नौछावरनाँनाँबिधकरियेसुभबाथकबोहो बानें ॥ चौरासीदरवाजादीरघ सकलबंध्याकेसानें ॥ २ ॥ हाटबाटचौहटासिंगारे औछाडेरबजाराँ ॥ कनकमहलराजा भीषमके जडियानंगजुहाराँ ॥ ३ ॥चोवाचंदनऔरअरगजा मृगमदकेसरघोरी ॥ रुकमकंवरखेलणनैंलागी छपनकोटसूं होरी ॥४॥ बाजैंनौपतघुरैंदमाँमाँभींवकराअसवारी ॥ तीस लाखमखनाँकेऊपर मेलहीअंबाबारी ॥ ५ ॥छडीदारदरवाँन खिजमती सहनाईरणतूरा ॥ पृथ्वीरंजागिगनकेलागी दीखण रहगयासूरा ॥ ६ ॥ भींवरायमिलबानैंचाल्यौपाँचूंपुत्रबु लाया ॥ छोडपालखीहुंयापयादा जबजादवबतलाया ॥ ७ ॥

भींवरायनेआंवणदीन्यौ केसौयूँबतलाया ॥ छप्पनकोटभीं
वराजाकै जादवसनमखआया ॥ ८ ॥ तेजीलाखतुरीअहरा
खीकिरडाकाछीलीनाँ ॥ रुकमइयेराजाभीषमकै जायसाम्हे
लेदीनाँ ॥९॥ गौडकरेघूमंतागाजेअरुमहमंताहाती ॥ सात
हजारहाथीभीषमजीदीहतण्यांमदमाती ॥ १० ॥ भींवराय
तबपायेंलागौदेवपुष्पबरषाया ॥ उग्रसैंनवसुदेवरायनैंगादी
लेबैठाया ॥ ११ ॥ जादूतखतभयादेख्यांतैं भींवरायकासा
जा ॥ नेंमनाथहलधरबतलायाबडौधजाबंधराजा ॥ १२ ॥
छपनकोटजादूजुडबैठा साम्हेलेसबराजा ॥ पदमभणेंप्रणमैंपा
यंलागूँ बाजैंनौपतबाजा ॥१३ ॥ दोहा॥साम्हेलाकीसाखती,
तौरणकीताकीद ॥ सावाकरसाँगोधलू, घोडीचढावोबींद ॥
॥ १ ॥चंचलचपलचमकणी, चालतअटपटचाल ॥ मनमोह

नमनमोहियो,उचकचढेनंदलाल ॥ २ ॥ रागठूमरीकाफी ॥
बनौंघोडीखूबनचावैहे ॥ बोलोधूँमनचावैहे ॥ टेक ॥ पगपैं
जूनठुमठुमकरैंहो रुमझुमघूँघरमाल ॥ चावकसूंचिमकेघं
णों ओताअलबालियौनंदलाल ॥ बनौं० ॥ १ ॥ मस्तकति
लकसुहावनौंहेचंचलनैंनचकोर ॥ तैंमनमोहनवसांकियोआ
लीचितवनमैंचितचोर ॥ बनौं० ॥ २ ॥ आंटपलेटकुंडियेहो
नागरनखरेचाल ॥ ठेकाभरेउँतावलीयातोकदतनौनौताल ॥
॥ बनौं० ॥ ३ ॥ धिनकुंदनपुरधिनघडीजीधिनघोडीतुजभा
ग ॥ पदमस्यामशिवकरणमनोहर नृत्यनिरखअनुराग ॥
॥ बनौं० ॥ ४ ॥ दोहा ॥ सहलेसबमेलाहुवा, धरमनिसाणब
जाय ॥ जाँनसिंगारीरावनैं,बागाजरीबणाय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥बागाजरीसावटूचीरा शस्त्रवस्त्रआतिल्याया ॥ साम्हे

लेराजाभीषमजीघरमेंनिसाणबजाया ॥ १ ॥ दोनूँदलजबमे
लाहूवा गाजहुईअतिभारी ॥ हलधरखुरीरलावज्यौंजीभींवत
णींअसवारी ॥ २ ॥ छपनकोटजादूचढचाल्या जानींबासेआ
या ॥ ब्रह्माँआयरलियौसहेलौसाजनकरबैठाया ॥ ३ ॥ आ
छौदूधधेनुधौलीकौ हरिकाचरण धुवाया ॥ कनकथालसँग
वालीझारी बडेबडेरेबधाया ॥ ४ ॥ उडतगुलालअंबरनांहिंदी
खे बांहभरीभरजौरी ॥ कहैपदमहीरतोरणआया भींवरायकी
पौरी ॥ ५ ॥ रागसोरठ ॥ तोरणआवियाब्रजराज ॥ टेक ॥
चढदलदेवाविमाणाँमाँहींपुष्पांबिरखालाय ॥ १ ॥ कुंदनांपुर
कीकामनिहरिकौसुंदरवदनलुभाय ॥ २ ॥ प्रहलादकीतंग्या
राखीनरसिंघरूपबनाय ॥ ३ ॥ बलराजाकेद्वारपधारे बावन
रूपधराय ॥ ४ ॥ घुरैंनिसाँणन्रमागलगाजै रँगभीनींछबि

छाय ॥ ५ ॥ तोरणचढसिरिकृष्णपधारे दासपदमजसगाय ॥ ६ ॥ रागमाड ॥ सखियारेतोरणआयाहैं नंदकिसोर ॥ टेक ॥ तौरणरतनजडाविया भींवसेनजीरीपौर ॥ चिरियातोसोहैं सोवनीं सौहै सुवरणमोर ॥ तौरण० ॥ १ ॥ हरीडारिहाजर कारि पुष्पां कलौररुहमोर ॥ हरकालिवीहरहातमैंउरआनंद जोर ॥ तौरण० ॥ २ ॥ पुरनारीचहुँओरतें आईमिलकरदौर ॥ निरखतमाँनूँ चित्रसी जैसेचंदचकोर ॥ तौ० ॥ ३ ॥ जरकसबागोपागपै सोवैमोतियनमोर ॥ पदमभणैंपुरकाम णीलीनौचित्तचिकौर ॥ तौ० ॥ ४ ॥ रागपरवाकाफी ॥ सखीरं गीलाबनानैंआघौआबादीज्यौहे ॥ टेक ॥ पुरनारीचढमहल अटारी निरखतनैंनसराबादीज्यौहे ॥ १ ॥ माधोरीमूरतबसी उरमेरैटुकियेकयाकौंबिलमाबादीज्यौहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रण

मैंपायेलागूं आवागवनामिटावादीज्यौहे ॥ २ ॥रागसोरठ॥
समदृणआगीआवो काजलसार त्रिभुवनऊभाथारेद्वार ॥
॥ टेक ॥ दाँताँमिसीसोहनीं मोतियनदिपैलिलार ॥ चूंपांसौ
हैंचमकणीं नथसोहैभलकार ॥ १ ॥ चुडलौहस्तीदांतकौपह
र्‍यौबाँहपसार ॥ कंकनरतनजडावको उरपरहारहजार ॥२॥
छपनकोटजादवजुड्या आयाकृष्णमुरार ॥ नैंणांरसलूटैपद
म कुंदनपुरकीनार ॥ ३ ॥ रागकालिंगडौ ॥ कांमणकरवा
आई लाडाजोवाँबाटतुमारीराज ॥ येसाकांमणम्हाराजादू
वरनैंसोहै ॥ टेक ॥ जिणकामणहिरणाकुसमारयो नखसूंऊ
द्रविडारयोराज ॥ जलसूंराखअगनसूंराख्यो जनप्रहलाद्
दुबारयोराज ॥ १ ॥ जिणकामणतैंलंकातोरी सागरासिला
तिराईराज ॥ कुम्भकरणमहरावणमारयोफेरीरामदुहाई

राज ॥२॥ जिणकाँमणसूँसमँदबिलोयौबासकनेताकीन्हारा
ज ॥ चबदेरतनकाढकरल्याया बाँटसबनकौदीन्हाराज ॥३॥
जिणकामणसूँछलबललीन्हौंतीनपैंडभरलीन्हाराज ॥ चंदा
सूराफिरेजितनीपैं दोयपैंडकरदीन्हाँराज ॥ ४ ॥ जिणकाम
णसैंकंसपछारयो जीत्यौमल्लअखाडौराज ॥ कूबलियापी
डकुंजरकूमारयौजमलाअरजुनपाडयौराज ॥ ५ ॥ सातना
लकौतागौल्याईसातसहेलीआईराज ॥ सिरीकृष्णकूंनापण
लागी नापतदेहबधाईराज ॥ ६ ॥ येकसहेलीयेसैंबोलीसुण
म्हारीरुकमणबाईराज ॥ येसाँकामणकराँकृष्णपैहाजररहे
सदाईराज ॥ ७ ॥ दूजीसहेलीयेसैंबोलीसुणम्हारीरुकमण
बाईराज ॥ यसाकामणकरूंकृष्णपैंदिनादिनमुलकतजाई
राज ॥ ८ ॥ तीजीसहेलीयूंउठबोलीसुणम्हारीरुकमणबाई

राज ॥ मातापिताकवहूंनहिंचावैचावैम्हारीबाईराज ॥ ९ ॥
चोथीसहेलीकुंदनपुरकी नीचीनीचीआईराज ॥ कृष्णखडा
चहुँदिसनैजोहैं वंदतौडलेजाईराज ॥ १० ॥ बंधबंधमेंकाँम
णबाँधूँतोबाबलकीजाईराज ॥ इतनींबातकृष्णजीसुणकर
चुटकीदेरउडाईराज ॥ ११ ॥ ऊपरऊपरलेचक्रफेरातुंइतुंइ
करतीआईराज ॥ थारेकामणकुंणकरेथारीतीनूंलोकदबाई
राज ॥ १२ ॥ चरखीमोरहवाईछूटेत्रिभवनतोरणआया
राज ॥ सबसखियनमिलमंगलगाया कुंभकलसबँधवाया
राज ॥ १३ ॥ ब्रह्मांजीनैंवेगबुलाया मोतियनचौकपुरा
याराज ॥ ब्रह्माइंद्रआदिलेमुनिजनऊधौचँवरढुरायाराज ॥
॥ १४ ॥ गणपतिसरिखेचढेबरातीजैसैंभाँणदिपावैराज ॥
सुरतेतीसूंहरखहुवाजबपुष्पबृषावरषावैराज ॥ १५ ॥ सब

जादूबनरयेबरातीदुलहोकँवरकन्हाईराज ॥ कंचनथालध
रयौकरऊपरतोरणसीकपुगाईराज ॥ १६ ॥ राणीसाजआर
त्योआईदिवलेजोतसवाईराज ॥ पांचपदारथदियेआरत्येप
दमभगतबलिजाईराज ॥ १७ ॥ रागकालिंगडाकीठूमरी ॥
जादूवरनैकामणकरस्यां ॥ करस्याहेम्हेतोनाहिंडरस्यां ॥
जंतरांलिखपिचरंगपगरीमेंसाहियोहेमेधरस्यां ॥ टेर ॥ कामनि
याशिरपेचाकिलंगीझुकतेतुर्रेसोहैं ॥ कामनियांनासाकोमो
तीभालतिलकमनमोहैं ॥ अंजनजुतखंजननैंननमेंमुखबीरी
मधुरीबैननमें ॥ काननकुंडलसोभाभारीछूटरहीलरघूंघरवा
री ॥ कामनि० ॥१॥ कामानियाहीरेकीकंठीओरमोतीनकी
माला । कामनियांगरुडासनसोहैऔरबनैसुखपाला ॥ धनुष
बानकरकमरकटारेलखिमाहिदीलालनछबिवारे ॥ तनुझीणे

केशरीयेबागेफेटहुपटेघुलघुलत्नागे ॥ कामनि० ॥ २ ॥
कामणियांअतलसकीसुथनरेसमनाडेछाजैं ॥ कामणियांज
रजोधाजोडीपावनपरछाबिछाजैं ॥ अबजदुनंदनतोरणआये
करांसहेल्यीमनकाचाये ॥ अतिसुंदरभायाँकीजोडी बाँधूस
वालाखकी घोडी ॥ कामनि० ॥ ३ ॥ कामणियाँसुरनाल
पालखीऔरघोडासबहाथी ॥ कामनियांरथबाहनसोहेऔर
बनडेकेसाथी ॥ सुरनरमुनिजनप्रोहितघरकेकुलकेदेवसभी
जदुवरके ॥ औरसबैइं डेरेठाडेसत्रवस्त्रऔरखेडेखांडे॥काम०
॥ ४ ॥ कामनियाँफूलनपरसोहेजैकोईगुंथपरावै॥कामनियां
चोवामैंभीनाजैकोईअतरलगावै ॥ नानी मामी भाभी
काकी जंत्रमंत्रमैंसबहीपाकी ॥ औरसुहेल्याँकीगतिन्यारी ॥
सादावैसोकामणगारी ॥ कामणि० ॥ ५ ॥ नवलबनीकीभू

वाबाईकरडाकामणजाणै ॥ रतनजडितकंचनकेपिंजरैसूवो
करबैठाणै ॥ बनडेकीगतिबनडीजाणै महलांबैठीमंत्रच
लावै ॥ पावपडंतोबनडोआवैतोकामनकोपरचोपावै ॥ काम
नि० ॥ ६ ॥ रतन पदारथदिया आरतै जादूडेरैआया॥ सखी
सहेलीअन्दरआईमनमें हरषसवाया ॥ कुंदनपुरसबकामण
गारो पदमस्यामअबतुमहिउबारो ॥ जोयहकामणसुनैरुगा
वै वसैवैकुंठभोरनाहिंआवै ॥ कामनि० ॥ ७ ॥ रागकालिंग
डौ ॥ कॉंमणियॉंम्हेनहिंजाणॉं ॥ टेक ॥ कॉंमणगारीबनीकी
भूवाजिनसैंकरज्यौअरजी ॥ नंदकँवरब्रजराजबनॉंपरकामण
रीकॉंइमरजी॥ १ ॥ सातसुईलेसातसवागणलीलाडोरोल्याई॥
इणडोरामैंवसकरराखॉं रीझेरुकमणबाई ॥ २ ॥ इणडोरैजा
दवबसकरस्यॉंइणरोइचरजभारी ॥ इणडोरामैंयहसकलाई

बसकरस्याँगिरिधारी ॥ ३ ॥ सटपटमहँदीमौलीगटपटगुली सिंदूरमँगाये ॥ चटपटकाँमणकराँबनाँपर झटपटवसहोयजा ये ॥ ४ ॥ रतनजटितमादलियौल्याई डेरौमाँहिंभरावाँ ॥ मदछकियाब्रजराजबनाँनैं कानपकडकरल्यावाँ ॥ ५ ॥ भीं वपुरीअतिआनँदउपज्यौ कविजनकहतनआवै ॥ तीनलोक केनाथबनाँपरपदमभगतबलिजावै ॥ ६ ॥ दोहा ॥ काँकण बाँधेसुंदरी, भीषमराजकँवार ॥ माँगेनिरंतरजौहिये, हरिप तिप्राणअधार ॥ १ ॥ कुंदनपुरकोमाँढवौ, जादूपतकीजाँन॥ दुलहनिराणीरुकमणीं,दुलहौस्याँमसुजाँन ॥ २ ॥ छंद॥ रुक मणिमलौउबटणौमैंलछुडाइये॥ हँससीदुरजनलोगतिन्हैंनहिं पाइये ॥ १॥सबसखियनकरैंसिंगारकपनघटजाइये॥कुम्भक लसभरवाय भवनमैंल्याइये ॥२॥ बनितालयाईदौडचउँहत

लीजिये ॥ तेलफूलेलरलायमिलूनाँकीजिये ॥३॥ मलियागि
रकोपाटअँगनमैंबिछाइये ॥ गंगजमुनकानीररुकमणींन्हवा
इये ॥४॥ सझसोलासिणगारखुलीचंपाकली॥उरमालकिसो
भानिरखिनैंनहरकीअली ॥ ५ ॥मंगलगावैंनारहराखिकेरंगर
ली ॥ पदमइयोंछबिरुचिरुकमनींकीअतिभली॥६॥दोहा॥
उछबभयोमाधोंपुरी, घरघरमंगलचार ॥ कुंदनपुरकीका
मणीं,सझसोलासिणगार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सबसखियन
मैंनारसयानींनृपभीषमकीनारी ॥ बहुदीपककीसाजआरती
राणींकरीतयारी ॥ १ ॥ नृपभीषमम्हारोकरौआरत्यो जिनप
रबप्रीतपिछाणीं ॥ नंदग्वालकौकरतआरत्यौलाजमरेगीराणीं
॥ २ ॥ पडदेरुकमणयेसैंविनवैसुणियौंजादूराई ॥ राजाभीष
मकीपतराखौ याछैम्हारीमाई॥३॥तुमतौऔगुणका गुणकी

न्हैंसाखवेदमैंगाई ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामींचरणकमलबलि
जाई ॥४॥ दोहा ॥ डेरौंआपपधारिया,त्रिभुवनतोरणबाँन ॥
घूमतडागेबरघणाँ,घुडलासोहैजाँन ॥ १ ॥ भींवनकौबखि
नाइया, जादवबेगपधार ॥ करौसताबीजाँनमैं, फेरांहोयअँ
वार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ ब्रह्माँइंद्रदेवसबसोहैं उद्धवचंवरढु
लावै ॥डेराँसूंप्रभुहरकरुचाल्याराजदवारेआवै ॥ १ ॥ चंदन
कीचौकीबिछवाईऊपरस्यामचढाया ॥भींवकँवरींनैंबाहरल्या
या फेराबाहरदिरायार॥ब्रह्माजीनैंबेगबुलाया मोतियनचौकपु
राया ॥कलसगनेसपुजावैंनीकाविधिसैंब्यावरचाया ॥ ३ ॥
दोहा ॥ छपनकोटजादूजुडे,उग्रसेनवसुदेव ॥ गारीगावैंकाँ
मणीं,कहिकहिन्यारोभेव ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ जाचकजुडे
अपारा ॥ सबगावैंमंगलचारा ॥ टेक ॥ ब्रह्माजीवेदउचारे ॥

करसरवोलेघृतझारे ॥ १ ॥ तहाँकलसगणेसपुजावे ॥ जहाँसो
वनसूतफिरावे ॥ २ ॥ ब्रह्माजीवेदपढावे ॥ जबदिछणाँकलि
सघलावे ॥ ३ तहाँसतमात्रिकाध्यावे ॥ हतलेवैहातादिरावे
॥ ४ ॥जबवेदिमंत्रअहुताथे ॥ तबसावियनमंगलगाये ॥५ ॥
रागमारू ॥ पहलौफेरौलीन्हौंजादूदीन्हाँअरबअपारा॥ दूजौ
फेरौलीन्हौंजादूदीन्हाँकुंजरसँवारा ॥ १ ॥ तीजौफेरौलीन्हौं
जादूदीन्हाँरथझणकारा ॥ चौथौफेरौलीन्हौंजादूदीन्हाँरतन
अपारा ॥ २ ॥ बावैंअंगजबलेबालागारुकमणिनाहिंजआवे ॥
बावैंअंगहमजबहीआवैं वचनरथामकौपावैं॥ ३ ॥ जनमजन
मकानाथहमारा म्हैंअरधंग्याथाँरी ॥ सोलासहसमैंजायामि
लावो नितउठखूंगीगारी ॥ ४ ॥ तुमजिनजानौंऔरबराबर
येसीबाततुमछाडौ ॥ सोलासहसकेपायलगावो तोसुंहभग

ताँकीकाढौ ॥ ५ ॥ जोयेबातकहीसोमानी कह्योतूमारोकी
न्हौं ॥ सोलहसहससिरैपटराणीं राजपाटतोयदीन्हौं ॥ ६ ॥
जबजीवणाँसूँडावाआया अंतरपटकरवाया ॥ बीरसेवरामामे
रुचकर ब्रह्माजीदिखवाया ॥७॥ खूँटी पूजीधूपुजवाया पुन्या
हवाच्चनकीया॥सप्तपदीब्रह्माजबबोलेपदमदाँनहारेदीया॥८॥
दोहा ॥ परणायाजादवपती, ब्रह्माँमाँगैभूर ॥ लागतलागदि
रावज्यौ, विप्राह्लालिद्दूर ॥१॥ रागसोरठ ॥ ब्रह्माँनैंभूरदि
रावौ॥सबजानींकौकबुलावौ ॥टेक॥ जहाँअगिणतभूरदिवाई॥
जान्याँकीकरेबडाई ॥ जान्यामरझोरीदीन्हीं ॥ ब्रह्माजीथाल
मैंलीन्हीं ॥ १ ॥भूरतोसुरतेतीसादीन्हीं ॥ तातैंइधकीकीरत
कीन्हीं ॥ शिवमाँढौमलबरषावै ॥ जाकूंजनपदमइयोगावै ॥
॥ २ ॥ दोहा सिंधू ॥ भींवरायकूंब्रह्माबोल्या, हतछेवोरेछु

डावौ ॥ सवालाखधेनूजबदीन्हीं, हतलेवौछुडवायौ ॥ १॥ पर
णपधारेजदूपती,घडलांघुरेनिसांण ॥ जाचकमांगैजौडलादौ,
औलगियांनैंदान ॥ २ ॥ भींवभंडारीकौकिया, चलेजानमैं
आय ॥ जादूपतसौंचीनवैंदईअरजगुदराय ॥ ३ ॥ कँवरहो
यजोजांनमैं, दीज्येसंगखिनाय॥ कँवरकलेवेभींवजी,बेगांबेग
बुलाय ॥४ ॥ हरिहासिकेयेसेंकही, गणपतकूंलेजाय ॥ येहकँ
वरहैजानमैं,याकूंभूखसताय ॥५॥ रागमारू ॥ शुक्रशनिश्चर
लारेलीन्या मुलकतमाढेआवै ॥ भींवरायकीपोलपहूंच्याफू
ल्योअंगनमावै ॥ १॥ करिमनुहारघणीगणपतकी देआसनबै
ठाया ॥ जाजमजरीगलीचांऊपरसुवरणथालधराया ॥ २ ॥
कंचनथालभरचोपकवानागणपतजीमणलाग्या ॥ देखसता
वीपुरसणवालालावैंभाग्याभाग्या ॥ ३ ॥ सखियाँकरीमनुहा

रन रिकीगणपतकियोनकारो ॥ म्हानैंतोभोजननहींभावैथारो
नीरनिवारो॥ ४ ॥पाचूंकैंवरपरोसणलाग्याभरभरलावैंचंगेरी॥
कहै गणपतजासुणरुकमैयाठीकनलागीमेरी ॥ ५ ॥ मेराक
ह्योवचनथेमानोमतनाखेचलखावौ ॥ जोसामानकरयोहैथारै
सोम्हानैंदिखलावौ ॥ ६ ॥ करकिलकारचढयोभंडारां अनप
रहष्टिउठाइ ॥ तीनग्रासससारीकाकरगयो औरनबचीमिठाई
॥ ७ ॥ माचगयोसारोनगरीमैंभूखहिभूखपुकारै ॥ दोदोअं
गलजमीचाटगयोपापडभोलेकिवाडै ॥ ८ ॥ टगटगमहलच
ढयोसुबरणकैराणीसैंबतलायो ॥ बासीकूसीधरयोढक्योडो
सारोभोजनखायो ॥ ९ ॥ बोलैराणीसूणरेगणपतथेथारै
घरजावो ॥ मातगौरजापितासदाशिवदोन्यानैभखजावो ॥
॥ १० ॥ राणीकहैसुनोराजाजीअबकेहुरमतजासी ॥ ऐंका

बडापडचाडेरामैंवेकुणानैंरवासी ॥ ११ ॥ राजाअरजकरी प्रभुजीसैंमैंतोदासतिहारो ॥ बालकबालकरलबललायाइनको दोषनिवारो ॥१२॥ आग्यादीनीविशकरमानै सबभंडारभ राया॥पदमकहेसबसखीसहेली गणपतिकाजसगाया ॥१३॥ रागबरवा ॥दोहा ॥ सखियाँकासुणकेवचन, मिल्योजानमें आय ॥तबजादूवरपूछियो, अपनेपासबुलाय ॥ १ ॥राग मारू ॥ माडेजीमगणपतिजीचाल्या जादूजानमेंआया ॥मु लकंताजादूपतिपूछा भूखारयाकयाया ॥ १ ॥ हँसकेकहीकृ ष्णसैंगनपतिनाभूखानाघाया ॥ थारेभातदूसरोहोसीभींवभं डारमिठाया ॥ २ ॥ इतनीबातबोलप्रभुआगें शिवकोसरणो लीनो ॥ इसकंगलेकेव्यावणआयानहींकलेवोदीनो ॥ ३ ॥ ऑगलटूकचलूपाणीकोशिवशंकरजीदीनो ॥ बोठाकुरथाती

नलोकका सभीभूखहरलीनी ॥ ४ ॥ हलधरकैहैगौरजानन्द
नजीमतलाजनआई ॥ पदमकैहैसबजानीबूझैं हँसरयाजादू
राई ॥ ५ ॥ सुणगणपतजीमहाराजकदेनहीतूंघायौ ॥टेक ॥
थारोपिताजुसंकरदेवगौरज्याइदजायौ ॥ १ ॥छोडदियौकै
लासद्वारकाकूंधायौ ॥२ ॥ गयौजांनमैंरूसमनायरकुंणल्या
यौ ॥ ३ ॥ सौमणखाघामूंग साठमणघीखायौ ॥ ४ ॥ अल
डबलडकासागकरखुरचणखुरचायौ ॥५॥नहींछोडयाचूराबुरा
तोहीतूंनाहिंघायौ ॥ ६ ॥ कियौमौकलौमाल सबीतौंतेंखायौ
॥ ७ ॥फाटतपेटअपारपारकिनहुंनपायौ ॥ ८ ॥ पदम
भगतबलिजायसरव्यौंयूंजसगायौ ॥ ९ ॥ ॥ दोहा ॥ रुक
मणिकृष्ण बिहायकै, हरव्यौभीषमराय ॥ जानजिमावण
जादवाँ, लीन्हाबेगबुलाय ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ जादूजीमबा

नेआया ॥ राजाभीषमकेमनभाया ॥ टेक ॥ ल्यावोजाजम
जरीबिछावो ॥ वाकौंआदरदेबैठावो ॥ चंदनकीचौकीमंगा
वो ॥ दुलहाकेपासमेलहावो ॥ १ ॥ कंचनकाथालमंगावो ॥
जादवांकीपाँतमिलहावो ॥ भींवजीनेंवेगबुलावो ॥ वसुदेवजी
केपाँवधुलावो ॥ २ ॥ अवरुकमकँवरनेल्यावो ॥ दुलहा
केपासबिठावो ॥ मेवापकवानमँगावो ॥ बोहोभाँतजलेबी
ल्यावो ॥ ३ ॥ ल्यावोघेवरफीणिखाजा ॥ जीमैतीनभवनको
राजा ॥ ल्यावोमूंगभातमँगवावो ॥ पाणीज्यूँघिरतबहावो ॥
॥ ४ ॥ जादरुचरुचभोजनकीज्ये॥ योभातदियोसोलीज्ये॥
ल्यावौकेरकरेलीताजी ॥ बनौदालकढीसूंराजी ॥ ५ ॥ छत्ती
सूंविंजनल्यावै ॥ येतोसबहीकेमनभावै ॥ थाँरोदासपदमज
सगावै ॥ सखियनजबभातबँधावै ॥ ६ ॥ रागमारू ॥ बांधाँ

कुलवसुदेवदेवकी नंदजसोदामाई ॥ बहनभुवाअरुकाकी मामीं बाँधाँघायरुदाई ॥ १ ॥ काँनफूंकअरुनालामोड्या जिणथाँनैदियान्हवाई ॥ छपनकोटजादूसबबाँधाँ बाँधाँहल धरभाई ॥ २ ॥ पंथपयाणाबाँहणबांधाँजिणथेबैठाआया ॥ बाँधातालसरोवरकूवा जेठतठथन्हाया ॥ ३ ॥ रथसिवकास बसाकतबाँधाँ बाँधाँघोडाहाती ॥ जानबाँधजनवासोबाँधाँबाँ धाँसबैबराती ॥४॥ बाँधाँदंतबतीसीकीलाँमंत्रफुँराँवाँनीका॥ शस्त्रसिंगारवस्त्रसबबाँधाँरंगरंगीलाटीका ॥ ५ ॥ बाँधाँथाल प्रीतकरपुरस्यो भोजनसरसमिठाई ॥ चटनीऔरअथाणाँ बाँधाँ बाँधांमिरचीराई ॥ ६ ॥ बाँधाँपाकपकोरीपूरीअरु सबपोईराँधी ॥ छप्पनभोगछतीसूंव्यंजन जोपुरसीसब बाँधी ॥ ७ ॥ जलबाँधाँजलझारीबाँधाँचौकीथालबँधाया ॥

पद्मभक्तशिवकर्णमनोहरसखियनमंगलगाया ॥ ८ ॥
अबनारदजीभातछुडावै ॥ छंदरेखता ॥ श्रीकृष्णकाब्या
नघरौरी ॥ पातलछूटनकहूंसुनौरी ॥ १ ॥ तुमरेभव
नब्याहनकूंआये ॥ राजाभींवबहुमाँनबधाये ॥ २ ॥ जो
तुमबाँध्यौयहपकवानैं ॥ मुगतहोयसुनौंदेकानैं ॥ ३ ॥
छूटापेडामीठीफैंणी ॥ बाँधूंसीसगुथीजोबैंणी ॥ ४ ॥ छूटौ
सीरौधायौघीकौ बाँधूंबौरजडाऊटीकौ ॥ ५ ॥ छूटीसाबूनी
उजरीरूपक ॥ बाँधूंकरणफूलजडाऊझूंबक ॥ ६ ॥ छूटीखी
रपुरीजूकेसर ॥ बाँधूंनाकरहीज्यूंबेसर ॥ ७ ॥ छूटाबडासा
लूणाँसज्जाल ॥ बाँधूंचमकनैनकेकज्जल॥ ८ ॥ छूटीबरफीकं
दरबाकी ॥ बाँधूंदंतचूंपसोनाँकी ॥ ९ ॥ छूटापूबाग्रतमें
साजू ॥ बाँधूंजुगलबाँहकेबाजू ॥ १० ॥ छूटीजलेब्याँग्रतमें

रली ॥ बाँधूँकाँकणछन्नपछेली ॥ ११ ॥ छूटापापडपुरीक
चौरी ॥ बाँधूँकसपरिकरकेदौरी ॥ १२ ॥ छूटेमूगसवाद
दाल ॥ बाँधूँतिमण्यौंमोतियनमाल ॥ १३ ॥ छूटौरायतौअरु
आचार ॥ बाँधूँदूलरीतिलरीजार ॥ १४ ॥ छूटामोदकसाग
रुघेवर ॥ बाँधूँचरणबाजतानेवर ॥ १५ ॥ छूटौरायतौबहुर
सछाकिया ॥ बाँधूँअणवठाचिटुडीबिंछिया ॥ १६ ॥ इतकेस
बछूटेपकवान ॥ बाँधूँसमदणसुणौसुजान ॥ १७ ॥ छप्पय॥
बँधेगूँघरूपायबँधेनाडौकसकम्मर ॥ बँधेसीसपरबोरओढणी
मेघाडंबर ॥ बँधेबाजुबँदबाह्यबंधेकांचूकसकाठी ॥ बँधेतिम
णियौंकंठसीसपरबंधेआटी ॥ सबासिंगारसोहैसरसतूटाताार
नसांधिये ॥ पातालमहाप्रसादकोभोजनकबहुनबंधिये ॥ १ ॥
पावडावकरबंधपीवगहणाँपहिराया ॥ कम्मरबंधकरस्हूरडोर

रेसमकील्याया ॥ कोंन्दूबंदकसीसमौरबंधसैंठालागा ॥ हत
सँकलासँहातबांधमरमटनाहिंभागा ॥ नाककाँनदोउबांधके
चोटीबांधीतांनके ॥ बंधीबंधाईबंधरहीभोजनछूटेजांनके ॥
॥ २ ॥ कहैकान्हपरवांनबंधेसिरसायरपाजा ॥ कहैकाँ
न्हपरवानबँधेसांकलगजराजा ॥ कहैकान्हपरवांनबंधेहरिहे
ताविचारा ॥ कहैकान्हपरवाँनबँधेवचनाँजुगसारा ॥ जांनाजि
माँवणजुगलसूँगावौरंगबधावणाँ ॥ पातलमहाप्रसादकीबाहा
रनबंधीजावणाँ ॥ ३ ॥ आरोगौरघुनाथसियावरस्यामहमा
रा ॥ आरोगौजगनाथजगतकेरक्षणहारा ॥ आरोगौइणभांत
रुकमणीप्रांणरंगीला ॥ आरोगौमाहाराज छत्रअवतारछबी
ला ॥ जाँनाजिमावणजुगतसूं सगपणहेतबधावणाँ ॥ पातल
महाप्रसादकीरुचरुचभोगलगावणाँ ॥ ४ ॥ छंदरेखता ॥

अतिमनुहाराँजीमीजान ॥ मौछनदईसुपारीपांन १ ॥
जातजीमआसीसाँदई ॥ समधिनकेबहुकन्याथई ॥ २ ॥
जेतेजानीबरातीआये ॥ येकयेकसबकूँद्यौव्याये ॥ ३ ॥ ये
सौमंत्रफुरयौहैमेरौ ॥ पदमभगतचरणाँकौचेरौ ॥ ४ ॥ राग
सोरठकीकाफी ॥ गारीगावैकैसंलालकौंगारीदीज्यै ॥ याह
रिकौचरणोदकलीजे ॥ टेक ॥ जान्याँजीहरिजान्यां ॥ मथु
रातैंगौकुलआन्याँ ॥ कोईजानैंजाननहारा ॥ नवरंगानेहतु
मारा ॥ १ ॥ हरिनीकारीहरिनीका ॥ जिनतौरच्याब्रजकाछी
का ॥ हरिनटवररीहरिनटवर ॥ येतौगुजरियाँआंगननचवर ॥ २ ॥
याकेदोयबापयेकमाई ॥ यानैसबहीसिष्टउपाई ॥ हरिआदूरी
हरिआदू ॥ याकेमनभावैंसबजादू ॥ ३ ॥ याकेकुलकौकार
णनाँहीं ॥ भिलणींकेबोरखवाहीं ॥ याकेजातपाँतनहिंन्यारौ ॥

याकेभगतिकरसोहिप्यारी ॥ ४ ॥ कान्हाँकुंताँभुवातिहारी॥
जिनजायोकरणकँवारी ॥ कान्हाँबहनसौद्राथारी ॥ सोतो
अरजुनसंगसिधारी ॥ ५ ॥ गारीदेतकृष्णकीसारी ॥ वोतो
भरजोबनमतवारी ॥ गारीदेतकृष्णकीसासू ॥ जाकेपडेप्रेम
काआँसू ॥ ६ ॥ गारीगावैंसातसहेली ॥ वेतोभरजोबनअल
बेली ॥ थाराजसपदमइयोगावै ॥ कुछरेंसबधाईपावै ॥ ७ ॥
पाछीगारीनारदगावै ॥ रागबरवौतालठूमरी ॥ सांवरियोमो
योहेरंगीलीनथवारी टेक ॥ घुमघुमालौलहँगौअतलसीज
रकसरेसमींसारी ॥ कुचकठौरपैआंगयाँसोहै उरपरहारहजा
री ॥ १ ॥ मोतियनमालगले बिचसौहैं दुलडीअजबसंवारी॥
रतनजटितभुजबाजूसौहैं काँकणसबविधकारी ॥ २ ॥ भँवर
कबाँणतणींभुवबंकीनैननौखिअणियारी ॥ निरखतलगेबाँन

उरबेधे सुंदरकाँमणगारी ॥ ३ ॥ स्यामसुंदरकूँहितकरजोवौ भरलोचनयेकबारी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायलागूँ उबरचौसर णतिहारी ॥ ४ ॥ पाछीगारीसख्याँगावैं ॥ रागसोरठ ॥ जा ण्याजाण्याकृष्णजीजाण्याँथाँनैंजाण्याँहौनवरंगलालबनाँ ॥ ॥ टेक ॥थाँरीमाईजसोदाजाणीं ॥ थाँनैंऊखलबाँधरताणीं॥ थाँनैंकंसतणाँडरलागा ॥ थेतोरातअंधेरीभागा ॥ १ ॥ थाँ रीभूवामरमगमायौ ॥ वातोकरणकँवारीजायौ ॥ थाँरीबहन सौदराजानीं ॥ वेतोअरजुनरूपलुभानीं ॥ २ ॥ थेतोबिन्या थकनैंल्याया ॥ म्हाराटाबरसबडरपाया ॥ तूंतौनंदमहरको धोटौ ॥ तेंतौठिणकरमाँग्यौरोटौ॥ ३॥थेकाराकृष्णजीकारा॥ थेतोदोयबापनकाप्यारा ॥ थेतोबनमैंछाकमँगाई ॥ थेतोकु लकीलाजगमाई ॥ ४ ॥ थेतोजीमोकृष्णजीलपसी ॥ थाँरे

साथीमहादेवतपसी ॥ थेतोजीमौकृष्णजीरवाजा ॥ थाँरेजा
नींउग्रसैनराजा ॥ ५ ॥ थेतोजीमौकृष्णजीलाडू॥थाँरेजानीं
पाँचूपाँडू॥ जीमौजीमौकृष्णजीसीरौ ॥ थाँरेजानींहलधरबी
रौ ॥ ६ ॥ जीमौजीमौकृष्णजीचावल ॥ थाँरेजानींनारदराव
ल ॥ थेतोनारदनैंवयूँल्याथा॥म्हाराटाबरियाभरमाथा॥७ ॥
गारीगावैंकृष्णजीकीसारी ॥ वैतोसदाकँवरमतवारी ॥ गारी
गावैंकुंदनपुरनारी ॥ याँनैंदीज्यौपानसुपारी ॥ ८ ॥ गारीस
बहीकेमनभावैं ॥ दुलहाकौमनहरखावैं ॥ येसैंपदमभक्तपद
गावै ॥ कुछरैंसबधाईपावै ॥ ९ ॥ रागकल्याँणकीठुमरी ॥
मुगटधरमहरकाहौ, कान्हाँदोयबापनकौजाँम ॥ टेक ॥ येक
बापमथुराबसेजी थाँरौदूजोगोकुलगाँम ॥१॥ नंदकोकहूंकव
सुदेवकौजी बाला कांइकांइकहबतलावाँ ॥२॥ हिलमिलफूंदी

देमयोजीकान्हा, बरसाणाँकेमाय ॥ ३ ॥ गोराईवसुदेवजी
हौकान्हाँ, गोराहीनँदराय ॥ ४ ॥ स्यामवरणकेसूँभयोजी
बाला, जाकौठीकनठाय ॥ ५ ॥ देवकीकीकूखमेंजनमियाँजी
कान्हाँ, जसोदागोदखिलाय॥ ६ ॥भुवाथारीकुंतिकाहौ,वाता
जायौकरणकँवारि ॥ ७ ॥ बेनडथारीसौदराहौ, अरजुनलेग
यौरथबेठार ॥ ८ ॥ पदमइयौस्वामीभणेंजी,गावैंकुंदनपुरनार
॥ ९ ॥ पाछीगारीनारदगावै॥ रागआसावरी॥ मोरीव्यायण
तूंसमदणमतवारी ॥टेक॥पहलीतौदुल्हाकूँमोह्यौपीछेजान
जुसारी ॥ १ ॥वेदउचारतब्रह्मामोहे,संकरनेजाधारी॥सिंगी
रिषसेवनमैंमोहे, मोहेपाँचहजारी ॥ २ ॥अरजुनसेरथवारी
मोहे, नारदसेब्रह्मचारी॥सबहीदेवद्वारपैंमोहे, रुकमकँवरकी
नारी ॥३॥ आयेजितनैंसबहीमोहे,करडीनिजरपसारी॥धिन

थारिकमरबजरकीछाती,काहूसैंनहिंहारी ॥४॥ छैलछबीली अजबरँगीली, काजररेखसँवारी ॥ पदमइयौस्वामीजुगतब खाणैं, आँखियाँकामनगारी॥५॥ समदणकीसख्याँउवाच ॥ रागबरवौ तालठूमरी॥काहाबाजतकरतगुमान मुरलीयारँगभरी ॥ टेक ॥ टूनांसोकरगोपियनमोही, कितगइवौवंसरी ॥१॥ मोहेदेवनारनरसारे, येसेकृष्णहरी ॥ २ ॥ ब्रजमंडलनचायौउसने, तनकासिक्यालकरी ॥ ३ ॥ पदमभगत बलिजायबनांपर,श्रीमुखआपधरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रैंनबिताईरंगमें, जादवजीम्यामात ॥ हरकतडेरांआविया,पोहोपीरी परभात॥ १ ॥सख्याँमिलीसबओरकी, निरखणजादवराय॥ कँवरकलेवाकारणै,लेगइँस्यामबुलाय ॥ २ ॥रागखट ॥ बैठे स्यामसिंघासनऊपर कँवरकलेवआयेजी ॥ टेक ॥ कंचन

थालबहुभोजनलेकर सखियनमंगलगायेजी ॥ १ ॥ लडूज
लेबीघेवरखाजा भोजनवेगकरायेजी ॥ २ ॥ जबश्रीकृष्णजी
हातनघाले रुकमकँवरबुलवायेजी ॥ ३ ॥ रुकमकँवरजब
आयबैठायाजीमेत्रिभुवनरायेजी ॥ ४ ॥ पूरणब्रह्मपदमके
स्वामी सखियनगारीगायेजी ॥ ५ ॥ राग कल्याण ठुमरी ॥
सख्यांगारीगावै ॥ चतुरभुजचोराटाजी आयाकुंदनांपुर
किंणकाम ॥ टेक ॥ चीरचोरतरवरचढयाजीबालाजलमें
नागीवाम ॥ वंसीमैंचितचोरियोजीबाला गोप्यांपूरणकाम
॥ १ ॥ छींकेमाखणचोरियोहौ बालाऊँखलबांध्योपाम ॥
नरकूबरउरझावियाजी लालातुरतगयासुरधाँम ॥ २ चोर
नखत्तरजनमियाँहोबाला कालाकपटीस्याम ॥ चोरीकररु
कमणहरीजीबाला भलौलजायोनाम ॥ ३ ॥ कुंदणापुरकी

कामणींहोवाळा जाणैमेंकृतमाम ॥ पदमस्यामशिवकणौं कहैजीचालाकियोपवीतरगाम ॥४॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ रागपरजकौकहरवौ॥मोहनमुलकरह्यो गारीगावैंछबीलीनार नटवरनिरखिरह्यौगारीगावैं ॥ टेर ॥ बिंदलीभलकेचूँमाँचिल केझीणौंकाजलसार ॥ मोह० ॥१॥ जोबनझलकैनथईहलकै बागाँपकीअनार ॥ मोह० ॥२॥ झींणौंझीणौं सादसुघरमुख सोहै कोकिलमयनाँसार ॥ मोहन० ॥ ३ ॥ भनशिवकरण पदमछबिनिरखत नारदवचनउचार ॥मोहन० ॥ ४ ॥ राग परज ॥ यजीकुंदनाँपुरकीनार मोहनमोहलियौ ॥ टेक ॥ मीठेमीठेनैंणमुसिकमुखमोरे नैंणचलावतधार ॥ १ ॥जरक सझीलासबतनझलकै तीखेनैंनकटार ॥ २ ॥ रुमकझमकस जभूषणसोहैं गजमोतियनकोहार ॥ ३ ॥ चपलाचतुरचको

रचारुमुख दिविजीमोहनींडार ॥ ४॥ पदमस्यामाशिवकरण
सरावै महिमाविदितअपार ॥ मोहनमो० ॥ ५ ॥ पाछीगारी
सख्याँगावैं ॥ रागठुमरी ॥ आयौआयौविरजकोकान्हमाख
णचोरलियौ० ॥ आयौ० ॥ टेक॥ मोरमुकुटियाहातलकुटिया
गावैअनौखीतान ॥ १ ॥ वृंदावनमेंगऊचरावै माँग्यौमहीकौ
दान ॥२॥ संगगवाल्याकुबडाकाल्या माँगवणाईजान ॥३॥
रुक्मणचोरभग्यौयेकछिनमैंपरीजनमकीबाँन ॥४॥ पद्मम
णैंप्रभुस्याँमसलोनाँ पलपलवारूँप्रान ॥ ५ ॥ रागकाफी ॥
खेलैंहैंप्रीतमप्यारी जुवामिल ॥ टेक ॥ इतवसुदेवभूपकेनंद
नउतनूपभींवकुँवारी ॥ १ ॥ सुघरसखीसुँदरीकरलेकेरुक्म
णिकेहिगडारी ॥ २ ॥ झपटलईजबरुक्मणिमुद्री सख्याँह
सीदेतारी ॥ ३ ॥ वसुदेवनंदनहारिगयेहैं जीतीभींवकँवारी ॥

॥४॥ पदमभक्तनैंणाँरसलूटे कुंदनपुरकीनारी॥५॥रागसोरठ
देस ॥ कँगनाँखोलेजादूराज खुलावैकामणी॥ ब्रह्मादोंन्हींगाँ
ठघुलायखुलेनहिंडोरडौ ॥ १ ॥ च्याहेकुंताँभुवाबुलाय ॥
च्याहेबहनसौदराबुलाय ॥ च्याहैनंदजसोदाबुलाय ॥ २ ॥च्याहे
गणपतकूंरेबुलाय ॥ वोतोमोदकमिसरीखाय॥वोतोडुडबुडडु
डबुडजाय ॥३॥च्याहेबाबावसूदेवबुलाय ॥ च्याहेमायदेवकीबु
लाय ॥ च्याहेहलधरबंधुबुलाय ॥ ४ ॥ च्याहेपाँचूंपांडुबुलाय॥
च्याहेब्रजकीसखीबुलाय ॥ श्रेसैंपदमभगतबलिजाय ॥ ५ ॥
दोहा ॥ जाकरपरगिरिवरधरयौ, राखल्यौब्रजसाथ ॥ बोब
लभुजकोकहाँगयौ, अबकहाकंपावैहाथ ॥ १ ॥ कछुमाख
णकोबलभयौ, कछुगोपियनकीसाय ॥ कछूसायबलवीरकी,
परबतलियौउठाय ॥ २ ॥ब्रजवासीकौनामसुण ,छातीराम

भरआय ॥ अनंतकोटब्रह्मंडमैं,त्रिविधातापनसाय ॥ ३ ॥
रागमारू ॥ सोवनकलसफटिकमणिकँगनामुलकतमोरबु
लायौ ॥ ब्यावपरमसुखविसरगयाजद्द नैणानीरभरआयौ॥
॥ १ ॥ काँपैहातडोरनहिंखुलेऊधौजीबतलावै ॥ नखसेधनुष
तिनकज्यूँतोरयो अबक्यूंलोगहँसावै ॥ २ ॥ यहसुणहँसेकृ
ष्णमनमाहींकंकनतुरतखुलावै ॥ पद्ममभणैप्रणमैंपायेलागूं
ब्याहभलोरसआवै ॥ ३ ॥ रागधनासरी ॥ आवोनैंचंद्रसैंण
जीरापूत भींवकरोपहरावणीं ॥ टेक ॥ पहरावणींसजनमिला
वणीं ॥ थाराहोग्याजीमनचीत्याबैनभींवकरोपहरावणीं॥१॥
पहरावणींकृष्णरिझावणीं ॥ राजा० ॥ आवैनैंभींवसेनजीरा
पूत रुक्मकरौपहरावणीं ॥ २ ॥ कहपद्मभक्तकरजोरकेप्रभु
दासजानके ॥ कीजामेहर द्योभाक्तिअनुपावनी ॥ ३ ॥ राग

मारू ॥ राजाभींवभंडारीकौक्या भींवभँडारखुलाया ॥ इच
रजाकैयास्यामअवतारी जादूकौकबुलाया ॥ १ ॥ करअस्तू
तआदकीपूजा च्यौकीवेगमँगावौ ॥ गणपतजीनैंपहलबुलावौ
कनकमालपहरावौ ॥ २ ॥ वसुदेवजीनैंसुखपालमँगावौचो
खीचदरओढावौ ॥ आछीचादरजडेजडाऊ नंदकेहातदिवा
वौ ॥ ३ ॥ हलधरनैंहलमूसलदीज्यौ वडीडोरिकाहाथी ॥ नें
मनाथनैंअसगजदीज्यौआहिरावतकेसाथी ॥ ४ ॥ चंचलजा
तकीमेलहनगरजा तिवरणजलकेहोडा ॥ राजाभींवदियापड
वाँनैंआपचढणकाघोडा ॥ ५ ॥ दसदससहसासिरोपावस
झिया साझसोहणींकीन्हीं ॥ रुकमकँवरराजाभीषमके छपन
कोटनैदीन्हीं ॥ ६ ॥ बहुतकवाहनचेराचेरीसंगसखाउरधा
री ॥ सालूसाहितसावटूवागा पाटपटंबरधारी ॥ ७ ॥ कबलग

रच्यूंपारनहिंपाऊँ दीन्हांबोहोपरकारी ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वा
मी याविधजानसिंगारी ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हरिहलधरकूतेडि
या,भाईत्यागचुकाय ॥ देसदेसकाबंदिजन, दालिद्रदेवौवु
हाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बागाजरीजरीकाफेंटा चीराचौरमँ
गाया ॥ सरसदुसालासरसपागडी जाचकजनपहिराया॥१॥
हलधरनेंमिलत्यागचुकाया नेंमनाथमनभाया ॥ केसौतणीं
बधाईऊपरडेराइंद्रलुटाया ॥ २ ॥ सोमांग्यासोसबहीदीन्हां
दालिद्दूरभगाया ॥ पदमस्यामसुखदायकनायक याविध
त्यागचुकाया ॥ ३ ॥ दोहा ॥ हरीपधारेहेसखी, गहराघुरै
निसाँण ॥ सैन्यांच्यांढिजाहूचले, आवोकरांबखाँण ॥ १ ॥ ये
कवारहेमावडी, मैंलोहेरीआय ॥ नदीबिहूणाँवाहला, कबअ
वसरामिलजाय ॥ २ ॥ रागकालिंगडौ ॥ म्हारोयेमिझल्यौरू

णझुण्यौझुरझुरपिंजरहोय ॥ रुकमणचालीबाइसासरेमिल
णौकबहोय ॥ म्हारो० ॥ १ ॥ माथमिलूँबाबलामिलूं मि
लमामौमूसाल ॥ भूबाभतीज्याँरैलमिलूँ मासीबालगुपाल॥
म्हारो० ॥ २ ॥ काकानैंकाकयाँमाबडो भावजअरुबड
वीर हिलमिलकेसबसूँमिलूँ आँसूभीज्योजीचीर॥म्हारो०
॥ ३ ॥ डौडामिलूँपरवारसूँ मिलताँखुलेहनबाथ ॥ छोटा
भाईभावजामिलूँ साथणियाँरौसाथ ॥ म्हारो० ॥ ४ ॥ पदम
भणैशिवकरणथूँ बीरारुकमकँवार ॥ वेगीसीमुकलावज्योकी
ज्यौमतीजीअँवार ॥ म्हारोये० ॥ ५ ॥ दोहा ॥ हुलरहुलरडु
सक्याँभरै, बिलखीराजकँवार ॥ नारदकहरथपरचढो, सुगनाँ
होतअँवार॥ १ ॥रागकालिंगडोकहरवामें ॥ म्हारोयेमिज
न्यौरुणझुण्यौसोवैराजदवार ॥ रुकमणचालीसासरै भलभ

लसुगनमनाय ॥ टेक ॥ हातलियाँहलकोरहैधारियाँभारज
लाख ॥ आल्यौहेम्हारीडुलहडीज्याँनैंनीकीराख ॥ १ ॥ आवौ
सखीसहेलियाँ मिलौभुजाहेपसार ॥ अबकाबिछडयाकब
मिलाँ दूरबसैंगेजाय ॥२॥मनजाणैंमायडमिलाँ गलहेभुजाहे
पसार ॥तनजाणैंहारिरथचढा देपिंजणपरपाय ॥३॥मनजाणैं
बाबल मिलूँ बाँहडलयाँगललाय ॥ अबकेबिछडेकबमिलैं दूर
द्वारकाजाय ॥४ ॥ पदमकहैरुकमणभणैंविनतीयेकयेमाय॥
बगलामैंम्हारीदूलिया थेतोसम्हालौनींजाय॥ ५ ॥पदरागमा
ड॥ अमाँम्हारीदूलियाँकोसिणगार ॥टेक॥ झिरमिटियाडाबा
महींमा बाहिरनहींछैलगार ॥ रतनजटितनखसिखतणौमा
राखौजीवअधार ॥अमाँम्हाँ०॥ १ ॥साथणियाँसँगखेलतीमा
बाबलकेदरबार॥औजूँहूँखेलणआवसूँमाजी कीज्यौ सारसं

भार ॥ अमाँम्हाँ ॥ २ ॥ भावजनैंमतभेदद्यौमाकीज्यौज
तनअपार ॥ खेलणरीमनमैंरहीमाकहुंछूँहुलारहुलार ॥ अमाँ
म्हारी० ॥ ३ ॥ दूरातोदेसाँथेदिवीमाजीसमदाँरियाकेपार ॥
पाछीतौकदमुकलावस्यौमाजी कद्यमिलसीपरवार ॥ अमाँ
म्हारी० ॥४॥ सासनणदाँदिवराणियाँमाजीसौकडाल्यांरोजी
साल ॥ काहाजाणुंकिसविधराखसीमाजी बेगीकीज्यौसार॥
अमाँ० ॥ ५ ॥ ज्यूंकहसीज्यूंईंचालस्याँमाजीदुलखांनाहिंजी
लगार ॥ बासीखूसीजोमिलैमाम्हारेतोअमृतसार ॥ अमाँ
म्हारी० ॥६॥ पदमभणौंशिवकणंयूँजीहुलरेराजकँवार॥पाछी
फिराफिरबीनवेमाजी बेगीकीज्यौसार ॥ अमाँम्हारीढुलियां
कोसिंणगार ॥ ७ ॥ रागकहरवौ॥बंधबनौमायामोहकोमाय
डघराँसिधाय ॥ तुमबिनाँबाईम्हारीरुकमणींकाँइकराँघरमाँ

य ॥ १ ॥ जिणअंगणाँमेंखेलतीसोअंगणाँनाहींसुहाय ॥ अ
नपाँणीकीरुचामिटीनैंणाँनींदनआय ॥ २ ॥ रुकमणचालीसा
सरे नवनिधिलीनीलार ॥ खाजाफींणींक्रौडसेलाडूक्रौडहजार
॥ ३ ॥ गाडाभरियाखोपराँसौलाक्रौडसुहाय ॥ मिसरीमेवा
सूंखडीदीज्योनअबँटाय ॥४ ॥ मुडमुडदेखैबाइआससिसाँचि
रंजीवौपरवार ॥ काकाबाबासुबसबसौभाइजीवौक्रौडहजार
॥ ५ ॥ आडाडूंगरकिणकियाकिणरोपीबणराय ॥ आडा
डूंगरहरिकियाबिधरोपीबणराय ॥ ६ ॥ आजरहेगीबाइरुक
मणींकाहुबनमैंजाय। मातद्वारिकाजायगीपदमइयोजसगाय।
बंधनबनौमाया० ॥ ७ ॥ दोहा ॥ राजाभींवकीबीनती, सा
म्हालियोभगवान ॥ गुणमाँनौंऔगुणतजौ, रुकमइयोअनजाँ
न ॥ १ ॥ सैन्यालेजादूचढे,साथचलेसबभूप ॥ दासीदीनद

यालकी,रुकमणिरूपअनूप ॥ २ ॥ मांडेम्हारेजसरह्यो, सुज
सरह्यौमहरवाय ॥ फूलयौंमरवौकेवडौ,औरसुगंध सुहाय॥३॥
पुरजनसबहरषितभये,घरघरमंगलचार ।पाटंबरसबपहरिके,
करतबधावानार ॥४॥ परणचलैंप्रभुरुकमणी,पंथद्वारिकालीन।पदमभक्तशिवकर्णकह,दौरबधाईदीन।५।टेर राग धनाश्री।
सखिसबगावैंमंगलचार जादूबंसकीनार ॥उडतगिरदलालभयोअंबर आयेकृष्णमुरार ॥ ऊंटनपरजुजरबाछूटेदौडेचलतकहार ॥ १ ॥ येदेखौअनद्दीखणलागे भालाफेरैंअसवार ॥ रथ
झणकारपरीश्रवणनमैं जाँझणराझणकार ॥२॥ बडेबडेराजा
जादू सोहैं हाथिनलगीकतार ॥ रथथनकीकछुगिनतीनांहीं
घोडाअनतअपार ॥ ३ ॥झालरद्वारपालखीसोहैझलके मुकट
अपार ॥ सुरनरमुनिजनकोडदेवता रंगकीपडतफुँहार ॥४॥

हरख्यौलेरबधाईनाईखबरकरोदरबार ॥ पदमकेस्वामीपरण
धारे रुक्मणिकेभरतार ॥५॥छंद॥तबनम्र नरसाझिआरत्यो
घनघोरनादबजावहीं ॥ सबपौरि तोरणकलसकंचनमोतिन
थालसजावहीं ॥ १ ॥ येकयेकक्केआगेचलेनरदौरकेसनमुख
गये ॥ हिलमिलहिंजायबरातभेटपरसपरपरसतभये ॥ २॥
कुसलातसबबिरतांतपूछरु सुनतसबराजीभये ॥ करआरती
करपूरबाती संखजलस्वातिकलये ॥ ३ ॥ औछारसकलबजा
रकरतजुहारनौछावरघनीं ॥ छिरकायअंत्रप्रहारपुस्पसुवृंद
भौदेवनहनीं ॥४॥ परदाउघारबिराजैंरथपरकृष्णबरअरुरुक
मनीं ॥ पद्मधनाशिवकर्णनिरखत सकलजननवलीबनीं ॥५॥
दोहा ॥ साम्हेलौश्रीकृष्णकौ, रुक्मणिल्यायापर्ण ॥ जादव
हर्षबधावियां,पद्मभक्तशिवकर्ण ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पदम

भक्तशिवकर्णबधावैजादवजाँनपधारी॥ नवलानेहनिरखबनरी कूँमंगलगावैंनारी ॥ १ ॥ केतिकनारझरौखनझाँकत केइचढ झाँकअटारी॥केइपरदेचिकओटनिहारें ॥ केतिकझाँकतजारी ॥ २ ॥ नवलबनींकेलैतवारणाँ पलपलप्राणजुवारी ॥ पद्म भक्तशिवकर्णनिरखिछबि चरणकँवलबलिहारी ॥ ३ ॥ राग मारू ॥ दैत्यबिडारेदेवडबारे आयेहरिअस्थानाँ ॥ बहनडरो क्योबारणौंजीघरआईसबजानाँ ॥ ४ ॥ बहनडबोलीकृष्णसूं भाईमोहनबारछुडाई ॥ कान्हकँवरजबदिवीछाबडीरतनादियै बहुताई ॥ ५ छंद ॥ पैसारौसबसाझमोहोरतभीतरभवन पधारिया ॥ सुभद्रामिलद्वाररोक्योपौरीकृष्णपलाविया॥१॥ आवोहमातादेवकीजीरुकमणिमुखदिखलाविया ॥ देवकी जीगोदलेकेघीगुडहातघलाविया ॥ २ ॥ राणींरुकमणिपाय

लागीसुरनपुष्पवर्षाइया ॥ द्वारापुरीआनंदभयौदासपदमज
सगाविया ॥३॥ रागजंगलौ॥मिलसखियनमंगलगावैं ॥ देव
कीजीलाडलडावैं॥ १ ॥ देवकीजीनेंउराबुलावौ॥ घीगुडमैंहा
तघलावौ॥२॥देवकीजीलाडलडावैं ॥ घीगुडमैंहातघलावैं॥
॥३॥वसुदेवजीआघाआवौ॥रुपियाँरीथैलील्यावौ ॥ ४॥ जद
दुलहनमुखादिखलावै ॥ शिवकर्णपदमजसगावै ॥ ५ ॥ राग
मारू ॥ सातसवागणसातसखीमिलरवागथालपरुसावै॥नृप
तसुतासातूंजुडबैठी प्रथमग्रासकुंणपावै ॥१ ॥ आँटपडीकोइ
हातनघालैहरजीबोल्यावाणीं ॥ साताँसिरैसँहससोलापर
भींवसुतापटराणीं ॥ २ ॥ नभस्वरपुस्पदुंदभीबाजी तीनलोक
जयकारा॥मेराभगतभींवरीकँवरीरुकमणिप्राणअधारा॥ ३ ॥
हरिकरहेतबडापणदीन्हौं रुकमाणिपाटबिठावै ॥ भनैशिवकर्ण

भगतरीमहिमांजनपद्मइयौगावै ॥ ४ ॥रागकाफीकीहोरी॥
बाँटतस्वागबनीं ॥आँगानियाँमैंबजतबधाई बाँटत० ॥टेक ॥
छोटेछोटेहातरूनरम्मकलइयाँ भरधौवारूधनी ॥ सुनसवदौरी
नवलनागरी जुडगइभीरघनी ॥ आंगानि० ॥ १ ॥ मिलमिल
अमरात्रियेसबदौरी निरखतभीवजनी ॥ बरषैपुष्पहरखत्रिहु
पुरमें दुंदुभिदेवहनी ॥ आंगानि० ॥ २ ॥ यहछबिहरखप्रा
नपतिनिरखतपरखतातिरछीअनी ॥ ब्रह्मांवदविरदबंदीजनम
हिमाँरटतफनी ॥ आँगनियाँमैं० ॥ ३ ॥लघुकरअतुरअतुराप्रि
यबाँटतविखरतधाँनिधनी ॥ पद्मस्यामाशिवकर्णसमेटतहम
रेतोखूबबनीं ॥ आँगानियामैं ० ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ पुरानहीं
द्वारावतीसमनदीगोमतीसारी ॥ कृष्णसमाँनदेवनहिंदूजा
भूगुलताउरधारी ॥ १ ॥ सोलासहँसयेकसौअबला भौमासु

रगाहिल्यायौ ॥ सगलीयेकमोहौरतपरणीं पारब्रह्मवरपायौं॥
॥ २ ॥ रुकमणिजामवतीसतभामानागजितिभद्रारांणीं॥
कालिंदीश्रीलक्ष्मी वृंदायेआठूंपटरांणीं ॥ ३ ॥ दसदसपुत्रये
कयेककन्यांयहतरुणीं बरदीनाँ ॥ निराकारनिरलेपनिरंतर
यौंरंगमायाभीनाँ ॥ ४ ॥ अपनींअपनींपौलिअभूखनभजन
करतसबनारी ॥ पदमस्यामसुखदायकनायकदरसनकीब
लिहारी ॥५॥ राग ॥ चरणरजबंधूजी म्हैंरहूँचरणलौलाय ॥
चरणरजबंधूजीकेसौकहांबधाय ॥ १ जिनभगतनश्रवणाँ
सुण्यौं जानैंविघननव्यापैकोय ॥ २ ॥ पदमइयौंस्वामींभणैं
भगतिदानद्यौमोय ॥ चरणरज०॥ ३ ॥ रागसोरठ ॥ जोया
मंगलकूँगावै ॥ ज्याँकापापप्रलैहोयजावै ॥ १ ॥ जोयामंगल
कूं सुनिहैं ॥ जाकेकोटजनमकेपुनहैं ॥ २ ॥ दोहा ॥ द्वारा

वांतिआनंदभयौ, सुरनरदेतअसीस ॥ कहपदमइयौवैरययूं, दौसिंघासनजगदीस ॥ १ ॥ रच्यौवैश्यपद्‌मालयह,रुकम णिमंगलसार ॥ सुद्धकियौशिवकर्णजन्न, तुकस्वबदईसुधार॥ ॥ २ ॥ विजयब्यावश्रीकृष्णकौ, रुकमणिल्यायापर्ण॥रामर- तननिजकरलिख्यौ, शुद्धकियौशिवकर्ण ॥ ३ ॥ कछुपदनये बनायकै, टूटकसंधिमिलाय ॥ कियौसंकलाबंदसब, अरथाँ अंकारिलाय ॥ ४ ॥ मूलचंदसुताशिवकरण, दरकमूंडवेबास॥ मुरधरडीडुमहेस्वरी इंद्रपुरीसुखवास ॥ ५ ॥ परातिइग्याराये खटी करसभकाढयौसार ॥ तुकटूटीमेटीआमिल अरथाँलि यौसुधार ॥ ६ ॥

इति रुक्मिणीमंगल भक्तपद्मदासकृत समाप्त।

अथ बारामासियो रुकमनीको ।

गोबरधनधारी राषोपरतंग्या दासीआपकी ॥ टेर ॥ लग्यो महीनो चैत्र चावसें गौरीनंदमनाऊं ॥ दुर्गामाई करोसहाई हितचितसेतीध्याऊं ॥ दीज्योबुद्धिबरदानआनमोथे तुमसैं अरजलगाऊँ ॥ विद्रभदेशसुहावणो भीषमघरअवतार ॥ पाँचपुत्रप्रगटचाराजाके छट्ठीराजकुँवार ॥ लक्ष्मीरूपपधारी ॥ ॥ १ मासबैसाखद्वारपरमारैनारदमुनीपधारा ॥ आदर भावकियौबहुतेरादेआसनबैठारा ॥ चरणधोयचर्णामृतलीन्योतबरिषिवचनउचारा ॥ रुकमनिकोबरसाँवरो, जदुपति दीनदयाल ॥ दुष्टसंहारणभक्तउबारण,करुणासिंधुगोपाल॥ रचीजिनसृष्टीसारी ॥ २ ॥ ज्येष्ठमासबंधूरुकमैयोमातासेंब तलायो ॥ कागदलिखकरदियोभाटनैंचंदेरीपहुंचायो ॥

पत्रीवांचचढ्यौशिशपालोकुंदनपुरमैंआयो ॥ संगराजानि शानवैं, सोभाअनंतअपार ॥ देषीजानगोरवै आई, हरष्यो रुकमकुँवार ॥ जानमालिमांतिउतारी ॥ ३ ॥ साडमा समातामेरकूँअपनेपासबुलाई ॥ सजबरातशिशपालोआ योनिरषोरुकमनिबाई ॥ जरासिंधसेकाकाजिनके दूता धरसेभाई ॥ चवदाभवनकेबीचमैं, ऐसोराजानाय ॥ काल्योबाल्योगऊचरावै, डोलैबनकेमाय ॥ उसीमेंकेगुण भारी ॥ ४ ॥ सावणसोचकरैभीषमजीअबप्रभुजीकबआ वै ॥ आडीभौमद्वारकाकुणम्हारोसंदेशोपहुंचावै ॥ डाहलपं चगयोकुंदनापुरयहकोईजायसुनावै ॥ बिरदउधारणआपहो, कीजैबेगसहाय ॥ जोसिसपालरुकमनींपरणौं, मरूंकटारी खाय ॥ येहीनिश्चयमनधारी ॥ ५ ॥ भादुभगवतबेगपधारो

अबमतदेरलगावौ ॥ सेनालेआयोअभिमानी तिसकोगरभ
हटावौ ॥ रामरूपहोयपहलीपरणीअबक्यूंलोगहँसावो ॥ पुरी
अयोध्याजान्मिया,दशरथघरअवतार ॥ तोडोधनुषाकियादो
टुकडा,अबक्यूंदईबिसार ॥ कहोक्याचूकहमारी ॥ ६ ॥ आ
श्विनअरजकरूंकरजोडाँ लगरहीचिंताभारी सरवरन्हाताको
लकियाथाक्यूंभूल्यागिरधारी ॥ डूबतडीनेबाहरकाडीअब
क्रिणदोषबिसारी ॥ डाहलदीपैकालसो,जमसीलगैबरात ॥
मेरीटेरसुनीनहिंकाना,कूनरीतकीबात ॥ बिनंतीकरकरहारी
॥ ७ ॥ कार्तिकमासच्यायभगवतकी जोसीपासबुलायो ॥
हाथजोडपरकंम्यादीनी आसनदेबैठायो ॥ पतियालिखदीनी
करसेंतीबहुतभाँतसमुझायो ॥ तुमाद्विजजावोद्वारिका, श्रीकृ
ष्णकेपास ॥ हमरीमातभ्रातकेआगे,मतना दीज्योजास ॥

आसहैबडीतीहारी ॥ ८ ॥ अगहनमासचल्योजोसीजीपुरी द्वारिकाध्यायौ ॥ पत्रीजायकृष्णकूंदीनी सारोभतोबतायौ ॥ विद्रभदेशकुंदनपुरनगरीरुक्मनिमोय खिनायौ ॥ ब्राह्मण बांच्चैपत्रिका,सुनियोजादूराय ॥ औरसंखहरागिजनाहिजानु, संशयमेटौ आय ॥ करोबेगाअसवारी ॥ ९ ॥ पौषमासमे रेपितापासआजोसी बैनसुनाया ॥ पांचूपांडूअरुबलभद्दर श्रीकृष्णचद्दआया सनसुनबातनाथकीहमरेहोरयाहरषसवा या ॥ जाऊंअंबापूजिबा, भरमोतीयनकोथाल ॥ नारदजी मोयेवचनादियाथा,मिलसीनंदकोलाल ॥ करीचलवाकीत्या री ॥ १० ॥ माघमासदूर्गाबरदीनीमिलगयेकृष्णमुरारी ॥ करकेकोपलडनकूंआयोरावनकोऔतारी ॥ सनमुखआयामि लेहलधरजी,जुद्धभयो अतिभारी॥राजासाराखपगया हस्ति

नकोनहिंपार ॥ चंदेरीकोराजाभाग्यो,जरासिंध हैलार ॥ खपादईसेनासारी ॥ ११ ॥ फागणचावरावभीषमके सुवर्ण खबरूपाया ॥ ब्रह्मादिकनारदमुनिआयेमोतियनचोकपुराया ॥ भलीभांत दीनी मिजमानीजादूविद्याकराया ॥ परणपधारेचावसे,रुकमानिअरूघनस्याम ॥ जोजनगावैं बारामासो,पूरणहोसबकाम ॥ कैहैरूलीरामपुजारी ॥१२॥

इति बारामासियो रुकमनींजीको रूलीरामकृत समाप्त ।

इदं पुस्तकं मुम्बय्यां क्षेमराज—श्रीकृष्णदासश्रेष्ठिना स्वकीये
"श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्—यन्त्रालयेऽङ्कयित्वा प्रकाशितम् ।
संवत् १९८१, शके १८४६.

पुस्तक मिलनेका पता—
खेमराज श्रीकृष्णदास,
"श्रीवेंकटेश्वर" स्टीम्–प्रेस बम्बई.

तथा—
गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
"लक्ष्मीवेंकटेश्वर" स्टीम् प्रेस कल्याण--बम्बई.

इस पुस्तको खेमराज श्रीकृष्णदासने बम्बई खेतवाडी ७ वी गली खम्बाटा लैन स्वकीय "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम् प्रेसमें छापकर प्रकाशित किया ।

इति बडा रुक्मिणीमंगल समाप्त।